पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका
- 12

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे
- 12

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका
- 13

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया
- 14

आज का मौसम

18.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.08

सूर्यास्त 05.28

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 01:48 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 31 दिसंबर 2025, वर्ष 6, अंक 274, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों पर सैलानी

शिमला : नए साल का जश्न मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला में कड़ाके की ठंड के बाद भी मंगलवार की शाम को रिज में अच्छी चहल-पहल देखी गई। ● एजेंसी

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जापान हमसे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

● टैरिफ वार के बीच पकड़ी रॉकेट सी रफ्तार, 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरे स्थान पर होंगे हम

भारत 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और 2030 तक जर्मनी को पीछे करके तीसरे स्थान पर पहुंचने की स्थिति में है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। भारत लगातार मजबूत वृद्धि आंकड़ों के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था भी बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। भारत ने 4,180 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन के साथ जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया और अनुमान है कि 2030 तक 7,300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जर्मनी को तीसरे स्थान से हटाने की स्थिति में है।

आईएमएफ का अनुमान

आईएमएफ के साल 2026 के अनुमानों के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 4.51 ट्रिलियन डॉलर की होगी। यह जापान के अनुमानित 4.46 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। सरकार का यह आशावादी दृष्टिकोण ऐसे समय में आया है जब अगस्त में अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण अर्थव्यवस्था को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ये टैरिफ भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़े थे।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर है। बयान में कहा गया कि 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो वैश्विक व्यापार में बनी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की मजबूती को दर्शाती है। मजबूत निजी उपभोग जैसे घरेलू कारकों ने इस विस्तार को सहारा देने में प्रमुख भूमिका निभाई। बयान में विभिन्न संस्थानों के अनुमानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है।

विश्व बैंक ने 2026 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। वहीं मूडीज का अनुमान है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने 2025 के लिए अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत कर दिया है।

ब्रीफ न्यूज

14 जनवरी से रेलवन एप से अनारक्षित टिकटों की खरीद पर 3% छूट

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। फिलहाल, यह एप पर आर-वॉलेट भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक प्रदान करता है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को सॉफ्टवेयर प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र में कहा गया, डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

नक्सलियों को विस्फोटक आपूर्ति में पांच पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के लिए विस्फोटकों की खरीद और आपूर्ति से जुड़े साल 2024 के एक मामले में चार भगोड़ों समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को आरोपपत्र दायर किया। गिरफ्तार आरोपी मनीष सोढ़ी और चारों फरार अभियुक्त सोढ़ी केसा, मनीला, मडकम केसा व सोढ़ी लखमा छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के निवासी हैं।

भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस में सवार, युवा आबादी इसका मुख्य इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा- सुधारों के बाद हमारी तरफ उम्मीद एवं भरोसे से देख रही है दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

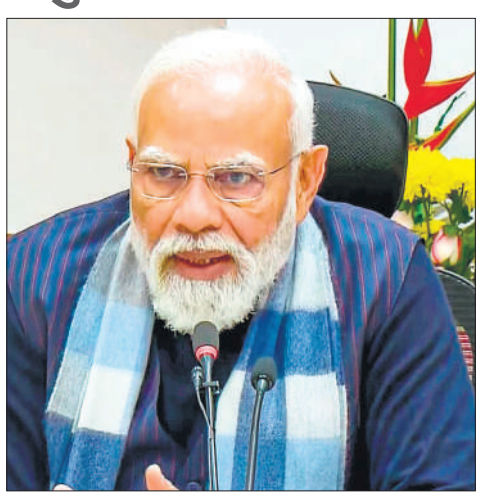

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने वाले अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की रफ्तार को जिस गति से बढ़ाया है, उसकी तारीफ दुनिया कर रही है। कहा कि भारत सुधारों पर केंद्रित 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' में सवार हो चुका है जिसका मुख्य इंजन देश की युवा आबादी और नागरिकों का अटूट संकल्प है। प्रधानमंत्री ने पेशेवर सोशल नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर अपनी एक पोस्ट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत अपने लोगों के नवोन्मेषी उत्साह के कारण वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया है और अब दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है।

मोदी ने कहा, भारत के लिए 2025 एक ऐसा साल होगा जिसे हमने पिछले 11 वर्षों में तैयार जमीन पर सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा। हमने संस्थाओं को आधुनिक बनाया, शासन को सरल किया और दीर्घकालीन समावेशी वृद्धि के लिए बुनियाद को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी, भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, श्रम कानूनों में सुधार और ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी कुछ प्रमुख पहलों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने जीएसटी में पांच और 18 प्रतिशत का दो-स्तरीय कर ढांचा लागू किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे घरों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-गहन क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है। इसका मकसद विवादों में कमी लाना और अनुपालन को बेहतर करना है। इस सुधार से उपभोक्ता धारणा और मांग में वृद्धि हुई है।

त्योहारी मौसम में बिक्री में भी वृद्धि देखी गई। मोदी ने इस पोस्ट में मध्यम वर्ग को दी गई अप्रत्याशित राहत का जिक्र करते हुए कहा कि सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को अब आयकर नहीं देना है।

इसके अलावा 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलते हुए आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 लागू किया गया है। भारतीय बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देने से बीमा दायरा बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर विकल्प एवं सेवाएं मिलेंगी। संसद के मानसून सत्र में एक ही बार पांच समुद्री कानून पारित किए गए। मोदी ने चार आधुनिक श्रम संहिताएं लागू किए जाने का जिक्र किया जो मजदूरों के हित सुरक्षित करने के साथ कारोबारी परिवेश को भी मजबूत करता है। इसके अलावा यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एफटीए भी का भी जिक्र किया।

दीर्घकालिक वृद्धि के लिए मिशन रूप में सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में मिशन रूप में सुधार किए जाने की जरूरत पर जोर दिया ताकि दीर्घकालीन आर्थिक वृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों के संदर्भ में नीति आयोग में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत में यह बात कही। इस संवाद का विषय 'आत्मनिर्भरता एवं संरचनात्मक रूपांतरण, विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की नीति-निर्माण प्रक्रिया और बजट निर्धारण में 2047 के लिए संकल्प को केंद्रीय रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक श्रम शक्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाए रखना जरूरी है। मोदी ने विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प अब सरकारी नीतियों से इतर आमजन आकांक्षा बन चुका है। इस चर्चा में कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों ने शिरकत की। इनमें शंकर आचार्य, अशोक के भट्टाचार्य, एन. आर. भानुमूर्ति, अमिता बत्रा, जन्मेजय सिन्हा, अमित चंद्रा, रजनी सिन्हा, बसंत प्रधान, मदन सबनवीस, आशिमा गोयल, धर्मकीर्ति जोशी, उमाकांत दास, पिनाकी चक्रवर्ती, इंद्रनील सेन गुप्ता, समीरन चक्रवर्ती, अभिमान दास, राहुल बाजोरिया, मोनिका हलन और सिद्धार्थ सन्याल शामिल थे।

उत्तर प्रदेश में फिर बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन अब 6 जनवरी, 2026 को

● ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 मार्च को की जाएगी जारी

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की समय-सीमा में पुनः संशोधन किया है। इसके अनुसार एक जनवरी, 2026 के आधार पर तैयार की जा रही मतदाता सूची के लिए अब नई तारीख घोषित की गई हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि तारीख में हुए इस बदलाव का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट छह जनवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद मतदाता अपने नाम, पते और अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर राज्य में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की घोषित तारीखों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित

तारीखों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है।

छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

● प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया शोक कहा- भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को याद रखा जाएगा

● तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं खालिदा जिया, आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया ने देश में उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा था। जिया के बड़े बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा, मेरी मां अब हमारे बीच नहीं रहीं। जिया बीएनपी की अध्यक्ष थीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। जिया के निजी चिकित्सक डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने बताया कि ढाका के 'एवरकेयर' अस्पताल में इलाज के दौरान मंगलवार तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। जिया तीन बार प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष भी रह चुकी थीं। जिया के जनाजे की नमाज बुधवार को संसद परिसर के सामने ढाका मानिक मियां एवेन्यू में होने की उम्मीद है। जिया गुर्दे और हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह के साथ अन्य संक्रमणों से जूझ रहीं थीं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपने शोक संदेश में जिया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि देश ने न केवल एक महान राजनेता को खोया है।

अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुधवार को बांग्लादेश जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अंतिम संस्कार में शामिल होंगे और भारत तथा भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए डॉ. जयशंकर के बेगम जिया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

छह राज्यों में बारिश का अलर्ट, यूपी में बिगड़ेगा मौसम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● पहाड़ों पर हिमपात के कारण तापमान दो से तीन डिग्री गिरने की संभावना

● वर्ष के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घने कोहरे के आसार

अमृत विचार : नववर्ष के आगमन की तैयारी के बीच मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने उत्तर भारत के छह राज्यों में बारिश की चेतावनी दी है। लोगों से इस दौरान सतर्क रहने की अपील की गई है।

दरअसल, पहाड़ी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी हिमपात की संभावना है, जिससे उत्तर प्रदेश के भी तमाम जिले प्रभावित होंगे। बारिश और हिमपात के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। इस बीच उत्तर प्रदेश में वर्ष 2025 के आखिरी दिन 20 से अधिक शहरों में घना कोहरा मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। सुबह के वक्त यात्रा करने वाले लोगों को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। जिन जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है, उनमें लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, सीतापुर, गोरखपुर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, बहराइच, गोंडा, सैफई, मैनपुरी, बिजनौर, रामपुर, बलरामपुर, आगरा, मुजफ्फर नगर, अमेठी, मेरठ और बरेली शामिल हैं। दूसरी ओर वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर की शाम से छह राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान लोगों से काफी सतर्क रहने की अपील भी है। बारिश की वजह से पारा तेजी से गिरने की संभावना जताई गई है।

'बैटल ऑफ गलवान' से चिढ़ा चीन

● चीनी मीडिया ने की आलोचना, कहा- ट्रेलर हकीकत से दूर, भारत सरकार के सूत्रों ने किया बचाव

नई दिल्ली। सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर जारी होने के बाद चीनी ने नाराजगी जताई है। वहां की मीडिया में हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि सिनेमा कलात्मक अभिव्यक्ति का एक माध्यम है और भारत इसे प्रतिबंधित नहीं करता है। यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है।

चीन के मीडिया संस्थान ग्लोबल टाइम्स ने इस फिल्म को सिनेमाई अतिशयोक्ति बताया और दावा किया कि इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान ने बी संतोष बाबू की भूमिका निभाई है। साल 2020 में भारतीय क्षेत्र की रक्षा करते हुए बाबू और 16 बिहार रेजिमेंट के 19 अन्य सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

48 घंटे के भीतर दूसरा भेड़िया ढेर

कैसरगंज (बहराइच)। कैसरगंज वन रेंज में वन विभाग ने मंगलवार को मादा भेड़िए को मार गिराया। बीते 48 घंटों में यह दूसरा भेड़िया है जिसे वन विभाग ने शूट किया है। भेड़िए के मारे जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

मंगलवार को भिरगू पुरवा के पास भेड़िए की मौजूदगी की सूचना मिली थी। रेस्क्यू टीम को देखकर भेड़िया खेतों की ओर भागने लगा, जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने से भेड़िया मौके पर ही ढेर हो गया। इससे पहले, रविवार को भी वन विभाग ने इसी इलाके के बिरजा पकड़िया क्षेत्र में एक भेड़िए को शूट किया था। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे गश्त के दौरान भेड़िए को देखा गया और पीछा करने के बाद उसे गोली मार दी गई।

रिपोर्ट

एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक 75 जिलों से 207486 कॉल पहुंची, आगरा पहले नंबर पर, मुरादाबाद छठे नंबर पर

बढ़े मानसिक रोगी, दो लाख लोगों ने लिया हेल्पलाइन का सहारा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : पश्चिमी उप्र में मानसिक तनाव के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बरेली, फिरोजाबाद के बाद मुरादाबाद से भी बड़ी संख्या में लोगों ने मानसिक समस्याओं से राहत पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टेलीमानस हेल्पलाइन पर संपर्क किया है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अप्रैल से 10 दिसंबर तक प्रदेश के 75 जिलों से कुल 2,07,486 कॉल्स प्राप्त हुईं।

प्रदेश में सबसे अधिक 8,863 कॉल आगरा जिले से दर्ज की गईं, जबकि मुरादाबाद छठे नंबर पर है। लखनऊ, वाराणसी, बरेली और फिरोजाबाद भी टॉप 10 जिलों में शामिल रहे। मुरादाबाद जिला अस्पताल में तैनात मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिनव शेखर ने बताया कि प्रदेश में गोरखपुर, बरेली, आगरा और वाराणसी में टेलीमानस सेंटर स्थापित किए गए हैं। ये सेंटर सप्ताह के सातों दिन 24 घंटे सक्रिय रहते हैं। टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14416 और 18008914416 पर कॉल करने वाले लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया जाता है। प्रदेश के किसी भी जिले से की गई कॉल सीधे इन सेंटरों तक पहुंचती है।

ये हैं टॉप-10 जिले (कॉल संख्या)

आगरा (8863), लखनऊ (5488), वाराणसी (4662), बरेली (4226), फिरोजाबाद (2901), मुरादाबाद (2817), झांसी (2783), प्रयागराज (2773), बुलंदशहर (2726), रामपुर (2406)।

सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने की

आंकड़ों के अनुसार, मानसिक तनाव को लेकर सबसे अधिक कॉल पुरुषों ने कीं। कुल कॉल्स में 55 प्रतिशत पुरुष, 43 प्रतिशत महिलाएं रहीं, जबकि 10.1 प्रतिशत ट्रांसजेंडरों ने भी मानसिक तनाव से जूझने की बात साझा की। करीब दो प्रतिशत लोगों ने कॉल तो की, लेकिन कोई पीड़ा साझा नहीं की, 10.2 प्रतिशत लोगों ने केवल टेलीमानस सेवा की जानकारी के लिए संपर्क किया। कॉल्स के प्रकार में 76 प्रतिशत नियमित परामर्श, 20 प्रतिशत सूचनात्मक, चार प्रतिशत बिना स्पष्ट कारण के और 0.2 प्रतिशत गंभीर प्रकरणों से संबंधित पाई गईं। मानसिक तनाव के प्रमुख कारणों में बेरोजगारी, घरेलू विवाद और काम का बढ़ता दबाव सामने आया है। कॉल करने वालों ने निराशा, उदासी, नींद न आने, आक्रामक व्यवहार और अकेलापन महसूस होने जैसी समस्याएं बताईं।

परिजनों, दोस्तों के साथ समय बिताने की सलाह

काउंसलरों द्वारा उन्हें परिजनों और दोस्तों के साथ समय बिताने, अपनी बात साझा करने और सकारात्मक सोच अपनाने के सुझाव दिए गए। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि तनाव से बचाव के लिए सकारात्मक सोच और संवाद बेहद जरूरी है। मुरादाबाद में टेलीमानस की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। लोग हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं या जिला अस्पताल के मनकक्ष में पहुंचकर उपचार ले सकते हैं।

स्टेशन रोड पर रोजाना जाम से लोग बेहाल

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर की प्रमुख स्टेशन रोड पर लगने वाला रोजाना जाम आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। खासकर प्रिंस रोड मोड़ से लेकर पारकर रोड मोड़ तक जाम की सबसे बड़ी समस्या है। सुबह कार्यालय समय और शाम को बाजार बंद होने के वक्त हालात और भी खराब हो जाते हैं।

इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं, जिनमें स्कूल बसें, एंबुलेंस, ऑटो, ई-रिक्शा और निजी वाहन शामिल हैं। सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहन, अतिक्रमण और यातायात नियमों की अनदेखी जाम की मुख्य वजह बन रही है। कई बार तो कुछ सौ मीटर की दूरी तय करने में लोगों को 20 मिनट से ऊपर तक लग जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार ट्रैफिक पुलिस भी नदारद रहती है, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है। लोगों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

कन्या सुमंगला योजना में पिछड़ रहा विभाग

मुरादाबाद, अमृत विचार : कन्या सुमंगला योजना में लोगों की रुचि कम होती दिखाई दे रही है। पिछले वर्ष के सापेक्ष आवेदन कम आए हैं। इसके लिए विभाग की ओर से योजना के संबंध में प्रसार प्रचार की कमी रही है। मार्च से लेकर 28 दिसंबर तक तहसील स्तर पर कुल 122,ब्लॉक स्तर पर 173 सहित कुल 295 आवेदन महिला कल्याण विभाग को प्राप्त हुए। प्रदेश सरकार की कन्याओं के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना गरीब परिवारों की बालिकाओं के लिए चलाई जा रही है।

मंगलवार को जिला महिला कल्याण अधिकारी चंद्रभूषण राव ने बताया कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभ के लिए आवेदन करने के बाद बालिका के जन्म होने पर 5 हजार रुपये प्रथम श्रेणी में, द्वितीय श्रेणी में 1 वर्ष पूर्ण होने पर टीकाकरण कराने पर 2 हजार, तृतीय श्रेणी में कक्षा एक में प्रवेश करने पर 3 हजार रुपये, चतुर्थ श्रेणी में कक्षा 6 में प्रवेश करने पर 3 हजार रुपये, पंचम श्रेणी में कक्षा 9 में प्रवेश करने पर 5 हजार रुपये तथा षष्टम श्रेणी में कक्षा 10वीं और 12वीं पास करने पर स्नातक के दो वर्ष या अधिक समय के डिप्लोमा कोर्स के प्रवेश के लिए 7 हजार रुपये का भुगतान किया जाता है। इसमें परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रुपये अधिकतम होनी चाहिए। इस योजना लाभ दो बालिकाओं का जन्म तक दिया जाएगा। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए विभाग की ओर से दी https://mksy.up.gov.in पर लॉग इन कर आवेदन कर सकते हैं।

रजा लाइब्रेरी में 25 वर्षों में 20 हजार से ज्यादा किताबों को सहेज चुकीं हैं सनम

किताबों को जीवनदान दे रहीं सनम अली खान

वाहिद अली, रामपुर

अमृत विचार : नवाब खानदान से ताल्लुक रखने वाली सनम अली खान सदियों पुरानी किताबों व पेंटिंग की डॉक्टर बनकर उनको जीवनदान दे रहीं हैं। जिन किताबों को हम छू नहीं सकते उन किताबों को वो लाइब्रेरी में रखने और पढ़ने लायक बना रहीं हैं। पिछले 25 सालों में रजा लाइब्रेरी की 20 हजार से ज्यादा किताबों को जीवनदान दे चुकी हैं।

किताबें बोलती हैं, ये बात सच है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित रजा लाइब्रेरी में रखीं पिछले कई दशकों पुरानी और नवाबों के समय की किताबों को पढ़ेंगे तो ये एहसास हो जाएगा। इन सदियों पुरानी किताबों को सहेजने के लिए विशेषज्ञ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसमें एक नाम आता है रामपुर के नवाब हामिद अली खान की नवासी सनम अली खान का। वो नवाब हामिद अली खान की छोटी बेटी साहिबजादी कुलसुम की पोती हैं और साहिबजादा जाफर अली खान की बेटी हैं। चार बहन भाइयों में सबसे छोटी सनम अली खान की स्कूलिंग केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ से हुई है, जबकि स्नातक की पढ़ाई राजकीय गर्ल्स डिग्री कॉलेज रामपुर से हुई है। इसके बाद वो रजा लाइब्रेरी में किताबों की देखरेख के लिए स्थापित लैब में ट्रेनिंग लेने लगीं। करीब 18 महीने ट्रेनिंग लेने के बाद सनम अली खान दिल्ली राष्ट्रीय संग्रहालय चली गईं। वहां से शिक्षा लेने के बाद फेलोशिप लेकर लंदन विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में शिक्षा ली। छह महीने के इस प्रशिक्षण के बाद वो वापस रामपुर आ गईं। 2001 से रजा लाइब्रेरी में 60 हजार किताबों और महत्वपूर्ण पेंटिंग की संरक्षक के तौर पर कार्य कर रहीं हैं। कांट्रेक्ट पर वो पुरानी और बेहद खराब स्थिति में पहुंच चुकी किताबों को संरक्षित करने का काम करने लगीं। सीनियर टेक्निकल रेस्टोरेट सैयद तारिक अजहर के साथ मिलकर किताबों को संरक्षित किया।

लाइब्रेरी की लैब में खराब स्थिति में किताब की जानकारी देतीं सनम अली खान।

दीवाने हाफिज सबसे यादगार किताब

सनम अली खान ने बताया कि वैसे तो सभी किताबें हमारे लिए महत्वपूर्ण है। 20 हजार से ज्यादा किताबों को संरक्षित किया, लेकिन दीवाने हाफिज बेहद अहम किताब रही, जिसे हमने संरक्षित किया। कश्मीरी पेज पर अकबर के लिए 13वीं सदी की शायरी इस किताब में है। इसमें 11 पेंटिंग इसे खास बनाती है और यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज घोषित की है। सन् 1575 की इस किताब में ईरानी शायर हाफिज शमसुद्दीन शिराजी के कलाम मौजूद हैं।

> रजा लाइब्रेरी सौहार्द की मिसाल है, यहां 60 हजार से ज्यादा किताबें हैं जो हमें इतिहास में ले जाने के लिए काफी हैं। इन्हें संजोना हमारा लक्ष्य भी है और हमारा फर्ज भी है। लाइब्रेरी में संचालित लैब में बेहद खराब स्थिति में पहुंची किताबों को संरक्षित करने का काम जारी है। पूरी टीम लगन से इस कार्य को कर रही है, ये कार्य आगे भी जारी रहेगा।
> **- डॉ. पुष्कर मिश्र, निदेशक रजा लाइब्रेरी एवं संग्रहालय।**

कब्रिस्तान पर बने मिले 22 दुकानें व मकान

आठ थानों की पुलिस व पीएसी जवानों की मुस्तैदी के बीच हुई कब्रिस्तान की जमीन की पैमाइश

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल में विवादित धार्मिक स्थल जामा मस्जिद के समीप स्थित कब्रिस्तान की भूमि पर निर्माण की शिकायत पर मंगलवार को प्रशासन ने पैमाइश कराई तो 22 दुकानें व बहुमंजिले मकान बने मिले। कार्रवाई के दौरान आठ थानों की पुलिस के साथ ही भारी संख्या में पीएसी के जवान तैनात रहे। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी ने कहा कि नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगे जायेंगे। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान पैमाइश के मद्देनजर सुबह से ही रैपिड एक्शन फोर्स, पीएसी और आठ थानों की पुलिसआसपास इलाके में तैनात कर दी गई थी। आसपास के मकानों की छतों पर दूरबीन और वायरलेस सेट से लैस पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संदिग्ध हरकत की तत्काल सूचना अधिकारियों तक पहुंचाई जा सके। संभल सदर कोतवाली क्षेत्र में जामा मस्जिद से सटे गाटा संख्या 32/2 की 4780 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित कब्रिस्तान को लेकर अधिवक्ता सुभाष चंद्र त्यागी ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसी शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने जमीन की पैमाइश के निर्देश दिये थे। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह, तीन नायब तहसीलदार, 22 लेखपाल और चार कानूनगो की मौजूदगी में मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे पैमाइश की प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान एएसपी कुलदीप सिंह व सीओ आईपीएस आलोक भाटी मौके पर मौजूद रहे। राजस्व विभाग की टीम ने कब्रिस्तान जामा मस्जिद से सटे छोर से पैमाइश शुरू की। इसके बाद उत्तर दिशा में डाकखाना रोड तक नापतोल की गई तो मुख्य मार्ग के किनारे पर बनी 22 दुकानें व उसके ऊपर बने बहुमंजिले मकान भी कब्रिस्तान की भूमि पर ही बने पाए गये। इसके बाद ही इन 22 दुकानों और मकानों की लंबाई-चौड़ाई के साथ गहराई तक की नपाई की गई। प्रत्येक दुकान और मकान का अलग-अलग नक्शा तैयार किया गया। साथ ही वहां रह रहे लोगों से निर्माण व स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों के बारे में भी पूरी जानकारी भी जुटाई गई। करीब दो घंटे तक चली पैमाइश में राजस्व टीम ने जमीन की नाप जोख का पूरा ब्यौरा तैयार कर लिया।

पैमाइश का ब्यौरा दर्ज करते राजस्व अधिकारी व लेखपाल। • अमृत विचार

- 22 लेखपालों सहित 29 राजस्व अधिकारियों की टीम ने की पैमाइश
- डीएम ने कहा-दुकान व मकान बनाने वालों को नोटिस दे मांगेंगे दस्तावेज

जामा मस्जिद के निकट दुकान की पैमाइश करते राजस्व विभाग के कर्मचारी।

डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

जिस समय जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की पैमाइश का काम चल रहा था उसी समय जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारी जामा मस्जिद के पश्चिम दिशा के जीने से चढ़कर कब्रिस्तान की भूमि तक पहुंचे। वहां राजस्व अधिकारियों से पैमाइश का ब्यौरा जानने के बाद दोनों अधिकारी कोतवाली पहुंच गए।

पैमाइश के दौरान भ्रमण करते डीएम व एसपी।

आजम खान और अब्दुल्ला से यूसुफ ने की मुलाकात

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर जिला कारागार में बंद सपा नेता मोहम्मद आजम खान और बेटे अब्दुल्ला से यूसुफ मलिक ने मुलाकात की। यह मुलाकात करीब आधे घंटे तक चली। मुलाकात के बाद जेल से बाहर निकलकर मुरादाबाद निवासी सपा नेता यूसुफ मलिक ने जेल की व्यवस्थाओं और आजम खान को मिल रही सुविधाओं को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।

यूसुफ मलिक ने कहा कि मौजूदा सरकार में आजम खान को किसी भी तरह की सहूलियत मिलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में मूलभूत सुविधाओं तक में लापरवाही बरती जा रही है। मलिक के अनुसार, आजम खान की तबीयत पहले से ठीक नहीं है और ठंड के मौसम में जेल की परिस्थितियां उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर डाल रही हैं। कहा कि सरकार राजनीतिक दुर्भावना के चलते आजम खान को परेशान कर रही है। मानवीय आधार पर भी उन्हें सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। सपा नेता मोहम्मद आजम खान वर्तमान में अपने बेटे अब्दुल्ला आजम खान के दो पैन कार्ड मामलों में जिला कारागार में बंद हैं।

पत्ता गोभी के कीड़े से दिमाग में बनीं गांठें, छात्रा की मौत

संवाददाता, मंडी धनौरा

- इलमा ने दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में तोड़ा दम
- एक महीने पहले इलमा को हुआ था टाइफाइड, जांच में पता चला

अमृत विचार: अहाना की मौत के बाद अब इंटर की छात्रा इलमा नदीम (18) की भी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि फास्ट फूड में इस्तेमाल पत्ता गोभी के जरिये दिमाग में कीड़ा चला गया, जिसने अंदर गांठें बना दीं। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

मृतका इलमा।

मंडी धनौरा क्षेत्र के चुचैला कलां निवासी किसान नदीम अहमद की बेटी इलमा इंटर में पढ़ाई के साथ नीट की तैयारी कर रही थी। करीब एक महीने पहले उसे टाइफाइड हुआ जिसके बाद तबीयत बिगड़ती चली गई। नोएडा के एक निजी अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टरों ने दिमाग में 7-8 गांठें बताईं।

इस बीच वह 5-7 दिनों के लिए ठीक भी हो गई लेकिन अचानक फिर तबियत बिगड़ गई। दोबारा जांच कराई तो गांठे 20-25 हो गईं। डॉक्टरों का कहना था कि गांठों के पीछे एक तरह का कीड़ा (संभावित परजीवी) जिम्मेदार है जो फास्ट फूड में इस्तेमाल गंदी पत्ता गोभी से शरीर में पहुंचा। दावा है कि पत्ता गोभी की पत्तियों में मौजूद कीड़े और अंडे दिमाग तक पहुंचकर वहां गांठें बना देते हैं। इस रोग को न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस कहते हैं।

दवाओं से कीड़ा तो खत्म कर दिया गया लेकिन गांठें नियंत्रित नहीं हो सकीं। 22 दिसंबर को परिजन उसे दिल्ली के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल ले गए जहां दिमाग का ऑपरेशन भी हुआ। लेकिन सोमवार को इलमा ने दम तोड़ दिया। देर रात गमगीन माहौल में उसका दफन किया गया।

रेलवे की कार्रवाई से सहमे हैं दुकानदार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रेलवे की जमीन पर दुकान चलाने वालों व रेल प्रशासन में अभी टशन खत्म नहीं हुआ है। मंगलवार को दुकानों के शटर खुले लेकिन दुकानदारों के मन में आशंका बनी रही कि रेल प्रशासन कहीं औचक कार्रवाई न कर दे। लिए न आ जाए।

रेलवे स्टेशन रोड पर अक्सर लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए रेल प्रशासन अपनी जमीन पर अवैध रूप से बसे दुकानदारों को नोटिस देकर दुकानों को हटाने के लिए लाल निशान भी लगा चुका था। तीन दिन की विस्तारित समय सीमा भी बीत चुकी है। सोमवार को रेलवे के अधिकारी दल बल के साथ दुकानों को हटवाने आए थे लेकिन नगर विधायक व दुकानदारों के द्वारा अड़ने पर वह पीछे हट गए और बिना कार्रवाई किए लौट गए।

कई दुकानों के शटर खुल गए। दुकानदारी करते समय भी दुकानदार पूरी तरह चौकन्ना रहे। उनके मन में आशंका बनी है कि रेलवे प्रशासन अचानक किसी भी समय आकर कार्रवाई न करने लगे। दुकानदार रात में भी आसपास रहकर निगरानी में लगे हैं। जिससे अचानक कोई कार्रवाई न हो।

दुकानदारों का कहना है कि उनकी दुकानें हटने से रोजी छिन जाएगी। परिवार सहित वह लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच जाएंगे। दुकानदारों का कहना है कि मामला न्यायालय में है। न्यायालय के निर्णय के पहले रेल प्रशासन को कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

मुरादाबाद डिपो के सामने खुली दुकान। • अमृत विचार

- शटर खोलकर दुकानदारों ने किया कारोबार, फिर भी रहे आशंकित

9 बीघा भूमि पर अवैध प्लाटिंग को प्राधिकरण ने कराया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुभव सिंह के निर्देश पर मंगलवार को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने फतेहपुर खड़ंजा रोड पर और पाकबड़ा में अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर प्लाटिंग को ध्वस्त कराया।

प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने फतेहपुर खड़ंजा रोड पर हुकम सिंह के द्वारा लगभग 5.5 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को मौके पर पहुंच कर जेसीबी से ध्वस्त कराया। वहीं इसी क्रम में टीम ने पाकबड़ा थाने के अन्तर्गत जावेद के भट्ठे के पीछे कंचन कुमार द्वारा 4 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इन दोनों मामलों में प्लाटिंग कार्य बिना मानचित्र स्वीकृति एवं प्राधिकरण की अनुमति के बगैर किया पाया गया था। प्राधिकरण की ओर से चेतावनी दी गई कि बिना मानचित्र स्वीकृति किसी भी प्रकार की प्लाटिंग, निर्माण अथवा विकास कार्य करना पूर्णतः अवैध एवं दंडनीय है। ऐसे मामलों में प्राधिकरण द्वारा भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राधिकरण के द्वारा ध्वस्त कराई प्लाटिंग।

साप्ताहिक बाजार के निकट व गनेशघाट के पास स्थायी व पक्के घाट का हो निर्माण

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: लखनऊ में प्रतिनिहित विधायन समिति की जल शक्ति एवं गृह विभाग से सम्बंधित बैठक सभापति राजीव सिंह उर्फ बब्बू भैया की अध्यक्षता में हुई। इसमें कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने समस्याओं को उठाया।

विधायक ने कहा कि मुरादाबाद में डियर पार्क रामगंगा नदी से मिलक अक्का डिलारी, चमरौआ, मुंडिया मलूकपुर, मुंडिया घोसियान, भीतखेडा, जैतपुर विशाहट से मानपुर पट्टी होते हुए आगापुर नेशनल हाईवे रामपुर तक स्टेट हाईवे निर्माण कार्य (राजेडा नदी व कोसी नदी पर पुल निर्माण सहित) अनुमानित लम्बाई 38 किमी को जल्दी शुरू करने के लिए सम्बंधित को निर्देशित करें। विधानसभा में रामगंगा नदी/कोसी नदी में बाढ़ एवं भारी वर्षा के कारण जैतुपर विशाहट, चन्दनपुर ,वीरपुर बरियार उर्फ खरक, घोसीपुरा आदि में कटान का भय बना रहता है जिसके कारण उक्त नदियों के किनारे पर बसे ग्रामों में पिचिंग कार्य किया जाना आवश्यक है। विधायक ने बैठक में बताया कि रामगंगा/कोसी/रझेडा नदी पर मेलों का आयोजन किया जाता है। घाट की समुचित व्यवस्था न होने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। ग्राम सिकन्दरपुर पट्टी में रामगंगा नदी, दलपतपुर में साप्ताहिक बाजार के निकट रझेडा नदी, अहरौला के पास रझेडा नदी और गनेशघाट के पास कोसी नदी पर स्थायी एवं पक्के घाटों का नव निर्माण कराने के लिए आदेशित करने का आग्रह किया।

बैठक में मौजूद कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह व अन्य। • अमृत विचार

- लखनऊ में बैठक में कुंदरकी विधायक ने समस्याएं उठाईं

आयोजन

भाजपा महानगर की ओर से अटल स्मृति सम्मेलन एवं एसआईआर कार्यशाला हुई

लोकतंत्र की मजबूती का आयोजन है एसआईआर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वाधान में बुद्धि विहार स्थित कार्यालय पर मंगलवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नगर विधानसभा का अटल स्मृति सम्मेलन एवं एसआईआर कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मेरठ के पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल रहे।

मुख्य अतिथि ने नगर विधायक रितेश गुप्ता, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, दीपक गोयल आदि के साथ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को इक्कीसवीं सदी में अग्रसर किया। उनके शासन में सुशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने एसआईआर कार्यशाला में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा लोकतंत्र की मजबूती का कार्यक्रम है। इस प्रक्रिया में अब वोटर लिस्ट प्रकाशित होने वाली है। लिस्ट में वोटरों के नाम चेक करने हैं। विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा कि अटल जी दूरदर्शी राजनेता थे। एसआईआर आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए, मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण मतदाता नाम जोड़ने हटवाने एवं संशोधन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में मतदाता सूची का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक था। नगर विधायक ने कहा कि पूरा देश भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को आदर्श मानता है। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी दूरदर्शी राजनेता थे। कहा कि हम सभी को मिलकर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फार्म 6,फार्म 7,फॉर्म 8 की कार्रवाई सुनिश्चित करनी है। जिससे मतदाता सूची शुद्ध रूप से तैयार हो सके। इस दौरान अल्पना गुप्ता, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जायसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, पूर्व सांसद वीर सिंह, महानगर महामंत्री नत्थूराम कश्यप, दिनेश शीर्षवाल, पार्षद दल के उपनेता सुरेंद्र विश्नोई, कार्यक्रम संयोजक दिनेश सिसोदिया, विशाल त्यागी, शम्मी भटनागर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अटल स्मृति सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ता। • अमृत विचार

सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल।

रुद्र-बिलास चीनी मिल का नहीं हुआ कायाकल्प

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : वर्ष 2025 में भी रुद्र-बिलास चीनी मिल का कायाकल्प नहीं हुआ है। रुद्र-बिलास चीनी मिल का 70 करोड़ रुपये से जीर्णोद्धार होना था। चीनी मिल की मशीनों को बदलवाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है। इसके बावजूद स्थिति जस की तस है। चीनी मिल की मशीनें हांफने लगी हैं और आए दिन में उनमें खराबी आती रहती है और किसानों में रोष व्याप्त हो जाता है। चीनी मिल के अधिकारी जैसे-तैसे किसानों का गुस्सा ठंडा करते हैं।

रुद्र बिलास चीनी मिल की पेराई क्षमता मात्र 2000 टन है। जबकि, प्राइवेट चीनी मिल राणा और त्रिवेणी चीनी मिल में पेराई क्षमता 6 और सात हजार टन है। कम क्षमता होने और पुरानी मशीनों के कारण मिल में आए दिन परेशानियां आती रहती हैं। तत्कालीन जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने रुद्र बिलास चीनी मिल के अधिकारियों के साथ बैठक कर चीनी मिल की खराब होने वाली मशीनों के बारे में जानकारी ली थी। जिलाधिकारी ने उम्मीद जताई थी कि चीनी मिल की मशीनों को शीघ्र बदला जाएगा। शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है लेकिन, नया पेराई सत्र शुरू हुए एक माह बीत चुका है चीनी मिल पुरानी मशीनों के सहारे चल रही है। देखना है कि रुद्र-बिलास चीनी मिल का कायाकल्प कब तक होता है।

> रुद्र-बिलास चीनी मिल की मशीनों की स्थिति से शासन को अवगत करा दिया गया है। प्रस्ताव भी बनाकर लखनऊ भेजा जा चुका है।
> **-शैलेश मौर्य,** जिला गन्ना अधिकारी

आज तक बकाया जमा करें, वरना घटेगी छूट

मुरादाबाद, अमृत विचार : विद्युत वितरण खंड ने विजयी राहत योजना 2025-26 के तहत पंजीकृत बकायेदार उपभोक्ताओं को अंतिम चेतावनी जारी की है। पंजीकरण कराने वाले कई उपभोक्ताओं ने विद्युत देयों का पूर्ण भुगतान नहीं किया है। उन्हें छूट का लाभ पूरा नहीं मिलेगा।

मंगलवार को मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि कुछ उपभोक्ता योजना का लाभ लेने के लिए योजना में पंजीकरण नहीं करा रहे हैं। जबकि विभाग द्वारा सभी बकायेदारों को छूट देने के लिए अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई। भुगतान की अंतिम तिथि के बाद छूट में भारी कमी हो जाएगी। जो लोग 31 दिसंबर तक भुगतान पूरा जमा करा दें उन्हें ही पूरी तरह छूट मिल सकेगी। 31 दिसंबर तक भुगतान करने पर योजना के प्रथम चरण के अनुसार 25 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा।

शहर में आज

☞ राजकीय पालीटेक्निक में हैंडलूम एक्सपो 11 बजे
☞ भाजपा महानगर की ओर से देहात विधानसभा का अटल स्मृति सम्मेलन एवं एसआईआर कार्यशाला भाजपा के बुद्धि विहार स्थित कार्यालय पर दोपहर 12 बजे।

न्यूज ब्रीफ

साइकिल चला रहे बच्चे को कुत्ते ने काटा

मुरादाबाद, अमृत विचार : पीतलनगरी में टंकी के पास साइकिल चला रहे बच्चे पर कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से बच्चा घायल हो गया। बच्चे के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे कुत्ते से बचाया। बच्चे को परिजन तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया।

ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरण आज

मुरादाबाद, अमृत विचार : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट द्वारा कड़ाके की सर्दी में गरीबों व जरूरतमंद लोगों को बचाने के लिए बुधवार को कम्बल वितरित किए जाएंगे।महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल रहेंगी। उन्होंने बताया कि दीनदयाल नगर के साईं मंदिर के सामने स्थित महर्षि दयानंद पार्क में अपराह्न 3 :30 बजे से कंबल वितरण किया जाएगा।

कान्हा गोशाला में एक गोवंश की मौत, एक गंभीर

मसवासी, अमृत विचार : कान्हा गोशाला में पशुओं को ठंड से बचाने के उचित इंतजाम नहीं हैं। नगर पंचायत प्रशासन के द्वारा संचालित कान्हा गोशाला में हाड़ कांपती ठंड में दर्जन भर पशु खुले आसमान के नीचे टहल रहे हैं। जिसके चलते एक गोवंश की मौत हो गई और दूसरे बछड़े की हालत मरणासन्न बनी हुई है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईओ सचिन कुमार ने बताया कि गोवंश बीमार है। ईओ से उसके बारे में जानकारी की गई तब वह कोई जबाब नहीं दे सके। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ने हालांकि गोवंश की मौत के बारे में नहीं बताया, उन्होंने कहा कि ठंड से बचाव के इंतजाम करेंगे।

छजलैट ब्लॉक अध्यक्ष के लिए भाकियू टिकैत में रार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख पदाधिकारियों की आपात बैठक मंगलवार को हुई। जिसमें संगठन के ब्लॉक छजलैट के अध्यक्ष पद को लेकर विरोध और असंतोष खुलकर सामने आया। बैठक में जिला अध्यक्ष घनेंद्र शर्मा द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष छजलैट चौधरी नागेंद्र सिंह को हटाकर अंगद को ब्लॉक अध्यक्ष बनाने के निर्णय को सर्वसम्मति से खारिज कर दिया गया।

भारतीय किसान यूनियन की आपात बैठक में नेताओं ने आरोप लगाया कि जिलाध्यक्ष ने यह निर्णय जिले की कार्यकारिणी और पूर्व में गठित कोर कमेटी की राय के बगैर, एकतरफा तरीके से लिया है। 23 दिसंबर को मुरादाबाद की जिला कार्यकारिणी की बैठक में यह तय हुआ था कि ब्लॉक अध्यक्ष छजलैट प्रकरण पर अंतिम फैसला कोर कमेटी करेगी, जिसके लिए पांच सदस्यों की कमेटी भी बनाई गई थी। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जब तक कोर कमेटी कोई निर्णय नहीं सुनाती, तब तक ब्लॉक अध्यक्ष छजलैट के रूप में चौधरी नागेंद्र सिंह ही मान्य रहेंगे। निर्णय लिया कि 15 जनवरी को कुंदरकी ब्लॉक परिसर में महापंचायत होगी। आपात बैठक में राष्ट्रीय सचिव डॉ. नौ सिंह, चौधरी भैयराज सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के संस्थापक सदस्य वीर सिंह कोकरपुर, जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष वीर सिंह ढाका, जिला उपाध्यक्ष सुदेश मुखिया, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, जिला महासचिव चौधरी यशपाल सिंह, युवा महानगर अध्यक्ष मोहित चीमा, जिला महासचिव अमित चौधरी आदि रहे।

वाहनों से वसूला 5 करोड़ 86 लाख 76 हजार रुपये जुर्माना, 1498 वाहनों को किया सीज

यातायात पुलिस ने 2025 में किये 2.21 लाख चालान

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : यातायात पुलिस ने वर्ष 2025 में यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले दो लाख 21 हजार 851 वाहन चालकों के एमबी एक्ट की 10 धाराओं में चालान काटे और पांच करोड़ 86 लाख 76100 रुपये का जुर्माना वसूला। वहीं, वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के नेशनल हाईवे व स्टेट हाईवे समेत पूरे जिले 70 प्वाइंट पर यातायात पुलिस ने चेकिंग कर लोगों यातायात के नियमों के बार विभिन्न प्रकार तरीकों जागरूक किया।

सोमवार को एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि पूरे वर्ष जनपद के स्टेट व नेशनल हाईवे समेत चौराहों-तिराहों पर 70 प्वाइंटों पर यातायात पुलिस की ड्यूटी रही। यातायात माह में लोगों को सड़कों पर होने वाले हादसों के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूक कार्यक्रम किये। वहीं, स्कूलों और कॉलेजों में समाज सेवी संगठनों संभागीय परिवहन निगम के साथ संयुक्त रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया। रामपुर रोड टोल प्लाजा से लेकर दिल्ली रोड सीएनजी पंप तक इंटेलीजेंट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से लोगों को बीच बीच में अनाउंसमेंट के जरिए यातायात के नियमों के बारे में जानकारी दी और नियमों के पालन ने करने पर चौराहों पर लगी स्क्रीन के माध्यम से सड़क हाइसों की वीडियो दिखाकर मैसेज देने का काम पूरे वर्ष निरंतर किया और लोगों से नियमों के पालन करने की अपील की। वहीं, निरंतर यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वालों

सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी ट्रैफिक।

पर सख्ती से कार्रवाई करते हुए चालानी कार्रवाई भी की। सर्दी के मौसम में चौराहों पर साउंड सिस्टम के माध्यम यातायात के नियमों को प्रचार रात दिन कराया जा रहा है। वहीं हाईवे पर रात को यातायात पुलिस गाड़ियों से गश्त कराई जा रही है। साथ ही सर्दी में बढ़ते कोहरे को देखते हुए हाइवे किनारे बसे गांवों के लोगों के रात में हाईवे पर बीच में से चढ़ाने से रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा हाईवे के किनारे बने ढाबों-होटलों पर खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। साथ गन्ने का सीजन चालू होने पर चीनी मिलों द्वारा रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं, रविवार के दिन 450 वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए हैं।

2025 में की गई चालानी कार्रवाई	
1-बिना हेलमेट बिना हेलमे	21,011
2-ओवर स्पीडिंग	4,510
3-नो पार्किंग	29,925
4-बिना सीट बेल्ट	4,650
5-ओवर स्पीडिंग	4,510
6-मोबाइल के साथ ड्राइविंग करने	1,290
7-तीन सवारी	10,080
8-बिना नंबर प्लेट	4,330
9-यातायात के नियमों का उल्लंघन करने	21,700
10-सीज किए गए वाहन	1,498

ठिठुरन ने बढ़ाईं मुश्किलें, धूप न निकलने से दिन भर कांपे लोग

तेज पछुआ हवा से जनजीवन अस्त-व्यस्त, अधिकतम तापमान रहा 15 डिग्री

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सर्दी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को पूरे दिन धूप न निकलने और तेज रफ्तार से चली ठंडी पछुआ हवा के कारण महानगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक जनजीवन प्रभावित रहा। गलन भरी ठंड ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। सड़कों और बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में आवाजाही कम रही, हालांकि जरूरतमंद लोग ही बाहर निकलते नजर आए।

सुबह की शुरुआत ही कंपकंपा देने वाली ठंड के साथ हुई। रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस अड्डा, जिला अस्पताल, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लोगों ने अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास किया। राहगीर भी जगह-जगह अलाव के सहारे रुकते दिखे। चाय और मूंगफली के ठेलों पर जल रही भट्ठियों और चूल्हों के आसपास लोग हाथ सेंकते रहे।

दोपहर में ठंड में यूं निकले लोग। ● अमृत विचार

दिन भर धूप न निकलने से ठंड का असर और बढ़ गया, जिससे गलन बनी रही। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खासकर सुबह और शाम के समय ठंड ने लोगों को ज्यादा परेशान किया। कई स्कूलों की ओर से छुट्टी की घोषणा देर से किए जाने के कारण बच्चों और अभिभावकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चेस्ट फिजिशियन डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय ने बताया कि सर्दी के दिनों में विशेष रूप से हृदय रोगियों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शरीर को गर्म रखना बेहद जरूरी है। ऊनी कपड़े, टोपी और मफलर का उपयोग करें। सुबह बहुत जल्दी टहलने से बचें और धूप निकलने के बाद ही बाहर निकलें। उन्होंने सलाह दी कि ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कराते रहें और बिना डॉक्टर की सलाह के दवा न लें। बहुत ठंडा पानी पीने से बचें तथा चाय और कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में करें। उन्होंने चेतावनी दी कि सीने में दर्द, भारीपन, सांस फूलना, बाएं हाथ या जबड़े में दर्द, अत्यधिक पसीना या घबराहट जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

टाट-पट्टी व दरी पर बैठकर पढ़ रहे बच्चे

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिले के 1970 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को अभी भी बुनियादी सुविधाओं का इंतजार है। बच्चे ठंड में भी टाट पट्टी और दरी पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। जिले में 2,770 आंगनबाड़ी केंद्रों में 2,43,099 बच्चे पंजीकृत है। इन केंद्रों में केवल 800 पर ही फर्नीचर उपलब्ध है। शेष 1970 केंद्रों में फर्नीचर न होने के कारण तीन से छह वर्ष तक की उम्र के लगभग लगभग दो लाख बच्चों को फर्श पर ही बैठकर पढ़ना पड़ रहा है। सर्दी में स्थिति और भी चिंतनीय है। नन्हें बच्चों को ठंडी जमीन पर बैठना स्वास्थ्य के लिहाज से नुकसानदेह हो सकता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार ने बताया कि यह प्रस्ताव उनकी तैनाती से पहले का है। आखिर प्रस्ताव सितंबर के महीने में भेजा है इसके लिए जिलाधिकारी को भी जानकारी दे चुके हैं।

संकीर्तन में धनुष यज्ञ लीला की अनुपम प्रस्तुति दी

मुरादाबाद, अमृत विचार : श्री हरि विराट संकीर्तन सम्मेलन समिति के 86वें वार्षिक अधिवेशन के तीसरे दिन मंगलवार को प्रथम बेला में वृंदावन से आए रासाचार्य लेखराज ओमप्रकाश शर्मा के निर्देशन में धनुष यज्ञ लीला की अत्यंत मनोहारी प्रस्तुति की गई। धनुष भंग के बाद जैसे ही माता सीता ने भगवान श्रीराम को जयमाल पहनाई, पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा।

सम्मेलन की द्वितीय बेला में भजन संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आरंभ अर्द्धमौनी धीरशांत दास ने भजनों से किया। इसके बाद दिल्ली से पधारे भजन सम्राट मनीष चौहान और दीपेश सुनेजा ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। लाडली अपने चरणों में लगा लो, मुझे भरोसा भारी है सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु राधारानी की भक्ति में झूमते नजर आए। इस मौके पर संरक्षक भोलानाथ खन्ना, सुनील कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, चक्रेश लोहिया, संजय गोयल, अरुण कपूर, संजय महरोत्रा, अनुराग अग्रवाल, पंकज महरोत्रा, अश्विनी रस्तोगी, पवन बंसल, अखिलेश रस्तोगी, पंडित ज्ञानचंद शर्मा, चमन कक्कड़, सुरेंद्र वर्मा, नितिन शर्मा, उमेश अग्रवाल रहे।

नव वर्ष की मंगलकामनाओं के साथ थिरके रोटेरियन

कार्यक्रम में मौजूद रोटरी क्लब एक्सिस के पदाधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● मनोरंजन के साथ किया नववर्ष का स्वागत

अमृत विचार : रोटरी क्लब मुरादाबाद एक्सिस की ओर से पीली कोठी के समीप स्थित रेस्टोरेंट में 2025 की विदाई व नववर्ष 2026 का स्वागत करने के लिए मनोरंजक सभा की। क्लब के पदाधिकारियों ने नव वर्ष का स्वागत किया।

आयोजन में रोटरी सत्र 2025-26 के अर्धवार्षिक कार्यक्रमों की समीक्षा कर द्वितीय अर्धवार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन रश्मि गोयल ने बताया कि नववर्ष सभा में क्लब द्वारा प्रथम अर्ध भाग की समीक्षा की जाती है। क्लब के सचिव रोटेरियन प्रियांक अग्रवाल ने छह माह में हुए कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

मनोरंजन से भरपूर पारिवारिक सभा की संयोजिका प्राची अग्रवाल ने विभिन्न प्रतिस्पर्धी मनोरंजक क्रीड़ाएं कराईं। कार्यक्रम में सागर राय व पिंकी राय प्रथम, रचित अग्रवाल व वर्षा अग्रवाल द्वितीय और विवेक गोयल व रश्मि गोयल को तृतीय स्थान मिला। इस अवसर पर रश्मि गोयल, प्रियांक अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल, संजय सिंघल, राहुल अग्रवाल, रचित अग्रवाल, अनूप गुप्ता, गुरप्रीत सिंह दुआ, सागर राय, विवेक गोयल, तरुण जैन, नेहा सिंघल, रवनीत कौर, साक्षी जैन, पिंकी राय, निधि गुप्ता, वर्षा अग्रवाल, प्राची अग्रवाल, पंखुड़ी अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

नववर्ष के कार्यक्रमों के लिए पुलिस अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : नव वर्ष पर बिना अनुमति और शराब पीकर हंगामा करना महंगा पड़ सकता है। पुलिस ने नये वर्ष के स्वागत के जश्न में शराब के नशे में हंगामा करने वालों पर कार्रवाई की पूरी तैयारी कर ली है। सड़कों पर रात को घूमते वक्त हंगामा करने वाले बाइक सवारों के खिलाफ कार्रवाई जाएगी। किसी होटल व रेस्टोरेंट पर बिना अनुमति के कार्यक्रम किए गए तो प्रतिष्ठान को सीज करने के साथ ही होटल संचालक को जेल भेजा जाएगा।

मंगलवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि नए साल 2026 के स्वागत को लेकर पुलिस ने व्यापक स्तर पर तैयारी की है। नर्व वर्ष पर जश्न मनाने के लिए महानगर के 15 होटल रेस्टोरेंट और अन्य स्थानों कार्यक्रम करने की

नव वर्ष के लिए सजा मुरादाबाद। ● अमृत विचार

अनुमति ली गई है। जिसमें डीजे की साउंड और कार्यक्रम की समय सीमा निर्धारित की गई। बिना अनुमति के कोई कार्यक्रम नहीं आयोजित करने दिया जाएगा। यदि कहीं बिना अनुमति के डीजे या अन्य साउंड सिस्टम चलता मिला तो उसे तुरंत बंद कर आयोजक के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि रात को सड़कों पर घूमने वाले बाइक सवारों की ब्रेथ एनलाइजर से चेकिंग की जाएगी। शराब पीकर बाइक कार चालने वालों के वाहनों को सीज करने के साथ बाइक सवार पर भी कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिटी ने बताया कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में 10 प्वाइंट पर बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग की जाएगी। हाईवे पर ढाबों पर शराब परोसने या बेचने वाले ढाबा स्वामियों को जेल की हवा खिलाई जाएगी। पुलिस की रणनीति नए साल की पूर्व संध्या पर वाहनों की चेकिंग तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालु केवट प्रसंग सुन हुए भावविभोर

मुरादाबाद, अमृत विचार : हरे कृष्ण सेवा न्यास समिति की ओर से बुद्धिविहार स्थित बैंक्वेट हॉल में आयोजित श्रीराम कथा के छठे दिन मंगलवार को कथा पंडाल भक्ति और भावनाओं से सराबोर रहा। कथाव्यास शिव कुमार शास्त्री ने भगवान श्रीराम के वनवास और केवट संवाद का मार्मिक प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

केवट की भक्ति सिखाती है कि ईश्वर को पाने के लिए धन या आडंबर नहीं, बल्कि सच्चे भाव की जरूरत होती है। इस मौके पर ज्ञानेन्द्र देव शर्मा, मनुस्मृति, श्यामसुंदर गौड़, प्रदीप शुक्ला, राजेश खंडेलवाल, विपिन कुमार मित्तल, निमित जायसवाल, रजत शर्मा, आरके गंगवार, ओमेंद्र सिंह, सुशील शर्मा, रामरतन शर्मा, प्रदीप शर्मा, मंजू शर्मा, अंजू गौड़, सुमन बिश्नोई, राधिका शर्मा, रेखा शुक्ला, अनीता शर्मा रहीं।

उर्दू में मुंशी नवल किशोर के योगदान पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उप्र उर्दू एकेडमी व रिया जनकल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को महाराजा हरिश्चंद्र डिग्री कॉलेज में मुंशी नवल किशोर और उर्दू सहाफत विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार की अध्यक्षता मेफियर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. छुट्टन ने की। कार्यक्रम की शुरुआत हाफिज मोहम्मद फहीम की तिलावत से हुई, जिसके बाद नात-ए-पाक पेश की गई।

सेमिनार में शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए डॉ. जियाउल हक फहीम एवं डॉ. शाकिर हुसैन इस्लाही ने कहा कि मुंशी नवल किशोर का उर्दू भाषा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अहम योगदान रहा है। उन्होंने न केवल उर्दू बल्कि विभिन्न भाषाओं के महत्वपूर्ण साहित्य को प्रकाशित कर समाज तक पहुंचाने का कार्य किया। शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए अनूप कुमार व जावेद अली ने कहा कि मुंशी नवल किशोर का साहित्य के प्रति गहरा लगाव था। उन्होंने कुरान शरीफ और हदीस का हिंदी में अनुवाद कराया और उनके प्रति अत्यंत सम्मान का भाव रखा। जिस स्थान पर कुरान शरीफ और हदीस की बाइंडिंग होती थी, वहां प्रवेश को लेकर विशेष पाबंदी थी और स्वयं भी वह नंगे पैर जाकर कार्य का निरीक्षण करते थे। फरहीन इकबाल और मीनू परवीन ने कहा कि मुंशी नवल किशोर पर जितना भी पढ़ा जाए, वह कम है। उन्होंने उर्दू, हिंदी, अरबी, फारसी, गुरुमुखी और संस्कृत साहित्य को सुरक्षित रखने का ऐतिहासिक कार्य किया। वे भारत की गंगा-जमुनी तहजीब के सच्चे संरक्षक थे।

मुख्य अतिथि काव्य सौरभ

उर्दू एकेडमी की ओर से आयोजित सेमिनार में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

● उप्र उर्दू एकेडमी व रिया जनकल्याण समिति की ओर से एमएच डिग्री कॉलेज में हुआ आयोजन

रस्तोगी ने कहा कि मुंशी नवल किशोर का कार्य आज भी प्रेरणादायक है। नई पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित कराने के लिए ऐसे सेमिनार और गोष्ठियां समय-समय पर आयोजित होती रहनी चाहिए। डॉ. छुटटन ने मुंशी नवल किशोर को साहित्य का बादशाह बताते हुए सेमिनार को सराहनीय प्रयास बताया।

इस मौके पर डॉ. अब्दुल रब, राकेश कुमार वशिष्ठ, हाजी रिजवान कुरैशी, असलम हुसैन, इसरार हुसैन सहित कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। अंत में संयोजक नूर अहमद डंपी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया व स्मृति चिन्ह भेंट किए। संचालन सैय्यद मोहम्मद हाशिम ने किया।

फुटबाल टूर्नामेंट में गोल्डन गेट स्कूल चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल ने कृष्णा ऑटार व उत्तम देव मेमोरियल कप नेशनल लेवल फुटबॉल टूर्नामेंट में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट 26 से 29 दिसंबर तक रामपुर के स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल में आयोजित किया। जिसमें देश भर की टीमों ने हिस्सा लिया।

टूर्नामेंट के राउंड मैचों में गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल की टीम ने डीएमए आर्मी पब्लिक स्कूल, समर हौल स्टडी काशीपुर और मेजबान स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल को पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टीम के अनुशासित खेल, मजबूत डिफेंस और शानदार तालमेल ने दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। सेमीफाइनल मुकाबले में गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल, कुर्दशवरी

गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल में चैंपियन टीम का किया गया स्वागत।

● कृष्णा ऑटार व उत्तम देव मेमोरियल कप में शानदार प्रदर्शन, कई खिलाड़ियों को मिले व्यक्तिगत सम्मान

काशीपुर ने प्रतिद्वंद्वी को कड़े संघर्ष में मात देकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में टीम का सामना एसआईएमएस, रामपुर से हुआ, जहां दमदार प्रदर्शन करते हुए गोल्डन गेट ग्लोबल स्कूल ने जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पहले दिन गौरांश, दूसरे दिन शुभ सपरा, तीसरे दिन रुद्रांश रावत और चौथे दिन वर्चस्व टंडन को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, शुभ सपरा को बेस्ट डिफेंडर और श्रेष्ठा मिश्रा को बेस्ट गोलकीपर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पारंपरिक कला के संरक्षण में एक्सपो अहम : डॉ. शैफाली

मुरादाबाद, अमृत विचार : कांठ रोड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में स्टेट हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इस एक्सपो का उद्देश्य हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देना और बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह चौहान दोबारा एक्सपो में पहुंचीं और विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बुनकरों से संवाद कर उनके उत्पादों की सराहना की और उनके कार्य की प्रशंसा करते हुए उत्साहवर्धन किया। एक्सपो में बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं और स्थानीय हस्तशिल्प को समर्थन दे रहे हैं। सहायक आयुक्त एवं वस्त्रोद्योग अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि एक्सपो में बनारसी साड़ियां, शॉल, दुपट्टे, सूती एवं ऊनी वस्त्र और अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं।

सपा ने दी थी युवाओं को प्राथमिकता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड महानगर की बैठक मंगलवार को यूथ ब्रिगेड के महानगर कैंप कार्यालय पर हुई। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस दौरान कई युवाओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता धर्मेंद्र यादव ने कहा कि नौजवान समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं और वही भविष्य के नेता हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हमेशा युवाओं को सम्मान दिया है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए हैं। जब भी प्रदेश में सपा की सरकार बनी है, युवाओं के हितों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह अभी से चुनाव की तैयारी में जुट जाएं और गांव-गांव जाकर

मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● सपा को जिताने के लिए युवाओं को कमर कसनी होगी : धर्मेंद्र यादव

गरीबों व नौजवानों की समस्याओं को उठाएं। साथ ही मौजूदा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने उजागर करें। महानगर अध्यक्ष रजिउद्दीन खान ने कहा कि मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड युवाओं को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में पीडीए के नायक अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी और उत्तर प्रदेश में खुशहाली आएगी। इस दौरान यूथ ब्रिगेड महानगर की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। नए पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किए गए। बैठक में लुकमान खान, फैजी खान, मीम फैसल, शानू अली, मो. रेहान, सचिन श्रीवास्तव, हर्ष यादव, राहुल कुमार, दानिश खान, जकी खान,समीर अहमद, राशिद अली सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आज निकाली जाएगी नगर कीर्तन शोभायात्रा

कांठ,अमृत विचार : श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर के उपलक्ष में कांठ नगर में सिख समाज के द्वारा विशाल नगर कीर्तन शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। मंगलवार की शाम श्री गुरु सिंह सभा कांठ के प्रधान सरदार कुलवंत सिंह ने बताया कि श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में बुधवार को नगर कांठ में सिख समाज के द्वारा नगर कीर्तन निकाला जाएगा। नगर कीर्तन में तरन तारन (पंजाब) अमरोहा आदि से गतका पार्टियों के कलाकारों द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाए जाएंगे। नगर कीर्तन में नगर के साथ ही आसपास के क्षेत्र की सिख संगत भी शामिल होगी। उन्होंने बताया कि पहले लंगर छकाया जाएगा। उसके बाद शबद कीर्तन किया जाएगा।

एसडीएम ने किया रैन बसेरा आरंभ

ठाकुरद्वारा,अमृत विचार : कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए नगर प्रशासन द्वारा जरूरतमंदों, बेसहारा एवं असहाय लोगों के लिए रैन बसेरा शेल्टर होम का आरंभ एसडीएम प्रीति सिंह ने किया। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रजनी सिंह तथा पालिकाध्यक्ष इरफान सैफी भी मौजूद रहे। एसडीएम प्रीति सिंह ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में न सोए, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। रैन बसेरा में ठहरने वाले लोगों के लिए गर्म कंबल, बिस्तर, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, रोशनी एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है। पालिकाध्यक्ष इरफान सैफी ने नगरवासियों से अपील की कि यदि कहीं भी कोई व्यक्ति खुले में ठंड से जूझता हुआ दिखाई दे, तो इसकी सूचना नगर पालिका या प्रशासन को दें, ताकि उसे तुरंत रैन बसेरा शेल्टर होम पहुंचाकर राहत दी जा सके।

शीशम के पेड़ों का अवैध कटान, दिया ज्ञापन

ठाकुरद्वारा,अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम रेटा माफी में शीशम के पेड़ों के अवैध कटान का मामला सामने आया है। इसको लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन सैफी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह को ज्ञापन देकर बताया कि तहसील क्षेत्र के ग्राम रेटा माफी में ग्राम प्रधान द्वारा वन विभाग से शीशम के 36 पेड़ों के कटान की अनुमति ली गई थी, लेकिन 75 से अधिक पेड़ों का कटान करा दिया गया। यह कटान सरकारी वन भूमि पर किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच लेखपाल द्वारा की गई, जिसमें मौके पर अतिरिक्त पेड़ों का कटान सही पाया गया, इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई है। किसान यूनियन ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच के लिए समिति गठित की जाए तथा दोषी ग्राम प्रधान और वन विभाग के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाए। अबरार, इक़बाल, बाशीद, सलीम हैदर, अब्दुल रशीद, जाबेद, रफीक अहमद आदि मौजूद रहे।

तहसील में घुसकर अधिवक्ता पर हमला, दांत टूटा, मची अफरा-तफरी

बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने घेरी कोतवाली, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

ठाकुरद्वारा कोतवाली के बाहर नारेबाजी करते बड़ी संख्या में अधिवक्ता। ● अमृत विचार

तहसील परिसर में हमलावर युवक को पकड़े पुलिस।

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ा एफआईआर दर्ज की

अमृत विचार: ठाकुरद्वारा तहसील परिसर में मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ युवकों ने एक अधिवक्ता पर हमला कर दिया। हमले में अधिवक्ता का दांत टूट गया और मुंह से खून बहने लगा। अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया।

कासिम अली एडवोकेट अपने परिचित यासीन वकील के भतीजे के यहां से दावत खाकर कार से स्योहारा रोड की ओर जा रहे थे। नगलिया मस्जिद के पास चार युवक रास्ता रोककर खड़े मिले। आरोप है कि रास्ता मांगने पर युवकों ने गाली-गलौच शुरू कर दी और हाथापाई पर आमादा हो गए। इस दौरान कासिम अली के भाई के गाल पर थप्पड़ मारकर धमकाया भी। विवाद बढ़ता देख कासिम अली तहसील परिसर स्थित अपने चैम्बर की ओर लौटने लगे। आरोप है कि युवक गाड़ी का पीछा करते हुए तहसील परिसर तक पहुंच गए। कासिम अली बार रूम में चले गए, जहां आरोपित जबरन घुस आए और लात-घूसों से मारपीट करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने कुंदेदार वस्तु से कासिम अली के मुंह पर हमला कर दिया, जिससे उनका दांत टूट गया और खून निकलने लगा। अधिवक्ता के साथ मारपीट कर घायल करने की जानकारी अन्य अधिवक्ताओं को मिली तो वे बार रूम की ओर दौड़े, जिससे तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। अधिवक्ताओं ने कासिम अली को आरोपियों से छुड़ाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़कर थाने ले गई। पीड़ित अधिवक्ता कासिम अली ने थाना ठाकुरद्वारा में तहरीर देकर मौ. फरमान पुत्र सईद अहमद निवासी वार्ड नंबर 15 मछली बाजार, अता वारिस पुत्र यामीन निवासी वार्ड नंबर 3 छहराहा के पास, गुलफाम पुत्र शफीक निवासी मोहल्ला लालबाग तथा फैजान पुत्र रईस निवासी मोहल्ला धोबियान, मस्जिद के पास ठाकुरद्वारा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने कोतवाली में पहुंचकर घेराव करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। घटना के बाद अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है और उन्होंने तहसील परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है। पुलिस ने अधिवक्ता की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक मनोज परमा का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंडी समिति में चल रहे धरने को विधायक ने कराया समाप्त

मुरादाबाद,अमृत विचार : मंडी समिति में 18 दिन से चल रहे धरने को नगर विधायक ने आश्वासन देकर समाप्त करा दिया है। विधायक के कहने पर सिटी मजिस्ट्रेट, डीडीए निर्माण एवं मंडी सचिव ने कृषि उत्पादन मंडी समिति में नई दुकानों के निर्माण के लिए चबूतरों से हटकर अलग स्थान चिन्हित कर लिया।

मंगलवार को मंडी आढ़ती संघ के अध्यक्ष केके सैनी सहित सभी आढ़तियों की मौजूदगी में नगर विधायक रितेश गुप्ता ने आढ़तियों से जानकारी की। जिसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी से बातचीत की। जिसके बाद बताया कि व्यापारियों के नीलामी चबूतरों को बिना प्रभावित किए अन्य स्थान पर दुकानें बनवाने का फैसला हुआ है। नगर विधायक ने कहा कि इससे सभी का रोजगार सुरक्षित रहेगा। रहेगा।आढ़तियों ने मौजूदा चबूतरों को ऊंचा एवं छायादार बनाने की मांग रखी, जिस पर विधायक ने तत्काल आश्वासन दिया। उन्होंने 18 दिनों से चले आ रहे आंदोलन को समाप्त करने का आग्रह किया, जिस पर आढ़तियों ने सहमति जताई। इस दौरान रामसिंह सैनी, सरदार जेपी सिंह, सुनील शर्मा, मिथुन शर्मा, रफ्त अली, मुकेश सैनी, राजू सारंग, चरण सैनी, सचिन शंखधार आदि आढ़ती मौजूद रहे।

बिना एनओसी चल रहे तीन ईंट भट्ठों पर कार्रवाई

भट्ठे पर कार्रवाई करते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

- पकाने के लिए बनाई गईं कच्ची ईंटें ध्वस्त कर एक बुलडोजर जब्त कर लिया गया

अमृत विचार: जिला खनन अधिकारी, एसडीएम एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने बिना एनओसी और विनियम शुल्क जमा किए चल रहे तीन ईंट भट्ठों के खिलाफ कार्रवाई की। उनकी कच्ची ईंटें ध्वस्त की गईं और एक बुलडोजर जब्त कर लिया गया है। टीम की कार्यवाही से अवैध रूप से ईंट भट्ठा चलाने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है।

बिना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एनओसी प्रमाण पत्र एवं विनियम शुल्क बिना जमा किए जितने ईंट भट्ठे क्षेत्र में चल रहे हैं उन सबके खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश जिलाधिकारी मुरादाबाद अनुज सिंह ने जिला खनन अधिकारी और एसडीएम को दिए थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम कांठ संत दास पवार, जिला खनन अधिकारी राघवेंद्र सिंह, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अवर अभियंता अंजली शुक्ला की संयुक्त टीम ने ऊमरी कलां क्षेत्र में अलफोज ब्रिक वर्क्स जमापुर ऊमरी से उद्योग तेलीपुरा सहित तीन ईंट भट्ठों पर छापा मार कर उनके कागजों की जांच की जिसमें तीनों ईंट भट्ठों पर विनिमय शुल्क जमा नहीं मिला और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एनओसी प्रमाण पत्र भी नहीं मिला। अधिकारियों की टीम ने ईंट भट्ठों पर पानी की बौछार कर कर तीनों ईंट भट्ठों की कच्ची ईंटें ध्वस्त कर एक बुलडोजर को जब्त कर तहसील में लाकर खड़ा कर दिया है।

आलिया का यूपी अंडर-15 क्रिकेट टीम में चयन

आलिया।

मुरादाबाद,अमृत विचार : आलिया का चयन उत्तर प्रदेश अंडर-15 क्रिकेट टीम में हुआ है। आलिया मूल रूप से शाहजहांपुर की रहने वाली हैं, जबकि उसके पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत हैं और मीरगंज, बरेली में तैनात हैं।

आलिया ने क्रिकेट की बारीकियां मुरादाबाद स्थित नेक्स्ट जेन क्रिकेट एकेडमी में सीखीं, जहां वह पिछले दो वर्षों से नियमित रूप से प्रशिक्षण ले रही थीं। एकेडमी के मुख्य कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी के मार्गदर्शन, अनुशासन और कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि आलिया आज प्रदेश स्तर पर चयनित होकर एक उभरती हुई खिलाड़ी के रूप में सामने आई हैं। कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि आलिया शुरू से ही मेहनती, अनुशासित और सीखने की प्रबल इच्छा रखने वाली खिलाड़ी रही है। बीते दो वर्षों में उसकी तकनीक, फिटनेस और मैच की समझ में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आलिया के पिता जलालुद्दीन इदरीसी शाहजहांपुर से उसे क्रिकेट प्रशिक्षण के लिए मुरादाबाद लाए थे।

यूपी अंडर-15 टीम में उसका चयन एकेडमी के लिए भी गर्व की बात है। आलिया के पिता जलालुद्दीन इदरीसी ने कहा कि बेटी में शुरू से ही क्रिकेट के प्रति जुनून था और परिवार ने हर परिस्थिति में उसका साथ दिया। कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने उसे सही दिशा दी, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। वहीं, चयन पर आलिया ने कहा कि यह उसके लिए सपना सच होने जैसा है।

पेड़ काटने के मामले में उप निरीक्षक को सौंपी विवेचना

कांठ,अमृत विचार : नीलामी से अधिक पेड़ काटने के मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक ने उप निरीक्षक कुलदीप कुमार को विवेचना सौंप दी।

कांठ की ग्राम पंचायत मौढ़ी हजरतपुर में 11 पेड़ों की नीलामी हुई थी। नीलामी ठेकेदार पंकज कुमार के नाम पर छोड़ी गई थी। चार दिन पूर्व ठेकेदार पंकज कुमार चौहान ने 11 पेड़ों के स्थान पर 17 पेड़ कटवा दिए थे। वन विभाग और तहसील प्रशासन की रिपोर्ट पर एसडीएम ने हल्का लेखपाल अली हुसैन को ठेकेदार और ग्राम प्रधान के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एसडीएम के निर्देश पर लेखपाल ने ग्राम प्रधान मोहम्मद साजिद और और ठेकेदार पंकज कुमार के खिलाफ नामजद तहरीर दी।

खेती व पशु भी हो रहे कड़ाके की ठंड से प्रभावित

ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेते लोग। ● अमृत विचार

ठाकुरद्वारा-सुरजन नगर मार्ग पर कोहरे में रेंगते वाहन। ● अमृत विचार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- शीतलहर से अस्त-व्यस्त रहा जनजीवन, वाहन चालक परेशान
- कोहरे के चलते सड़कों पर रेंगते हुए गुजरे वाहन

अमृत विचार : क्षेत्र में जारी शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। कड़ाके की ठंड के चलते लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। सुबह और रात के समय कोहरा छाए रहने से सड़कों पर आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शीतलहर का असर खेती-किसानी के साथ-साथ दुधारू पशुओं पर भी दिखाई दे रहा है। ठंड और पाले के कारण आलू, सरसों, गेहूं सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। किसान फसलों को बचाने के लिए रात में सिंचाई और धुआं करने जैसे उपाय कर रहे हैं। पशु भी ठंड से प्रभावित हैं। खासकर दुधारू पशु कम दूध दे रहे हैं। शीतलहर से पशुओं को बचाने के लिए पशुपालक उपाय कर रहे हैं।

घने कोहरे के चलते कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार थमी रही, जिससे मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति भी बनी। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव और हीटर का सहारा ले रहे हैं। प्रशासन की ओर से जरूरतमंदों के लिए अलाव की व्यवस्था कराई जा रही है, लेकिन बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों ने और इंतजाम किए जाने की मांग की है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है, जिससे शीतलहर का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की।

अनिल चौधरी को बनाया ब्लॉक अध्यक्ष

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

- रिक्त पद पर दो गुटों ने अपने-अपने ब्लाक अध्यक्ष बना दिए थे

अमृत विचार: भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष ने स्वर्गीय पूर्व ब्लाक अध्यक्ष के पुत्र अंगद उर्फ़ अनिल चौधरी को ब्लॉक अध्यक्ष बनाकर गुटबंदी को समाप्त कर दिया है। किसान भवन छजलैट से ग्राम रमपुरा तक ढोल बाजे के साथ जुलूस निकालकर स्वागत किया गया।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह के निधन के उपरांत रिक्त पद के लिए जिला अध्यक्ष की अनुपस्थिति में संगठन के एक गुट ने ग्राम रमपुरा के निवासी नागेंद्र सिंह एवं दूसरे गुट ने स्व. देवेंद्र सिंह के बेटे अंगद सिंह उर्फ़ अनिल चौधरी को नियुक्त कर दिया था। भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष ने इस मामले में हस्तक्षेप कर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष स्व. देवेंद्र सिंह के पुत्र अंगद उर्फ़ अनिल चौधरी को ब्लॉक अध्यक्ष पद पर नियुक्त कर दोनों पक्षों की गुटबंदी को समाप्त कर दिया है। अंगद उर्फ़ अनिल चौधरी की नियुक्ति के उपरांत किसान भवन पर सैंकड़ों भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनकर स्वागत किया।

नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने एवं संगठन की नीतियों के अनुसार कार्य करने संकल्प लेते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। पश्चिमी प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह, निवेश चौधरी, पंकज चौधरी, अनिल चौधरी, बंटी ढाका, निम्मी चौधरी, वरुण सिंह, महकर सिंह, नरेंद्र सिंह उर्फ टोनी पंडित जी, निपेंद्र सिंह, वीर सिंह, अमित प्रधान, तारा सिंह, परविंदर सिंह, सतवीर सिंह मान, नरेंद्र सिंह, रामअवतार सिंह, अनिल मुंशी आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुर्घटना में घायल किसान की उपचार के दौरान मौत

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : बाइक की टक्कर से घायल किसान की उपचार के दौरान मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के गांव रामनगर खागूबाला निवासी श्री शिव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष चौधरी कदम सिंह पुत्र रामप्रसाद सिंह तीन दिन पूर्व गांव में मंदिर में पूजा अर्चना कर पैदल अपने घर लौट रहे थे। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी, जिसमें चौधरी कदम सिंह सहित बाइक सवार भी घायल हो गया था। कदम सिंह को उत्तराखंड के काशीपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। हालत गंभीर होने पर उनके परिजनों ने गुडगांव में स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पत्नी व इकलौते पुत्र नरेंद्र चौधरी सहित अन्य परिजनों का बुरा हाल है।

नो एंट्री में आए डंपर को किया सीज

संवाददाता,ठाकुरद्वारा

नो एंट्री के समय गुजर रहे वाहनों पर कार्रवाई करते अधिकारी। ● अमृत विचार

- अन्य डंपर चालकों में मचा हड़कंप नगर के बाहर खड़े किए वाहन

अमृत विचार : नगर में यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने नो एंट्री का सख्ती से पालन कराना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार रात नो एंट्री के दौरान प्रवेश करने वाले एक डंपर को पुलिस ने सीज कर दिया। अन्य डंपर चालकों में हड़कंप मच गया। उन्होंने ठाकुरद्वारा सीमा से बाहर ही डंपरों को खड़ा कर दिया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर सुबह 6 से रात 9 बजे तक उत्तराखंड से खनन सामग्री लेकर आने वाले भारी वाहनों, विशेषकर डंपरों के नगर क्षेत्र में प्रवेश पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। यह व्यवस्था सड़क हादसों पर नियंत्रण, जाम की समस्या से राहत और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है। इसके बावजूद सोमवार को एक डंपर नो एंट्री के समय नगर क्षेत्र में प्रवेश कर रहा था। पुलिस ने डंपर को रोक लिया और आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे सीज कर दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि नो एंट्री का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी आदेशों का पालन करें, ताकि नगर में यातायात सुचारू रूप से चल सके और किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2010 अनुक्रमांक 0789911 व इण्टर मीडिएट परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 0554974 के प्रमाण पत्र सह अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गये है। मौ. दानिश पुत्र शाहिद हुसैन, निवासी ग्रा. गनेशपुर पो. देवीपुरा, मुरादाबाद।

सूचना

मेरे पुत्र असगर अली व उसकी पत्नी नगमा परवीन का चाल-चलन ठीक नहीं है। परिवार में लड़ाई-झगड़ा करते हैं जिसकी वजह से चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, मेरे संयुक्त परिवार से उनके किसी भी कृत्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अफसर अली पुत्र कल्लन बिजारखाता थाना स्वार जनपद रामपुर।

सूचना

मैं अजय कुमार पुत्र स्वर्गीय राधिका रमण प्रसाद निवासी श्री हरि विला, लक्ष्मी नगर, रामपुर का हूँ। मेरी पुत्री आद्रिका वर्मा ने 2025 में हाईस्कूल, सेंट मेरी स्कूल से किया है जिसमें भूलवश पिता का नाम अजय वर्मा दर्ज हो गया था जबकि वास्तविक नाम अजय कुमार है और इसी नाम से भविष्य में पहचाना जाए।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दावत-ए-इस्लामी इंडिया का नशा मुक्ति जागरुकता अभियान

अभियान चलाते गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के सदस्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: दावत-ए-इस्लामी इंडिया की सामाजिक इकाई गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन की ओर से नगर में नशा मुक्ति जागरुकता अभियान चलाया गया। कार्यकर्ताओं ने बैनर और पोस्टर के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान का संदेश देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की।

जिलाध्यक्ष अरकान क़ादरी अत्तारी ने कहा कि अभियान का लक्ष्य युवाओं को नशे की लत से बचाकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। संस्था के सदस्य क़ारी अब्दुल वकील अत्तारी, क़ारी आरिफ अत्तारी, गुलाम नबी अत्तारी, अज़ीम शानू खां, सकलैन अत्तारी, बिलाल अत्तारी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामलीला मैदान में चिन्हित करने पहुंची टीम

संवाददाता, पाकबड़ा

- वंदन योजना के तहत बड़ा मंदिर सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव

अमृत विचार : प्रस्तावित वंदन योजना के तहत प्रकरण बड़ा मंदिर एवं सड़क का था। लेकिन नगर पंचायत की टीम रामलीला मैदान पर कब्जा करने के लिए उसे चिह्नित करने पहुंच गई थी। टीम जब जमीन चिह्नित करने के लिए पहुंची थी तो उन्हें हिंदू समाज एवं रामलीला समिति के लोगों का विरोध झेलना पड़ा।

नगर पंचायत पाकबड़ा में कुछ दिनों पहले नगर पंचायत के ईओ एवं राजस्व की टीम मिलकर रामलीला मैदान को नगर पंचायत की जगह बताते हुए मैदान को चिह्नित करने के लिए पहुंच गए थे और खम्भे भी लगा दिए थे। जिसको लेकर हिंदू समाज एवं रामलीला समिति के लोगों द्वारा भारी विरोध किया गया था। इसका सामना दोनों टीमों को करना पड़ा था। उसके बाद टीम वापस लौट गई थी। उसके बाद दोबारा से भी नगर पंचायत की टीम रामलीला मैदान में जगह चिह्नित करने के लिए पहुंच गए थे। फिर भी भारी संख्या में लोगों का विरोध झेलना पड़ा। लेकिन मामला कुछ अलग ही था। मामला अब सामने आया है कि वंदन योजना के तहत पाकबड़ा के बड़ा मंदिर एवं उसके बराबर से जा रही नए मुरादाबाद को सड़क का प्रस्ताव किया गया था। जिसमें रामलीला मैदान का कोई जिक्र ही नहीं था। लेकिन टीम अपनी मर्जी से रामलीला मैदान को चिह्नित कर कब्जा करने के लिए पहुंच गई थी।

> रामलीला मैदान का कोई प्रस्ताव ही नहीं बना है। बड़ा मंदिर का था। उसी की जांच को हमने भेजा था।
>
> – **मोहम्मद याकूब,** नगर पंचायत अध्यक्ष पाकबड़ा

> रामलीला मैदान पर वंदन योजना के तहत कोई भी प्रस्ताव अभी नहीं बना है। न ही रामलीला मैदान का पहले कोई प्रस्ताव था। रामलीला मैदान के नाम से दर्ज जगह की पैमाइश की गई थी। बड़ा मंदिर का प्रस्ताव दिया गया था जो कि पुराना है।
>
> –**विजय आनंद,** ईओ नगर पंचायत पाकबड़ा

> हमने पहले ही बताया था यह रामलीला मैदान के नाम से ही जगह दर्ज है। रामलीला मैदान की है। इसमें नगर पंचायत का कोई मामला नहीं है।
>
> –**नरेश सक्सेना,** महामंत्री, श्री रामलीला समिति पाकबड़ा

एसोसिएशन के अधिवक्ता हॉल के मुख्यद्वार का उद्घाटन

अधिवक्ता हाल के मुख्य द्वार का उद्घाटन करतीं एसडीएम प्रीति सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता,ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : अधिवक्ता हॉल के नवनिर्मित मुख्य द्वार का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति में एसडीएम प्रीति सिंह ने फीता काटकर मुख्य द्वार का उद्घाटन किया। वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से मुख्य द्वार के निर्माण की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। इससे न्यायालय परिसर की व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित होगी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ,महासचिव मनोज पाल , पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौहान, अशोक गहलोत, हीरालाल एडवोकेट, सफदर राजा खान, अरुण भारद्वाज, सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

विवाह कमेटी के नाम पर ठगी का आरोप

मसवासी, अमृत विचार : बिजारखाता निवासी माजिद ने गांव के ही युवक पर विवाह कमेटी के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार आरोपी युवक ने निजी तौर पर जमा योजना चलाकर यूपीआई के माध्यम से उससे 4 .77 लाख रुपये तथा एक अन्य ग्रामीण से एक लाख चालीस हजार रुपये जमा कराए और ब्लैंक चेक भी ले लिए। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर आरोपी और उसके पुत्र ने जान से मारने व झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि गाली-गलौज की वीडियो और यूपीआई भुगतान से संबंधित बैंक स्टेटमेंट उसके पास मौजूद हैं। माजिद ने पूर्व में मसवासी चौकी में तहरीर देने के बाद पुलिस अधीक्षक रामपुर से मामले में कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के मामले में प्राथमिकी दर्ज

मसवासी, अमृत विचार : मोतीपुरा गांव में नाली के पानी को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। गांव निवासी ज्ञानधारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 दिसंबर की सुबह पड़ोसी रूप बसंत से कहासुनी हुई थी, जिसे गांव वालों ने शांत करा दिया था। आरोप है कि करीब आधे घंटे बाद रूप बसंत लाठी लेकर उनके घर में घुस आया और गाली-गलौज करते हुए लक्ष्मीनारायण के सिर पर हमला कर दिया। ज्ञानधारी के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शुगर मिल ने किया 26 तक का भुगतान

कांठ, अमृत विचार : समय से गन्ने का भुगतान होने पर किसानों को बड़ी राहत विगत वर्षों की भांति इस बार क्षेत्र की सभी शुगर मिल किसानों को समय से भुगतान करने में लगी हुई है। सहकारी करना समिति कांठ के सचिव खेत सिंह ने बताया कि इस वर्ष रानी नांगल शुगर मिल ने 26 दिसंबर तक का भुगतान कर दिया है, स्योहारा शुगर मिल ने 14 दिसंबर व दीवान शुगर मिल ने 13 दिसंबर तक का भुगतान किसानों के खाते में जा चुका है। किसान की हर सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। क्षेत्र के किसी भी किसानों को सट्टे से संबंधित या पर्ची के बारे में कोई शिकायत हो तो वह कार्यालय में आकर के संपर्क कर सकता है। उसका निवारण किया जाएगा।

नए साल का जश्न मनाने को सजे होटल

नैनीताल की वादियों में नया साल मनाने की तैयारी, दुकानों को भी सजाया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नए साल का जश्न मनाने के लिए होटल सज गए हैं। युवा नैनीताल की वादियों से भी हैप्पी न्यू ईयर बोलेंगे। होटलों एवं पार्कों में भी एक दूसरे को नये साल पर नए साल की मुबारकबाद दी जाएगी। युवाओं ने नव वर्ष पर एक दूसरे को देने के लिए उपहार भी खरीदे हैं। गिफ्ट सेंटर तरह-तरह के उपहार आइटम से सजे हैं।

बुधवार रात 12 बजते ही आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से खिल उठे इसके लिए आतिशबाजी भी खरीदी गई है। ताकि नए साल का स्वागत आतिशबाजी कर किया जाए। युवाओं की टोलियों ने नया साल मनाने के लिए नैनीताल के होटलों में बुकिंग करा ली है। क्योंकि, नये साल पर नैनीताल में रूम मिलना मुश्किल हो जाता है। नये साल के मौके पर नैनीताल का बोट क्लब युवाओं से खचाखच भर जाता है। जोश से लबरेज युवा राजन कहते हैं कि नैनीताल में नये साल पर रूम मिलना मुश्किल हो जाता है इसलिए इस बार पहले से ही रूम बुक करा दिया है। युवा नैनीताल की वादियों से एक दूसरे को मोबाइल के माध्यम से हैप्पी न्यू ईयर बोलेंगे। युवाओं ने बताया कि वह नये साल पर नैनीताल जाएंगे और नये साल का जश्न वहीं मनाएंगे। युवाओं ने कहा कि नैनीताल में 12 बजते ही आतिशबाजी करके नये साल का स्वागत करेंगे।

नए वर्ष के लिए झालर और पोस्टर दिखाता दुकानदार। ● अमृत विचार

बढ़िया तरीके से नये साल को सेलिब्रेट करेंगे। दोस्तों के साथ नैनीताल जाकर सभी को नये साल की मुबारकबाद भेजेंगे। नये साल मनाने के लिए तैयारी कर ली है। दोस्तों को मोबाइल के व्हाट्सएप से बधाइयां देंगे।

– शरीफ

नया साल खुशियां लेकर आए यही दुआ है। नया साल हम अपने दोस्तों के साथ मिलजुल कर मनाएंगे। नया साल मनाने के लिए तमाम तैयारी कर ली है। नये साल का जश्न मनाने के लिए आतिशबाजी भी छोड़ेंगे।

– राकिब

नया साल का जश्न मनाने के लिए दोस्तों के साथ मनाली जाएंगे। इसके लिए कार्यक्रम बना लिया है। 31 दिसंबर को रामपुर से मनाली के लिए कूच करेंगे और रात को नये साल का खुशी के साथ इस्तकबाल करेंगे।

– शाहिद

नव वर्ष 2026 का स्वागत धूमधाम से करेंगे। नये साल का जश्न अच्छी सोच के साथ मनाएंगे। नव वर्ष पर अब कार्ड भेजने का चलन पुराना हो गया है। नव वर्ष पर कंप्यूटर पर बहुत सुंदर कार्ड डिजाइन कर लिए हैं।

– गौरव गुप्ता

मिशन शक्ति केंद्र ने परिवार टूटने से बचाया

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति केंद्र थाना भोट ने महिला संबंधी विवाद में निभाई अहम भूमिका-पारिवारिक मतभेद हुआ समाप्त, टूटा नहीं परिवार, साथ रहने का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक, रामपुर के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान 5 के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को सुदृढ़ बनाने के लिए मिशन शक्ति केंद्र थाना भोट लगातार प्रभावी कार्य कर रहा है।

इसी क्रम में मिशन शक्ति केंद्र पर महिला उप निरीक्षक सृष्टि चौधरी, हेड कांस्टेबल रिंकू चौधरी, महिला कांस्टेबल स्वाति भिवानिया थाना भोट रामपुर द्वारा एक महिला संबंधी प्रकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। ग्राम कोयली थाना भोट रामपुर निवासी पीड़िता ने पति द्वारा घरेलू बातों को लेकर मन मुटाव व लड़ाई झगड़ा की शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्रार्थना पत्र प्राप्त होने पर महिला उप निरीक्षक सृष्टि चौधरी व टीम ने दोनों पक्षों को मिशन शक्ति केंद्र थाना भोट पर बुलाकर काउंसलिंग कराई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी मतभेद का सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला।

विद्यालय में छात्र मिलन समारोह धूमधाम से मनाया

आनंद कॉन्वेंट स्कूल में प्रबंधक अतिथियों के साथ। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : ज्वाला नगर स्थित आनंद कॉन्वेंट विद्यालय में "संकल्प-पूर्व शिक्षकगण एवं छात्र मिलन समारोह" धूमधाम व उत्साह से मनाया गया। विद्यालय प्रबंधक पीयूष प्रकाश सक्सेना ने वर्ष 2025 में आनंद कॉन्वेंट विद्यालय को श्रेष्ठ क्षेत्रीय विद्यालय बनाने का लक्ष्य लिया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक परमानंद प्रकाश सक्सेना, प्रबंधक पीयूष प्रकाश सक्सेना, मुख्यातिथि आशीष यादव तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या आभा सक्सेना ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। छात्राओं द्वारा स्वागत गान तथा देशभक्ति समूह गान प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्रमुख शिक्षिका पूजा आहूजा ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रबंधक पीयूष प्रकाश सक्सेना ने कहा कि आनंद कॉन्वेंट स्कूल का लक्ष्य है। भारतीय मूल्यों से संस्कारित, वैश्विक ज्ञान से समृद्ध तथा 21वीं सदी के कौशलों से युक्त ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना, जिनमें सशक्त राष्ट्रीय चरित्र हो।

जरूरतमंदों का होगा इलाज 33.13 लाख के बांटे चेक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री राहत कोष योजना के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित व आर्थिक रूप से कमजोर 23 पात्र लाभार्थियों को रुपये 33,13,500 की आर्थिक सहायता की। चाइल्ड केयर एंड प्रोटेक्शन फंड के अंतर्गत 2 गंभीर रूप से बीमार बच्चों को रूपये 1,27,000 की सहायता की ।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी द्वारा जनता दर्शन में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है। जनता दर्शन के अंतर्गत मुख्यमंत्री राहत कोष योजना के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित व आर्थिक रूप से कमजोर 23 पात्र लाभार्थियों को रुपये 33,13,500 की आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके साथ ही चाइल्ड केयर एंड प्रोटेक्शन फंड के अंतर्गत 2 गंभीर रूप से बीमार बच्चों को रुपये 1,27,000 की सहायता उपलब्ध कराई गई, जिससे उनके उपचार में आवश्यक सहयोग मिल सका। स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 96 जरूरतमंद लाभार्थियों के आयुष्मान बनाए, जिससे उन्हें निःशुल्क और बेहतर इलाज मुहैया हो सकेगा। इसी क्रम में रेड क्रॉस सोसायटी फंड से 7 गंभीर रोगियों को रुपये 1,75,000 की आर्थिक सहायता दी। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपचार की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाते हुए दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 11 दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल एवं व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गईं।

आश्यकता अनुसार ही खाद खरीदें किसान

रामपुर, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि रबी फसलों की गेहूं फसल में प्रथम टॉप ड्रेसिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। कुछ क्षेत्रों में देरी से बोई गयी तिलहनी एवं दलहनी फसलों में टॉप ड्रेसिंग चल रहा है। किसान आवश्यकता से अधिक उर्वरक का क्रय न करें, उर्वरकों की कोई कमी नहीं है।

26 दिसम्बर 2025 तक यूरिया डीएपी, एमओपी, एनपीके एवं सिंगल सुपर फास्फेट वितरण किया जा चुका है। वर्तमान में यूरिया 15986 टन, डीएपी 2643 टन, एमओपी 106 टन, एनपीके 7024 टन एवं सिंगल सुपर फास्फेट 515 टन उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी में स्थापित किया है। किसान समस्याओं के समाधान के लिए उर्वरक समस्या समाधान कन्ट्रोल रूम मोबाइल 7839882763 पर संपर्क कर सकते हैं

सर्दी में कोयला और हीटर की मांग बढ़ी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी पड़ने से कोयला और रूम हीटर की मांग बढ़ गई है। इमली की लकड़ी का कोयला 40 रुपये किलो है। युवा पीढ़ी ब्लोअर, एसी और रूम हीटर में दिलचस्पी दिखा रही है। बाजार में रूम हीटर और ब्लोअर की दुकानें भी सज गई हैं।

इसके अलावा पानी गरम करने के लिए गीजर और पानी गरम करने की रॉड भी सजी हुई हैं। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में गलन बढ़ा दी है। मंगलवार को पूरे दिन सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। सर्दी के कारण शाम ढले लोगों की बाजारों में भी आवाजाही कम रही। दिसंबर का काउंटडाउन शुरू होने के साथ ही मौसम तेजी से बदलने लगा है। दोपहर तक कोहरा छाया रहा और शीतलहर चलती रही। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले दो दिन में सर्दी और बढ़ने का अनुमान है। कोहरा होने के कारण हाईवे पर वाहन धीमी रफ्तार से चले। बाजारों में कोयला और रूम हीटर के अलावा पानी गरम करने के लिए गीजर और कई तरह के उपकरण बिक रहे हैं। किचन में बर्तन धोने के लिए 10 सेकेंड में पानी गरम करने का दावा किया जा रहा है। मंगलवार शाम ढले सर्दी बढ़ने पर लोगों ने घरों की राह पकड़ी जिससे बाजारों में सन्नाटा पसर गया और लोग अपने-अपने घर में दुबक गए।

शाहबाद गेट स्थित बाजार में सजे बिजली के हीटर एवं अन्य उपकरण। ● अमृत विचार

> 1 जनवरी को हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। 4 जनवरी तक शीतलहर व कोहरा छाए रहने के आसार हैं। सर्दी से बचाव के लिए किसान खड़ी फसल गन्ना, गेहूं, व सब्जियों में सिंचाई करें।
>
> – डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक कृषि विवि मेरठ।

हाल-ए-मौसम	
अधिकतम तापमान	15 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	9 डिग्री से.
आद्रता	64 प्रतिशत
वायु वेग	7 किमी. प्रति घंटा

पोर्टल पर आज लॉक हो जाएंगे मदरसा बोर्ड के आवेदन

रामपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित 2026 की मुंशी, मौलवी, आलिम की बोर्ड परीक्षाओं के ऑनलाइन आवेदन मदरसे के प्रधानाचार्य द्वारा आज मदरसा पोर्टल पर लॉक किए जाएंगे।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत ने बताया कि उनके द्वारा ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर 6 जनवरी को लॉक कर दिया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा वर्ष 2026 के लिए परीक्षा केंद्रों का ऑन लाइन मदरसा पोर्टल पर परीक्षा केंद्रों का डाटा 15 जनवरी तक फीड किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा वर्ष 2026 की परीक्षा केंद्रों का डाटा फीड किए जाने के बाद परीक्षा केंद्रों पर सम्मिलित होने वाले मदरसों की ऑनलाइन मदरसा पोर्टल पर 8 जनवरी से 19 जनवरी तक मैपिंग की जाएगी।

श्रम कार्ड रिनुअल होगा, तो मिलेगा योजनाओं का लाभः फरहा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : यूनाइटेड विकास समिति की ओर से एक निःशुल्क श्रम कार्ड (मजदूरी कार्ड) रिनुअल शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के सैकड़ों मजदूरों ने अपने कार्ड को समय पर रिन्यू कराया। समिति की अध्यक्ष फरहा रजा ने बताया कि कार्ड रिनुअल होगा तो ही योजनाओं का लाभ मिल पाएगा।

मोहल्ला कटरा जलालुद्दीन में लगे शिविर में श्रमिकों की भीड़ उमड़ी और अनेक परिवारों को बिना किसी शुल्क के अपने श्रम कार्ड का नवीनीकरण कराया। इस मौके पर यूनाइटेड विकास समिति की अध्यक्ष फरहा रजा ने मजदूरों को श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन और जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रमिक कार्ड के रिनुअल से मजदूरों को स्वास्थ्य, दुर्घटना, मृत्यु, बच्चों की शिक्षा, पेंशन आदि योजनाओं का लाभ मिलता है, इसलिए समय-समय पर कार्ड का नवीनीकरण कराना बेहद जरूरी है। सरकार के नियमों के अनुसार श्रमिकों को सालाना या निर्धारित अंतराल पर अपने कार्ड का नवीनीकरण कराना आवश्यक होता है, ताकि उनका पंजीकरण सक्रिय रहे और वे श्रम विभाग की सभी योजनाओं और लाभों के पात्र बने रहें। अगर रिनुअल समय पर नहीं होता है तो कार्ड निष्क्रिय हो सकता है और योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पाता।

मोहल्ला कटरा जलालुद्दीन में लगे शिविर में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

● समिति की अध्यक्ष फरहा रजा ने योजना की जानकारी दी

धोखाधड़ी के 76,466 रुपये वापस कराए

रामपुर, अमृत विचार : थाना साइबर क्राइम पर एक शिकायती पत्र में बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा पासपोर्ट बनवाने के नाम पर 95,800 रुपये की ऑनलाइन माध्यम से ठग लिए हैं।

पुलिस अधीक्षक रामपुर व अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर के पर्यवेक्षण में तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए थाना साइबर क्राइम ने धोखाधड़ी के 95,800 में से 76,466 रुपये पीड़ित के खाते में वापस कराए। पीड़ित को बताया कि साइबर फ्रॉड व धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर पोर्टल पर शिकायत करें या 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं। टीम में देवेंद्र निरीक्षक थाना साइबर क्राइम, महिला कांस्टेबल निशा गोला, स्वाति नागर शामिल रहीं। दूसरी शिकायत में पासपोर्ट के नाम पर 2,78,000 रुपये की ठगी हुई थी। मामले में थाना साइबर क्राइम ने पीड़ित के बैंक खाते में 71 हजार रुपये वापस कराए।

टूटे स्लैब से हो रहे हादसे, कई बच्चे हो चुके घायल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: नगर पालिका परिषद के वार्ड-35 में अल्लाह रक्खा की दुकान के निकट स्लैब टूटा होने से हादसे हो रहे हैं। इसमें फंसकर कई पतंगबाज बच्चे अपनी टांग तुड़वा चुके हैं और कई बच्चे घायल हो चुके हैं। बजरिया मुल्ला जरीफ से कलकत्ता मोहल्ले को जोड़ने वाली सड़क और स्लैब जर्जर हो चुके हैं, लेकिन उनको दुरुस्त नहीं कराया गया है।

पटले वाली मस्जिद के निकट अल्लाह रक्खे की दुकान के पास स्लैब टूटा होने से रात के अंधेरे में वाहन चालक घायल हो जाते हैं। कोहरे में टूटा हुआ स्लैब दिखाई नहीं देता है। बाशिंदे कई बार पालिका के अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन आश्वासन दिया जाता है और हालत जस की तस है। करीब 10 वर्ष पूर्व इंटरलॉकिंग सड़कें बनवाई थीं नाले पर स्लैब डलवाए गए थे लेकिन, रखरखाव के अभाव में स्लैब टूट गए हैं। टूटी सड़कों के कारण तेज रफ्तार बाइक सवार इसमें फंसकर गिरकर घायल हो जाते हैं। वार्ड के लोगों ने नालों पर स्लैब डलवाने और टूटी सड़कें बनवाए जाने के लिए पालिका के अधिकारियों से कई बार शिकायत की है। अधिकारियों द्वारा लोगों को आश्वासन दे दिया जाता है लेकिन, काम नहीं होता है।

पटले वाली मस्जिद के निकट सड़क के बीचों-बीच टूटा स्लैब।

पटले वाली मस्जिद के निकट नाले पर स्लैब टूटा हे। जिसके कारण अक्सर तेज रफ्तार बाइक सवार इनमें घुसकर जख्मी हो जाती हैं। पतंगबाज बच्चे आसमान की तरफ पतंग को देखते हुए दौड़ते हैं और उनकी टांग टूटे स्लैब में फंसकर टूट जाती है। – वारिस हुसैन

नगर पालिका के वार्ड 35 में स्लैब टूटा होने से रात में हादसे होते रहते हैं। कोहरे में टूटा स्लैब दिखाई नहीं देता है। वार्ड में सड़कें भी बदहाल हो चुकी हैं। कई बार पालिका अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है लेकिन, स्थिति जस की तस है।

– जिबरान

वार्ड 35 में करीब 10 साल पहले इंटरलॉकिंग से सड़कें बनी थीं लेकिन, रखरखाव के अभाव में जगह-जगह से टूट चुकी हैं। अल्लाह रक्खे की दुकान के पास स्लैब टूटा होने से आए दिन हादसे होते रहते हैं। बच्चों के पांव टूटे स्लैब में चला जाता है और वे गिरकर घायल हो जाते हैं। – हबीब अहमद

टूटे हुए स्लैब से खतरा बना रहता है। रात के अंधेरे में लोग टूटे स्लैब में फंस कर गिर जाते हैं। बच्चों की टांग अक्सर टूटे स्लैब में फंस जाती है और वह गिरकर घायल हो जाते हैं। वार्ड 35 में जगह-जगह सड़कें टूट चुकी हैं। जिसके कारण राहगीरों को परेशानी होती है। – नीलू भाटिया

आयोजन गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार से निकाली गई प्रभात फेरी

प्रभात फेरी में शबद कीर्तन से संगत हुई निहाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार से निकाली गई। प्रभात फेरी में शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई। मंगलवार को प्रभात फेरी राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख के घर, बुलंद क्वार्टर होते हुए वापस गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार पहुंची। रास्ते में जगह-जगह प्रभात फेरी का स्वागत हुआ।

प्रभात फेरी के निकलने के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा अपने घरों में ज्ञानी कृपाल सिंह से अरदास करवा कर सुख समृद्धि की कामना की गई। 31 दिसंबर को प्रभात फेरी गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार से निकलकर मनमोहन सिंह के घर से सुरजीत सिंह के घरसे होते हुए नूर महल आवास विकास कालोनी पहुंची और इसके बाद गुरुद्वारा पहुंचेगी। प्रभात फेरी में जत्थेदार अवतार सिंह बिट्टू, जगजीत सिंह, दरबार सिंह, चरणजीत सिंह, मनप्रीत सिंह, इकबाल सिंह, नंद किशोर, सुरजीत कौर, गुरमीत कौर, महेंद्र जीत कौर, मनजीत सिंह आदि शामिल रहे।

गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार से निकली प्रभात फेरी में शामिल संगत। ● अमृत विचार

गुरुद्वारे में श्री सुखमणि साहिब का हुआ पाठ

रामपुर, अमृत विचार : श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज जी का पूरा परिवार माता गुजर कौर जी एवं चार साहिबजादे बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी, बाबा फतेह सिंह जी के शहीदी के अंतर्गत गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा जी में मंगलवार सुबह 5 से श्री सुखमणि साहिब जी के पाठ, श्री नितनेम साहिब जी का पाठ एवं सिमरन हुआ। कड़ाके की सर्दी में लोगों की सेवा के लिए अलाव जलवाया गया। सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में हुए रात्रि कार्यक्रम के अंतर्गत भी शबद-कीर्तन एवं सिमरन हुआ। शहीदी के अंतर्गत प्रतिदिन सुबह 5 :30 से 7 बजे तक रेलवे स्टेशन पर चाय आदि की फ्री सेवा सिंह सेवक जत्था द्वारा की जा रही है। अधिक सर्दी पड़ने के कारण प्रतिदिन रेलवे स्टेशन, मंदिर के पास एवं माल गोदाम चौराहा पर अलाव भी जलवाए गए। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान दर्शन सिंह खुराना, गुरचरण सिंह आहूजा, भूपेंद्र सिंह आहूजा, महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, राज सिंह, जसमीत सिंह, संतोख सिंह खालसा आदि मौजूद रहे।

गांधी समाधि के निकट बदहाल सड़क

रामपुर, अमृत विचार : गांधी समाधि के निकट बदहाल सड़क हो गई जिसके कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने सड़क की बदहाली पर पर्दा डालने के लिए बैरियर लगवा दिए गए हैं।

जिसके कारण राहे रजा से नवाब गेट की ओर मुड़ने पर मार्ग संकरा हो गया है। गणतंत्र दिवस पर गांधी समाधि पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। लेकिन गांधी समाधि और नवाब गेट के बीच सड़क बदहाल हो गई है। बदहाल सड़क पर लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी। राहे रजा स्थित गांधी समाधि से नवाब गेट की ओर मुड़ने पर सड़क बदहाल है। डामर से बनी हुई सड़क जगह-जगह से उखड़ गई है। जिस पर गुजरने पर बाइक सवार गिर जाते है। अधिकारियों ने सड़क दुरुस्त कराए जाने के बजाए बैरियर लगवा दिए हैं जिसके कारण गांधी समाधि के निकट रास्ता तंग हो गया है।

5 दिवसीय सप्ताह करने के लिए प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के राष्ट्रीय आह्वान पर नवाब गेट स्थित भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रांगण में अपनी मांगों के संबंध में बैंक कर्मचारी व अधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन रामपुर के संयोजक तथा भारतीय स्टेट बैंक स्टाफ एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव कामरेड धनराज ने कहा कि सरकार हमारे पांच दिवसीय बैंकिंग की मांग को काफी समय से टाल रही है जो कि हमें बर्दाश्त नहीं है। कड़ाके की सर्दी में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने मंगलवार की शाम पांच दिवसीय बैंकिंग की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय सचिव ने कहा कि अब सरकार को हमारी मांग को को पूरा करना होगा। सरकार ने बैंक कर्मियों की बात नहीं सुनी तब विवश होकर हड़ताल करनी पड़ेगी। बैंक कर्मचारी नेता जगमोहन अग्रवाल ने कहा कि इस समय सभी सदस्यों को एकजुट होकर रहना पड़ेगा। तभी सरकार हमारी मांग के आगे झुकेगी। स्टेट बैंक के पूर्व नेता विमल कपूर ने कहा कि अगर सरकार हमारी मांग नहीं मानती है तब कर्मचारी दो दिन की हड़ताल करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में बैंक ऑफ बड़ौदा के जिला सचिव शुभम अग्रवाल, रविंद्र सिंह, राजीव कुमार, नजीर अहमद, महेश कुमार, राहुल अग्रवाल, स्टेट बैंक के अधिकारी कुलदीप वर्मा, रूबी सिंह, जिला सचिव उत्कर्ष सिंह, तनुरा सक्सेना, अनुराधा, निशा, शिवानी, अपूर्व जैन, नन्हें सिंह, दिनेश कुमार, डीके जोशी, क्षेत्रीय कार्यालय के विनय सिंह, विनय गिल और इलाहाबाद बैंक के उमेश कुमार शामिल रहे।

एसबीआई की मुख्य शाखा परिसर में प्रदर्शन करते बैंक कर्मचारी और अधिकारी।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 3 गुमशुदा को परिवारों से मिलाया

रामपुर, अमृत विचार : थाना सैफनी पुलिस द्वारा अपने परिवार से गुम हुए तीन गुमशुदा को सकुशल उनके परिवार के सुपुर्द किया। थाना सैफनी पुलिस द्वारा अभियान के तहत आश्रय गृहों, रेलवे स्टेशनों व अन्य स्थानों पर गुम व बिछड़ चुके गुमशुदा को तलाश किया गया। राहुल शर्मा निवासी ग्राम सराय इमाम थाना सैफनी, निभा छितौनी रोड कस्बा सैफनी, मुकेश उर्फ बादू निवासी ग्राम बिसौली तालाब सैफनी को परिवार से मिलाया। प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह, अमित कुमार, नरेश कुमार उपाध्याय मिशन शक्ति टीम प्रभारी, अमरपाल सिंह रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक किया

रामपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते जागरूक किया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति केंद्र की टीमों एवं जनपद स्तरीय टीम द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना स्तरीय टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बाजारों, शॉपिंग मॉल, पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090, 181, 112, 1098 की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

मदरसे के छात्र पर कुत्ते ने किया हमला, घायल

रामपुर, अमृत विचार : टांडा नगर के मुहल्ला यूसुफ में मदरसा रोजातुल उलूम के पास मदरसे के छात्र पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को परिजन दिल्ली ले गए। मोहल्ला यूसुफ निवासी जलीस अहमद का दस वर्षीय पुत्र अबु हम्माद मंगलवार दोपहर मदरसे से पढ़कर घर लौट रहा था। तभी कुत्ता उस पर झपट पड़ा। चीख सुनकर लोग मौके पर पहुंचे और बच्चे को कुत्ते से बचाया। घायल अवस्था में परिजन अबु हम्माद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मां की मौत, बेटा घायल

बिलासपुर क्षेत्र में हुआ हादसा, घायल हायर सेंटर किया रेफर

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : खजुरिया थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार मां की मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल बेटे को हायर सेंटर रेफर किया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

मृतका ऊषा देवी

घटना बिलासपुर तहसील के खजुरिया थाना क्षेत्र में हुई। मृतका की पहचान 42 वर्षीय ऊषा देवी निवासी करसौली खजुरिया थाना के रूप में हुई है। वह अपने बेटे रवि कुमार के साथ चंदुपुरा गांव में अपनी बहन के घर जा रही थी। जबकि उनके साथ 6 वर्षीय पोती नेहा भी बाइक पर ही थी, उसको मामूली चोट ही आई हैं। मृतका के पति जगदीश कुमार जो किसान हैं। उन्होंने बताया कि अहरो गांव में पशु चिकित्सालय के पास अज्ञात वाहन ने उनकी पत्नी और बेटे की बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस पहुंची और घायल मां-बेटे को आनन-फानन में नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने ऊषा देवी को मृत घोषित कर दिया, जबकि रवि कुमार को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार दोपहर बाद पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, इसके बाद अंतिम संस्कार हुआ। थानाध्यक्ष पंकज पंत ने बताया कि तहरीर मिलने पर चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया है। मामले में छानबीन चल रही है।

मोर्चरी पर मौजूद मृतका के परिजन। ● अमृत विचार

शीशम की लकड़ी चोरी, काट ले गए पेड़

मसवासी, अमृत विचार : पंचायत बब्बरपुरी के मझरा लोहर्रा इलाके में अवैध कटान का गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात लोगों ने रविवार देर रात जंगल से सटे सड़क किनारे खड़े हरे-भरे और भारी-भरकम शीशम के पेड़ को चोरी-छिपे काट डाला और लकड़ी मौके से उठा ले गए।

सुबह जब ग्रामीणों की नजर कटी हुई जड़ पर पड़ी तो पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ है कि पेड़ को काटा और लकड़ी को हटा लिया। वन विभाग ने रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी है। डीएफओ प्रणव जैन ने बताया कि मसवासी क्षेत्र के गांव लोहर्रा में शीशम का पेड़ अवैध रूप से काटे जाने की जानकारी मिली है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा अवैध कटान पर सख्त निगरानी की मांग की है। इधर वन दरोगा कुलबीर सिंह ने मामले में जानकारी होने से इंकार किया है।

फरार अभियुक्त के घर कुर्की नोटिस चस्पा, मुनादी कराई

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार : फरार युवक के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई का नोटिस जनपद कुशीनगर पुलिस द्वारा चस्पा किया गया। इस दौरान पुलिस द्वारा मुनादी भी कराई गई।

रिजवान पुत्र इस्लाम, निवासी नज्जूपुरा, थाना टांडा के खिलाफ न्यायालय कुशीनगर से जारी कुर्की के आदेश के अनुपालन में बरबा पट्टी पुलिस द्वारा उसके घर पर नोटिस चस्पा कराते हुए मुनादी कराई गई। पुलिस ने अभियुक्त के घर पर सार्वजनिक रूप से मुनादी कराते हुए स्पष्ट किया कि यदि अभियुक्त निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायालय में हाजिर नहीं होता है, तो उसके घर की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। मुनादी के दौरान स्थानीय लोगों को भी इस आदेश की जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा है और न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहा है, जिसके चलते न्यायालय द्वारा कुर्की-उद्घोषणा का आदेश जारी किया गया है। आदेश का पालन न करने की स्थिति में अभियुक्त की के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई जा सकती है। इस कार्रवाई के दौरान कुशीनगर से आए उप निरीक्षक संजय सिंह, टांडा उप निरीक्षक कृष्णपाल सिंह के साथ महफूज आलम और आदित्य कुमार मौजूद रहे।

वन विभाग की टीम गीदड़ की तलाश में जुटी

रामपुर, अमृत विचार : बिलासपुर में गीदड़ ने कई लोगों पर हमला कर घायल किया था। मंगलवार को वन विभाग ने गीदड़ को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने हाईवे स्थित आंबेडकर पार्क के पास सर्चिंग अभियान चलाया। रविवार और सोमवार को नगर में नैनीताल हाईवे पर भाखड़ा डैम के पास आंबेडकर पार्क के निकट और पुरानी तहसील रोड व सिनेमा रोड पर गीदड़ ने कई लोगों हमला किया था। सुजाअत हुसैन खान और होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. प्रवीण कुमार भी गीदड़ के हमले के शिकार हुए थे। वन विभाग के रेंजर अमित कुमार ने टीम गठित कर गीदड़ को पकड़ने और सुरक्षित जंगल में वापस भेजने का आश्वासन दिया। मंगलवार को वन दरोगा अखिलेश चंदोला के नेतृत्व में बीट प्रभारी केके शर्मा व अन्य कर्मचारियों की टीम ने नगर में आकर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि टीम को कामयाबी नहीं मिली।

वार्ड 23 में सड़क निर्माण की दोबारा जांच की मांग

रामपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय जाटव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेश कुमार सागर ने मंगलवार को सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया है। उन्होंने वार्ड-23 में चार महीने पहले बनी सड़क में धांधली का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि आईजीआरएस पर शिकायत का फर्जी निस्तारण कर दिया गया। इसके लिए उन्होंने दोबारा जांच की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, मंडल आयुक्त मुरादाबाद जिलाधिकारी रामपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रामपुर से भी शिकायत की है। उन्होंने उच्च अधिकारियों पर जेई और ठेकेदार को बचाने का आरोप लगाया है और गलत तरीके से फोटो खींचकर पोर्टल पर अपलोड करने कर शिकायत के निस्तारण की बात कही है। उन्होंने बताया कि 60 प्रतिशत नई ईंट लगाने और 40 प्रतिशत पुरानी ईंट लगाने का टेंडर पास है, लेकिन 90 प्रतिशत पुरानी ईंट लगाकर 50 प्रतिशत नई ईंटों का पैसा लिया गया है। उन्होंने मामले में जांच के लिए अन्य विभाग की टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण कराकर भुगतान करने की मांग की है। दोषी पाए जाए तो मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

भाखड़ा नदी पर सेतु के लिए 22 करोड़ स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बिलासपुर में भाखड़ा नदी पर ब्रिटिश काल में निर्मित जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सेतु के पुनर्निर्माण के लिए 22 करोड़ 14 लाख 32 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार द्वारा कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के प्रस्ताव पर मंजूरी दी है।

कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने मंगलवार को रामपुर के बिलासपुर में बताया कि इस सेतु के पुनर्निर्माण से क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे व्यापार, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

औलख ने बताया कि यह परियोजना राज्य योजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है, जो क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग थी। उन्होंने इस निर्णय को जनहितैषी सोच का परिणाम बताया। राज्यमंत्री ने इस जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संबंधित विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुंवर बृजेश सिंह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इसे क्षेत्रवासियों के लिए नववर्ष की सौगात बताया।

बिलासपुर में भाखड़ा डैम पर यहीं बनेगा पुल। ● अमृत विचार

● कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के प्रस्ताव पर मंजूरी दी

बिलासपुर में नैनीताल हाईवे पर स्थित सौ साल पुराने भाखड़ा पुल का अब पुनर्निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के लिए शासन ने 22 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की है। सेतु निगम द्वारा इस पुल का निर्माण किया जाएगा। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने राज्य योजना (शहरी) के अंतर्गत इस प्रस्ताव और धनराशि को सरकार से मंजूरी दिलाई है। उन्होंने कहा कि यह पुनर्निर्माण वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि औपनिवेशिक काल में निर्मित इस जर्जर एवं क्षतिग्रस्त सेतु के पुनर्निर्माण के लिए 22 करोड़ 14 लाख 32 हजार रुपये की मंजूरी दी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे क्षेत्रवासियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन मिलेगा, साथ ही व्यापार, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

पीलाखार नदी पर 21 करोड़ में बनेगा पुल

कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के दूसरे प्रस्ताव पर भी स्वीकृति मिली है। जिले के विकास खण्ड मिलक में ग्राम आदमपुर और बेहटा के मध्यम पीलाखार नदी पर सेतु का निर्माण होगा। इसके लिए कई सौ गांवों को लाभ होगा।

मौत के बाद अस्पताल पर लगा ताला

संवाददाता, स्वार

अमृत विचार : तबीयत खराब होने पर पांच माह की गर्भवती महिला की पांच दिन पूर्व आस्था हॉस्पिटल में हालत बिगड़ने पर परिजन उत्तराखंड के काशीपुर ले गए थे। जहां चिकित्सक ने महिला का गर्भपात करा उपचार शुरू कर दिया था। नोडल अधिकारी की छापामार कार्रवाई से पूर्व ही संचालक हास्पिटल में ताले डालकर खिसक लिया। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग टीम बिना कोई कार्रवाई किये ही वापस लौट आई।

तहसील क्षेत्र के गांव रायपुर चुन्नावाला निवासी मनजीत सिंह की पत्नी पांच माह की गर्भवती थी। तबियत खराब होने पर पांच दिन पूर्व नगर स्थित बिजली घर के सामने आस्था हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया था। निजी संचालक व स्टाफ द्वारा ही महिला का उपचार कराया जा रहा था। लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। महिला की हालत बिगड़ती रही। ज्यादा हालत बिगड़ने पर निजी अस्पताल संचालक के हाथ पांव फूल गए थे। उन्होंने आनन फानन में महिला को उत्तराखंड को रेफर कर दिया था। पीड़ित युवक पत्नी को लेकर पहले बाजपुर पहुंचा। लेकिन चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर देख भर्ती करने से मना कर दिया था। इसके बाद उत्तराखंड के काशीपुर के बीआर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां महिला के पेट में शिशु की मौत हो चुकी थी। जिस पर चिकित्सक ने महिला की हालत नाजुक देख गर्भपात करा उसका उपचार शुरू कर दिया था। उपचार में लापरवाही बरतने पर पीड़ित के परिजन सोमवार को नगर स्थित आस्था हॉस्पिटल पहुंचे और उपचार में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर प्रदर्शन किया था। जिससे स्टाफ में हड़कंप मच गया था। तब संचालक ने पीड़ित से उपचार कराने का आश्वासन देकर मामले को रफा दफा कर दिया था। मंगलवार को नोडल अधिकारी डॉ1 देवेश चौधरी टीम के साथ आस्था हास्पिटल पर छापामार कार्रवाई की। लेकिन संचालक इससे पूर्व ही हास्पिटल में ताले डालक खिसक लिया। नोडल अधिकारी देवेश चौधरी ने बताया कि आस्था हास्पिटल पर महिला की हालत बिगड़ने की सूचना मिलने पर छापामार कार्रवाई की गई थी। इस दौरान हॉस्पिटल पर ताले लटके मिले। अगर पंजीकृत हॉस्पिटल नहीं हुआ तो सील कर कार्रवाई की जाएगी।

हास्पिटल के बाहर खड़े नोडल अधिकारी देवेश चौधरी साथ में अन्य।

● स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने की छापामार कार्रवाई

जिला अस्पताल में तीमारदार खींच रहे मरीजों का स्ट्रेचर

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिला अस्पताल में मरीजों का स्ट्रेचर तीमादार खींच रहे हैं। व्हील चेयर पर बैठे मरीज को चिकित्सक कक्ष तक तीमारदार ही पहुंचाते हैं। जिला प्रशासन की लापरवाही से तीमारदार परेशान हैं। तीमारदार जब मरीज को लेकर जिला अस्पताल में दाखिल होते हैं तब उन्हें दूर-दूर तक कोई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नजर नहीं आता।

जिला अस्पताल चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नजर नहीं आते हैं और मरीज के तीमारदार उनको ढूंढते लेकिन नजर नहीं आने पर वह मरीज को चिकित्सक को दिखाने की जल्दी में मरीज को स्ट्रेचर पर लिटाकर चिकित्सक कक्ष तक ले जाते हैं। मरीजों और उनके तीमारदारों की परेशानी को जिला अस्पताल प्रशासन नहीं समझ रहा है। मरीज को चिकित्सक तक पहुंचाने में मरीजों को परेशानी होती है। मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना ने बताया कि मरीज को चिकित्सक तक स्ट्रेचर या व्हील चेयर पर ले जाने का काम कर्मचारी का है। कई बार कर्मचारियों को इस सम्बंध में कहा जा चुका है कि मरीज को स्ट्रेचर या व्हील चेयर पर वह लेकर जाया करें।

व्हीलचेयर पर मरीज को ले जाता तीमारदार।

● जिला अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से तीमारदार परेशान

अथर्व को शहर विधायक ने किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सिविल लाइंस के युवा प्रतिभाशाली कलाकार अथर्व वर्मा को शहर विधायक आकाश सक्सेना ने सम्मानित किया। यह सम्मान उनके इंडियाज टैलेंट सीजन 5 सिंगिंग में शानदार प्रदर्शन और विजयी सम्मान के लिए दिया गया।

सिविल लाइंस क्षेत्र के नूरमहल आवास विकास कालोनी निवासी अथर्व वर्मा गाने के शौकीन हैं और अब उनकी यही प्रतिभा उत्कृष्टता प्राप्त कर रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में रुड़की में आयोजित समारोह में सीजन का फाइनल हुआ था, जिसमें वह विजयी हुए। देश के मशहूर गायक अनु मलिक ने उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद वह रामपुर पहुंचे, जहां स्थानीय विधायक आकाश सक्सेना ने भी उन्हें सम्मानित किया। रामपुर सेवक कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने अथर्व की उत्कृष्ट प्रतिभा, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास की सराहना की और कहा कि उनके राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन ने रामपुर जनपद का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं को ऐसे मंचों पर आगे बढ़ने के लिए समर्थन देना चाहिए और स्थानीय स्तर पर भी बच्चों तथा युवाओं को कला, संस्कृति और मनोरंजन के क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अथर्व की जीत सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, जिसने स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा का काम किया है।

अथर्व को सम्मानित करते शहर विधायक आकाश सक्सेना। ● अमृत विचार

● रामपुर सेवक कार्यालय पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

न्यूज डायरी

एएसपी ने पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया

रामपुर, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर द्वारा मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परेड में उपस्थित महिला प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारीगणों के टर्नआउट, अनुशासन एवं परेड की गुणवत्ता का गहन परीक्षण किया गया। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन परिसर में स्थित भोजनालय, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा एवं आरटीसी की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही परिसर की साफ-सफाई, रख-रखाव एवं मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीओ नगर ने सिविल लाइंस थाने का त्रैमासिक निरीक्षण किया

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक रामपुर के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर जितेंद्र कुमार ने मंगलवार को सिविल लाइंस थाने का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा थाना कार्यालय पर बने अपराध रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर, ड्यूटी रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया। उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों का अवलोकन कर उनके सुव्यवस्थित रख-रखाव के लिए निर्देश दिए गए। थाना परिसर में स्थित मिशन शक्ति केंद्र, कम्प्यूटर कक्ष, विवेचना कक्ष, मालखाना, साइबर हेल्प डेस्क, हवालात तथा आगन्तुक कक्ष आदि का निरीक्षण किया गया।

आपदा प्रबंधन योजना के तहत रिहर्सल किया

रामपुर, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के नेतृत्व में जिला ऑफ-साइट आपदा प्रबंधन योजना रिहर्सल के अन्तर्गत मंगलवार को रेडिको खेतान लिमिटेड में मॉक ड्रिल की गई। मॉक ड्रिल के दौरान किसी औद्योगिक आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्यवाही, सुरक्षा प्रबंधों की जांच तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र का व्यावहारिक परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन, फैक्ट्री प्रबंधन व अन्य संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। अभ्यास के दौरान अलार्म सिस्टम, निकासी मार्ग, प्राथमिक उपचार, दमकल व्यवस्था एवं आपसी समन्वय की प्रभावशीलता को परखा गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मॉकड्रिल में शामिल अधिकारियों व फैक्ट्री प्रबंधन को निर्देश दिए।

एसपी ने सेवानिवृत्ति पर उपनिरीक्षक को विदाई दी

रामपुर, अमृत विचार : आरटीसी परिसर में आरटीसी प्रभारी उप निरीक्षक सर्वेश कुमार 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रामपुर विद्या सागर मिश्र द्वारा उप निरीक्षक सर्वेश कुमार के दीर्घ, निष्ठावान एवं अनुकरणीय सेवाकाल की सराहना करते हुए उपहार भेंट कर स्वस्थ, सुखद व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में क्षेत्राधिकारी, लाइन सहित आरटीसी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान उप निरीक्षक सर्वेश कुमार के अनुभव, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को स्मरण करते हुए उनके सेवाकाल के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

जीबीसी योजना के तहत 660 करोड़ रुपये का हुआ निवेश

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक हुई। अधिकारियों ने बताया कि जीबीसी (ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी) 5 के तहत जिले में अब तक कुल 660 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। वहीं मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न करने वाले नैनीताल बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक को आवंटित लक्ष्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदन पत्रों, उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न ऋणपरक योजनाओं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद-एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एमएसएमई नीति तथा जीबीसी 5 की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मैसर्स अम्बिका वुड बिलासपुर, मैसर्स इम्पायर प्लाईवुड चमरौआ, मैसर्स इंडिया टोनर्स दनियापुर एवं मैसर्स कृष्णा ट्रेडर्स मिलक द्वारा माल के आवागमन के लिए कच्चे मार्ग के दुरुस्तीकरण की मांग रखी गई, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए। लघु उद्योग भारती द्वारा ग्राम बढ़पुरा, भमरौआ रोड पर सायंकालीन समय में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की गई। संबंधित बैंकों को निर्देश दिए।

उद्योग बंधु समिति बैठक में मौजूद अधिकारी और उद्यमी। ● अमृत विचार

● विकास भवन सभागार में जिला उद्योग बंधु की हुई बैठक

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न करने वाले नैनीताल बैंक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक को सख्त निर्देश दिए कि वे आवंटित लक्ष्यों की पूर्ति करें। जीबीसी 5 के अन्तर्गत जनपद में अब तक कुल 660 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हो चुका है। सहायक आयुक्त उद्योग निहारिका जैन ने उद्यमी संगठनों एवं उद्यमियों को अवगत कराया कि सरकार द्वारा संचालित प्लेज योजना के तहत निजी औद्योगिक पार्कों की स्थापना में अधिक से अधिक सहभागिता करें। प्लेज योजना के अन्तर्गत 10 से 50 एकड़ भूमि पर निजी औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए सरकार द्वारा प्रति एकड़ 50 लाख रुपये तक का ऋण मात्र 1 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्लेज पार्क के लिए क्रय की गई भूमि तथा भूखंडों की बिक्री पर 75 प्रतिशत स्टांप शुल्क की छूट प्रदान की जाएगी, जबकि महिला उद्यमियों के लिए यह छूट 100 प्रतिशत होगी।

एमएसएमई नीति-2022 के अन्तर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों को नए निवेश अथवा विस्तार के लिए प्लांट एवं मशीनरी पर क्रमशः 20 प्रतिशत, 15 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिये जाने की व्यवस्था है। रामपुर आईआईए चेयरमैन श्रीष गुप्ता ने उद्योगों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उद्यमियों के पक्ष रखे। मीटिंग में महिला चेयरपर्सन गार्गी सरदाना , उमेश सिंघल, सरदार हरजिंदर सिंह, अनिल अग्रवाल, विपुल अग्रवाल, विमल मिश्रा, आशीष चौधरी, रोहित गोयल , सत्य सुशील वेंचर्स, स्वाति मेंथोल के प्रतिनिधि ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन की चपेट में आकर तेंदुए की मौत

गजरौला, अमृत विचार : ट्रेन की चपेट में आकर तेंदुआ की मौत हो गई। यह घटना गजरौला थाना क्षेत्र के गांव दरियापुर बुजुर्ग की है। मंगलवार सुबह जब गांव के लोग खेतों की तरफ गए तो रेलवे लाइन पर उन्होंने तेंदुआ का शव पड़ा देखा। उसकी गर्दन पर चोट का निशान था तथा गर्दन मुड़ी हुई थी। नर तेंदुआ की उम्र लगभग पांच साल के करीब बताई जा रही है। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई तथा शव को जटी वन स्थित वन विभाग के कार्यालय ले आई है। बता दें कि इस वर्ष जिले में यह छठे तेंदुआ की मौत हुई है। इससे पहले मार्च में रजबपुर में हाईवे पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आकर भी तेंदुआ की मौत हो चुकी है। अगस्त में अमरोहा में ट्रेन की चपेट में आकर भी तेंदुआ की मौत हुई थी। जबकि नौगावां सादात, मंडी धनौरा में भी तेंदुआ के शव मिल चुके हैं। प्रभागीय वनाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। सोमवार रात रेलवे लाइन पार करते समय किसी ट्रेन की चपेट के आकर उसकी मौत हुई है।

ओवरलोड डंपर की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : नजीबाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब ग्राम वीरू वाला में संचालित खनन पट्टे से खनन सामग्री लेकर आ रहा एक ओवरलोड डंपर जसवंतपुर उर्फ लुकादड़ी गांव के सामने सड़क किनारे खड़ी खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। मृतक की पहचान ग्राम शादीपुर निवासी युवक के रूप में हुई है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है। नजीबाबाद के एसडीएम शैलेंद्र कुमार और पुलिस क्षेत्राधिकारी नितेश प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। लोगों ने खनन क्षेत्रों से निकलने वाले ओवरलोड और तेज रफ्तार डंपरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

6 से होंगी स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर की मुख्य और बैक परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। अब परीक्षा 6 जनवरी से शुरू होंगी। पहले परीक्षा 2 से शुरू होनी थीं लेकिन काफी संख्या में छात्रों के फार्म भरने और शीतकालीन अवकाश के तुरंत बाद परीक्षा होने की वजह से बदलाव किया गया है।

नाला टेढ़ा बनने पर डीएम ने फटकारा

50-60 मीटर निर्माण कार्य रोका, रैन बसेरों सहित कई निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

ऑक्सी वन को लेकर निर्देश देतीं डीएम, साथ में ईओ डॉ बृजेश कुमार सिंह।

नाले का निरीक्षण करतीं डीएम निधि गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- नंदनभवन, ऑक्सी वन का निरीक्षण कर आम का पौधा लगाया

अमृत विचार: डीएम निधि गुप्ता ने जोया रोड पर कई करोड़ की लागत से बन रहे नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना मानकों व नाला टेढ़ा बनने पर डीएम ने ठेकेदार और पीडब्लयूडी अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंनें 50-60 मीटर नाला निर्माण पर रोक लगा दी है। साथ ही डीएम ने रैन बसेरे, नई तहसील परिसर सहित कई निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

मंगलवार को डीएम निधि गुप्ता वत्स ने नगर पालिका द्वारा सुबोध नगर में बनाए गए रैन बसेरे का निरीक्षण का किया।डीएम ने पीने योग्य पानी की व्यवस्था, महिला कक्ष आदि सहित रैन बसेरे में रुकने वाले व्यक्तियों के रजिस्टर चेक किया। उन्होंने रैन बसेरे रुकने के उपरांत जब वे जायें तब उनकी जाने की भी एंट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी असुविधा के लिए नंबर दीवार पर लिखने को कहा। अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि रैन बसेरे का नंबर पास की पुलिस चौकी पर अवश्य दें दे ताकि विषम परिस्थितियों में सहायता मिल सके। इसके बाद रेलवे क्रॉसिंग पर बने फ्लाई ओवर के नीचे स्ट्रीट वेंडिंग जोन के अंतर्गत बनाई जाने वाली दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जब दुकान बनाई जाए तब एक साइड किराना, फल आदि की दुकान हो और दूसरी साइड खाने-पीने वाली दुकान हों। उन्होंने कहा कि सेफ्टी का विशेष ध्यान दिया जाए दुकानों के पास शौचालय महिला और पुरुष की अलग-अलग व्यवस्था हो।

उन्होंने 26 जनवरी, 2026 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उसके बाद वार्ड नंबर-10 मोहल्ला गुलड़िया में नंदनभवन, ऑक्सी वन का निरीक्षण किया और वहां आम का वृक्ष भी लगाया। उन्होंने कहा कि इससे एक बड़े प्रोजेक्ट के तौर पर डेवलप किया जाए ताकि लोग भ्रमण के लिए आए उनके लिए शुद्ध हवा प्राप्त हो सके। नई तहसील परिसर भवन के निकट तीन मंजिला कांपलेक्स बनाए जाने वाली भूमि का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद मोहम्मदपुर में उपवन योजना के अंतर्गत थीम बेस गार्डन बनाए को लेकर प्रस्तावित जमीन का निरीक्षण किया। इसके बाद डीएम निधि गुप्ता ने जोया-अमरोहा रोड पर बनाए जा रहे नाले का निरीक्षण किया। अमरोहा ग्रीन के निकट नाला टेढ़ा बनने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 50 से 60 मीटर तक का कार्य रोकने के निर्देश दिए। कहा कि मानकों के आधार पर सही तरीके से नाले का निर्माण कराया जाए। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा बृजेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी शैलेंद्र शर्मा आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीजे पर डांस को लेकर मारपीट में एक घायल

हसनपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव में देर शाम कुआं पूजन समारोह के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब डीजे पर डांस करने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट शुरू हो गई। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

गांव हथियाखेड़ा निवासी लखपत का पुत्र मोनू सोमवार शाम को गांव में ही एक कुआं पूजन समारोह में शामिल होने गया था। वहां डीजे पर गाने बज रहे थे और युवक डांस कर रहे थे। बताया जाता है कि डांस के दौरान धक्का लगने को लेकर मोनू की दूसरे युवक से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी युवक ने अपने हाथ में पहने लोहे के कड़े से मोनू के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। अचानक हुई इस घटना से समारोह में भगदड़ मच गई। शोर सुनकर पहुंचे बुजुर्गों और अन्य ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। घायल मोनू को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त होती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन थिएटरों पर कार्रवाई, किया सील

ऑपरेशन थिएटर पर सील लगाते चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, मंडी धनौरा

- चिकित्सा अधीक्षक ने कई अस्पतालों पर कसा शिकंजा

अमृत विचार : 26 दिसंबर को गांव नवाबपुर भूड़ स्थित माधव नर्सिंग होम में प्रसूता प्रियंका की मौत के बाद क्षेत्र में चल रहे अवैध नर्सिंग होम के संचालन पर सवाल खड़े हुए। तब जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तत्काल अवैध अस्पतालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंगलवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ राहुल कुमार ने स्वास्थ्य विभाग व पुलिस टीम के साथ आधा दर्जन अस्पतालों में अवैध रूप से संचालित हो रहे ऑपरेशन थिएटर पर सील लगा दी। उन्होंने चेतावनी दी है कि अवैध अस्पतालों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राहुल कुमार नेबताया कि नगर में अवैध रूप से संचालित हो रहे मुस्कान नर्सिंग होम, बिजनौर नर्सिंग होम, ग्रीन नर्सिंग होम, श्री श्याम नर्सिंग होम व धनवंतरी नर्सिंग होम सहित करीब आधा दर्जन अस्पतालों में संचालित हो रहे ऑपरेशन थिएटर को सील करने की कार्यवाही की गई है। उनका कहना है कि अन्य संचालित अस्पतालों को भी नोटिस जारी कर दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

आंबेडकर पार्क बना अवैध पार्किंग स्थल, लोग परेशान

आंबेडकर पार्क के निकट खड़ी गाड़ियां। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : नगर के आंबेडकर पार्क पूरी तरीके से अवैध पार्किंग स्थल में बदल गया है। जिससे नगर वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वही जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरीके से शांत बैठे हैं।

नगर का सबसे व्यस्ततम स्थान अंबेडकर पार्क है क्योंकि आंबेडकर पार्क के निकट हुई बैंक की कई शाखाएं एवं बिजली घर स्थित है। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते अंबेडकर पार्क के चारों तरफ अवैध पार्किंग हो रही है जिससे नगर वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में पुलिस क्षेत्राधिकार पंकज त्यागी के द्वारा अंबेडकर पार्क पर गाड़ी खरीदना प्रतिबंधित कर दिया था जिसके चलते एक-दो दिन नगर वासियों को राहत तो मिली लेकिन फिर अंबेडकर पार्क पर गाड़ियां खड़ी होने लगी। कुछ व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी द्वारा अंबेडकर पार्क पर अवैध रूप से खड़ी हो रही गाड़ियों पर रोक लगाने की मांग की।

2 महीने बाद भी साइबर ठगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं

हसनपुर, अमृत विचार: थाना सैदनगली के गांव झुंडी माफी निवासी सतीश चंद्र पुत्र भवानी सिंह का खाता हसनपुर में एक बैंक शाखा में है।

सतीश ने 6 अक्टूबर को बैंक के दो कर्मचारियों से फोन में नेट बैंकिंग चालू कराई थी। बैंक कर्मचारियों ने उसका डेबिट कार्ड एवं पिन नंबर भी मालूम किया था। इसके बाद पीड़ित के मोबाइल में नेट बैंकिंग चालू कर दी गई। 8 अक्टूबर की रात को सतीश के खाते से 78400 रुपए पेज ऐप के माध्यम से कट गए। इसके बाद सतीश ने कोतवाली पहुंचकर दोनों बैंक कर्मचारियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। लेकिन लगभग दो महीने बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। वह कोतवाली के चक्कर काट रहा है।

कर्बला तालाब की भूमि की पैमाइश, पुलिस मौजूद

- राजस्व टीम को प्लॉट मालिकों का झेलना पड़ा विरोध

संवाददाता, हसनपुर

पैमाइश के दौरान नक्शा देखते राजस्व कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उच्च अधिकारियों के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम के द्वारा कर्बला तालाब की भूमि की पैमाइश कर भूमि को चिन्हित किया गया। पैमाइश के दौरान टीम को पड़ोसी प्लॉट स्वामियों का विरोध भी झेलना पड़ा। वही पैमाइश के दौरान भारी पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

जिला अधिकारी के निर्देश पर उप जिला अधिकारी हिमांशु उपाध्याय के द्वारा गठित राजस्व विभाग की टीम मंगलवार की दोपहर नगर के गजरौला मार्ग पर स्थित तालाब की भूमि की पैमाइश करने पहुंची। भूमि चिन्हित कर निशान लगाने के लिए जेसीबी मशीन भी ले जाई गई। तालाब की भूमि की पैमाइश की सूचना मिलते ही पड़ोसी प्लॉट स्वामियों में हड़कंप मच गया और वे भी एकत्र होने लगे। राजस्व टीम को प्लॉट स्वामियों का विरोध भी झेलना पड़ा। कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। काफी देर हंगामा होने के बाद टीम द्वारा तालाब की भूमि की पैमाइश कर चिन्हित किया गया। पैमाइश करने वाली टीम में कानूनगो अरविंद शर्मा, लोकेंद्र पाल सिंह, ओंकार सिंह, लेखपाल दीपक चौधरी, मनोज कुमार, सतीश चंद्र सम्मिलित रहे। अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह के नेतृत्व में पालिका का स्टाफ भी मौके पर मौजूद रहा। वही प्लॉट स्वामी फुरकान उर्फ बोगा ने बताया कि राजनीतिक दबाव के चलते राजस्व टीम के द्वारा मार्ग को बंद किया गया है, जबकि हमारे पास न्यायालय का आदेश है। कानूनगो लोकेंद्र पाल सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम के द्वारा तालाब की भूमि की पैमाइश कर चिन्हित किया गया है।

3 वर्ष पूर्व भी हो चुकी पैमाइश

लगभग 3 वर्ष पूर्व एक बाग स्वामी की शिकायत पर राजस्व विभाग द्वारा तालाब की भूमि की पैमाइश की जा चुकी है, जब पैमाइश लगभग चार पांच दिन लगातार चली थी, पैमाइश के बाद राजस्व टीम के द्वारा निशान लगाए गए थे।

प्लाटिंग करने वालों में मचा हड़कंप

राजस्व विभाग की टीम के द्वारा तालाब की भूमि की पैमाइश करने से प्लाटिंग माफियाओं में हड़कंप मच गया, क्योंकि तालाब के चारों ओर आम के हरे पेड़ों को काटकर प्लाटिंग की जा रही है। उन्हें डर यह है की कहीं तलाक की भूमि की पैमाइश के दौरान बाबा का बुलडोजर उनकी प्लाटिंग की तरफ अपना रुख न कर दे।

सिटी डायरी

अधिशासी अधिकारी ने किया कान्हा गौशाला का निरीक्षण

हसनपुर, अमृत विचार : अधिशासी अधिकारी विजयपाल ने कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा और स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की बात कहते हुए गोपूजन किया और गोवंशों को गुड़ खिलाया। हसनपुर नगर पालिका द्वारा संचालित कान्हा गौशाला का मंगलवार को अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी ने गोवंशों को ठंड से बचाव के लिए विशेष नजर दस्तावेजों के साथ ही सफाई व्यवस्था के प्रबंधन को देखा। अधिशासी अधिकारी द्वारा कान्हा गौशाला के केयर टेकर को निर्देश दिए कि छोटे-छोटे गोवंश है उन पर विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। इसी के साथ उन्होंने गौशाला की अन्य जानकारी भी ली, निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी के द्वारा गौशाला में साफ सफाई एवं पानी की व्यवस्था की अच्छी व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। गौशाला एवं पालिका का स्टाफ मौजूद रहा।

गन्ने के खेत के पास मिला होमगार्ड का शव

अमरोहा, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में होमगार्ड का शव हाईवे किनारे ईख के खेत के पास पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त की। वह घर से रजबपुर स्थित बैंक में डयूटी करने के लिए घर से निकला था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव हसनपुर कला के निवासी महावीर सिंह होमगार्ड थे। मंगलवार की सुबह वह रजबपुर स्थित प्रथमा बैंक में डयूटी करके लिए घर से निकले थे। उनका शव बुढ़नपुर से जीवाई वाले रास्ते पर हाईवे किनारे ईख के खेत के पास मिला। महावीर सिंह दो महीने बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी प्रेमवती और एक पुत्र धर्मेंद्र सिंह हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव की शिनाख्त की। शव देखकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। मृतक के बेटे धर्मेंद्र ने पुलिस से पोस्टमॉर्टम के रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया होमगार्ड की मौत ठंड व हार्ट अटैक से बताई जा रही है।

धर्म रक्षा दिवस कार्यक्रम का आयोजन

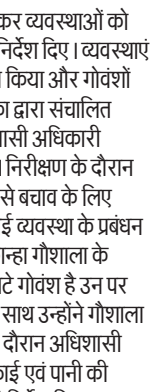

हसनपुर, अमृत विचार : नगर में मंगलवार को आर्य समाज मंदिर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा धर्म रक्षा दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। विहिप के जिला मंत्री विपिन शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष 21 से 31 दिसंबर तक धर्म रक्षा दिवस के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में धर्म के प्रति जागरूकता लाना और गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को नमन करना है। वक्ताओं ने शुद्धि आंदोलन के जनक स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान को याद किया। उन्हें एक शिक्षाविद और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्वामी जी ने वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार और राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए अपना जीवन समर्पित किया था। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विमल अग्रवाल, महिपाल सिंह, मोहित अग्रवाल, राहुल हिंदुस्तानी, अमित शर्मा, कविता सैनी, जगपाल मौर्य, दिनेश अग्रवाल, विश्व पति सक्सेना, अतुल शर्मा, विजय पारछा, अरुण त्यागी, मनोज गोयल, संदीप गुप्ता, विपिन गोयल व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छात्राओं को योजनाओं के बारे में किया जागरूक

हसनपुर, अमृत विचार : क्षेत्र में मंगलवार को मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत, महिला थाना हसनपुर द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेहा नेहरा, रामदेव और दिल शेर जहान सहित मिशन शक्ति सुरक्षा दल के सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया। उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। इनमें वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभिउदय योजना और निराश्रित महिला पेंशन योजना शामिल थीं। सुरक्षा दल ने सभी महिलाओं को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने और जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराना और उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर सशक्त बनाना है।

महिला समूहों को दी गई योजनाओं की जानकारी

संवाददाता, रहरा

महिलाओं द्वारा बनाई गई 2026 की मानव श्रृंखला।

अमृत विचार: मंगलवार को सेंट एंथोनी स्कूल रहरई में ग्रामीण मानव विकास समिति की एक बैठक हुई। बैठक में 10 गांवों की लगभग ढाई सौ महिलाओं ने भाग लिया।

भारतीय महिला समूह रहरई की अध्यक्षा प्रीति देवी ने पिछले 10 वर्षों में संस्था द्वारा किए जा रहे ग्रामीण विकास की योजनाओं के बारे में बताया। संस्था के सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा गांवों के प्रत्येक परिवार को सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ लेने के बारे में जागरूक किया गया। गरीब परिवार के बच्चों का आरटीई के माध्यम से प्राइवेट स्कूलों में दाखिला लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। फूला देवी व उनके साथ आई महिलाओं ने नृत्यगान किया। नृत्यगान कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाली महिलाओं को संस्था की तरफ से पुरस्कृत किया गया। समूह की महिलाओं ने मानव श्रृंखला द्वारा 2026 बनाकर स्वागत किया। मीनाक्षी, रेखा देवी, मुन्नी, सलमा, सुषमा, सविता, गुंजन, पुष्पा प्रीति, आशा व चंद्रा आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

कार्यस्थल पर न हो महिलाओं का उत्पीड़न

संवाददाता, गजरौला

कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

- लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार: श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम की सर्टिफाईड ट्रेनर प्रियंका गर्ग एवं साईमा अनवर ने स्टॉफ एवं प्रबंधन के सदस्यों को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने के तरीकों के बारे में बताया।

कार्यशाला का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ.राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव प्रो. पीयूष कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुरेश मेहता आदि ने किया। प्रियंका गर्ग ने कहा कि भारत सरकार ने कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक सख्त कानून प्रीवेंशन आफ सेक्सुअल हासमेंट एक्ट बनाया है। कार्यस्थल पर सम्मानजनक एवं सुरक्षित वातावरण न होने एवं लैंगिक उत्पीड़न पर कठोर दण्ड का प्रावधान है। यह तभी प्रभावी होगा जब उत्पीड़न होने पर महिलाएं निडर होकर शिकायत करें। यह भी ध्यान रखें कि किसी द्वेष या अन्य कारणों से किसी निर्दोष पर कार्यवाही के लिए झूठी शिकायत न करें अन्यथा उसके खिलाफ भी कानून का दुरुपयोग करने के लिए कार्यवाही हो सकती है। डॉ. राजेश बंसल, डॉ. नजमल हुदा, डॉ. रिहाना हुदा, डॉ.बीएस त्यागी, डॉ.सुप्रीति भटनागर, एचआर हेड कुलदीप सिंह, प्रशान्त, डॉ. शिल्पा रैना आदि लोग उपस्थित रहे।

शायरों के अशआर पर गूंजी वाह-वाह

संवाददाता सैदनगली

- बाबा बंदगी शाह की मजार पर ऑल इंडिया मुशायरे का आयोजन
- कई शहरों से आए शायरों ने किया श्रोताओं को मुग्ध

कार्यक्रम में अशआर पढ़ती शायरा।

अमृत विचार: गांव ढक्का में बाबा बंदगी शाह की मजार पर ऑल इंडिया मुशायरे का भव्य आयोजन किया गया। विभिन्न शहरों से आए शायरों ने अपने दिलकश अशआर से महफिल को यादगार बना दिया। देर रात तक शायरी का सिलसिला चला और हर शेर पर श्रोताओं की ओर से ज़ोरदार तालियों और "वाह-वाह" की गूंज सुनाई देती रही।

सोमवार की रात कार्यक्रम की शुरुआत शमा रोशन कर एडवोकेट विशाल चौधरी ने की। मुशायरे की सदारत प्रसिद्ध शायर चमन हैदर बकरी ने की। जबकि मुख्य अतिथि ऑल इंडिया कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी सैयद अदनान अशरफ रहे। अल्ताफ जिया ने कहा आना तो था मुझे मगर आना नहीं हुआ, ये तो जनाब कोई बहाना नहीं हुआ। असद अशरफ के शेअर पर खास तालियां बजीं- हमने चाहा न मोहब्बत का तमाशा वरना, तू सरे बज़्म नहीं शहर में रुसवा होता। सामाजिक सरोकारों को उजागर करते हुए खुर्शीद हैदर ने पढ़ा- अपने हिंदुस्तान को देखो शहरों के बाजारों में, भूखे बच्चे पत्ते चाटें, कुत्ते घूमें कारों में। इकरा नूर की ग़जल ने श्रोताओं को भावुक कर दिया, तेरे बगैर ये हालत है क्या किया जाए, बुझी-बुझी सी तबीयत है क्या किया जाए। डॉ. फैसल ने कहा, छोड़ा है जबसे तूने फैसल को ऐ सनम, अब वो मज़ा कहां है भला उस बहार में। वकार फ़राज़ी ने मोहब्बत और वफ़ा का पैग़ाम दिया।

कब कहाँ दर्द-ए-दिल की दवा चाहिए, आपसे सिर्फ मुझको वफ़ा चाहिए। वहीं देशप्रेम से ओत-प्रोत शेर जमाल हसनपुरी ने पेश किया, ना बांग्लादेश रखते हैं ना पाकिस्तान रखते हैं, हम अपने दिल में बस नक्शा-ए-हिंदुस्तान रखते हैं। कार्यक्रम का समापन अमन-चैन और भाईचारे की दुआ के साथ हुआ।

भाकियू शंकर की बैठक में उठाईं किसानों की समस्याएं

रहरा, अमृत विचार: गंगेश्वरी ब्लाक परिसर में भाकियू शंकर की मासिक बैठक में जिला उपाध्यक्ष धनेश ठाकुर ने कहा कि अमरोहा को विकास प्राधिकरण का दर्जा देते हुए गजरौला में जल्द से जल्द एक ट्रामा सेंटर की शुरुआत होनी चाहिए। ब्लाक अध्यक्ष डॉ योगेंद्र कुमार ने कहा कि क्षेत्र में गौशालाएं महज शोपीस बनकर रह गई हैं। कहा कि ग्राम पंचायत दौरारा में हर घर जल, हर घर नल योजना के अंतर्गत पानी की टंकी क्षतिग्रस्त है। ब्लाक उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायत मुबारिजपुर के मजरा हाजीपुर खादर में गांव का मुख्य मार्ग जर्जर है। कमल सिंह ठाकुर, ओमवीर सिंह यादव, राकेश कुमार, सुभाष त्यागी, बालकिशन सिंह, कलुआ सिंह, रूप किशोर सिंह, धनपत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

कार्यालय सहायक निबन्धक फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स मुरादाबाद

संख्या 2041/एम0बी0डी0- 14490 मुरा0- दिनांक 12.11.2025

सेवा में, 01 श्री देवेन्द्र कुमार जोशी पुत्र श्री बांकेलाल जोशी, 02. श्री विकास कुमार पुत्र श्री जयप्रकाश दत्ता, 03. श्री नरेश कुमार पुत्र श्री रामभरोस लाल, 04. श्री भगवत शरन पुत्र श्री रामदास, 06. श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री जयप्रकाश, निवासीगण मौ0 कायस्थान हसनपुर जिला अमरोहा। 06. श्री राजकुमार पुत्र श्री रामभरोस लाल, निवासी मौ0 अचार्जन, जिला अमरोहा। 07. श्री सुरेश चन्द भंडारी पुत्र श्री द्वारका प्रसाद निवासी मथुरा, उ0प्र0। 08. श्री महेश चन्द्र जोशी पुत्र श्री हजारीलाल, निवासी चौ0 मुन्डा रोड हसनपुर, जिला अमरोहा।

विषय :- संस्था श्री शिव मानव सेवा समिति, मौ0 कायस्थान पो0 हसनपुर जिला अमरोहा के संबंध में।

महोदय, उपयुक्त विषयक संस्था का आनलाईन नवीनीकरण की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु श्री संजय जोशी स्वयं को उक्त संस्था का उपाध्यक्ष दर्शाति हुये प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्रस्तुत प्रबन्धसमिति की सूची वर्ष 2025-2026 में आपको चयनित नहीं दर्शाया गया है। अतः उपरोक्त के सम्बन्ध मे अपनी आपत्ति / अनापत्ति फोटोयुक्त नोटरी शपथ पत्र के माध्यम से पत्र जारी होने की तिथि से दो सप्ताह के भीतर कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। भवदीय (आनन्द विक्रम सिंह) सहायक रजिस्ट्रार

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

कब्रिस्तान की 1200 से 1500 वर्ग मीटर भूमि पर कब्जा

समिति करेगी कब्जेदारों के दस्तावेजों की जांच, एसपी ने कहा फर्जी दस्तावेज पेश किए गए तो मुकदमा दर्ज कर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की पैमाइश के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। राजस्व विभाग की पैमाइश के उपरांत एक जांच समिति का गठन किया गया है, जो सात दिनों के भीतर दुकानों और मकानों के स्वामियों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच कर रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी।

- **डीएम बोले- अवैध कब्जा जहां भी मिलेगा, हटाया जाएगा**

प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जहां भी अवैध कब्जा पाया जाएगा, वहां धारा 67 के तहत कार्रवाई करते हुए कब्जा हटाया जाएगा।

जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत प्राप्त होने के बाद पैमाइश के लिए टीम गठित की गई थी। गाटा संख्या 32/2 में दर्ज 4780 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले कब्रिस्तान की पैमाइश के दौरान 1200 से 1500 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं मौके पर मौजूद रहकर पूरी कार्रवाई की मॉनिटरिंग करते रहे और पैमाइश शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। आगे की कार्रवाई तहसीलदार न्यायालय में नियमानुसार की जाएगी। डीएम ने दो टूक कहा कि अवैध कब्जा जहां भी मिलेगा, हटाया जाएगा। प्रशासन किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेगा।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि पैमाइश के दौरान मुरादाबाद रेंज और बरेली जोन से पुलिस फोर्स की तैनाती की गई थी। कहा कि दुकानों और मकानों के स्वामियों द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी। दस्तावेज फर्जी पाए गए तो अभियोग पंजीकृत किया जाएगा। प्रशासन के रुख को देखकर कब्रिस्तान की जमीन पर दुकान व मकान बनाने वालों में हड़कंप मचा है।

डाकखाना रोड पर बनी इन्हीं दुकानों के अवैध निर्माण की बात कही गई है।

संभल में जामा मस्जिद से सटी कब्रिस्तान की भूमि। ● अमृत विचार

कब्रिस्तान की भूमि की पैमाइश के दौरान मुस्तैद महिला पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

दुकानदारों का दावा: वर्षों से दे रहे हाउस टैक्स व वाटर टैक्स, कब्जे का आरोप निराधार

पैमाइश के समय जब एक दुकान की नपाई की गई तो दुकानदार साजिद हुसैन ने अधिकारियों से कहा कि अवैध कब्जे के आरोप गलत हैं। वे वर्षों से हाउस टैक्स और वाटर टैक्स नियमित रूप से जमा कर रहे हैं। उनके पास सभी टैक्स की रसीद और संबंधित दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा कि करीब 35 साल तक वह इस स्थान पर किराए पर रहे, इसके बाद उन्होंने यह जगह खरीदी थी। दुकानदारों ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन के आदेश का पूरा पालन कर रहे हैं और पैमाइश में पूरा सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कब्रिस्तान इस स्थान पर नहीं है, बल्कि पिछले रोड की ओर है। ऐसे में कब्जे का आरोप निराधार है। दुकानदारों का कहना है कि वे अपने दस्तावेज जांच समिति के सामने प्रस्तुत करेंगे और जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

शिकायतकर्ता ने निष्पक्ष कार्रवाई की जताई उम्मीद

विवादित धार्मिक स्थल जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि की पैमाइश के बाद शिकायतकर्ता श्री कल्कि सेना के राष्ट्रीय संयोजक एडवोकेट सुभाष चंद्र त्यागी ने कहा है कि उन्हें इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद है। कहा कि 1989 से पहले इस भूमि पर केवल एक मकान बना था, लेकिन 1989 में मुलायम सिंह यादव की सरकार आने के बाद अवैध निर्माण शुरू हो गया। पहले अस्थायी और फिर स्थायी रूप से तीन- चार मंजिला मकान और दुकानें बना दी गईं। इन मकानों और दुकानों के नक्शे किस आधार पर पास हुए, यह भी स्पष्ट नहीं है, जबकि संबंधित भूमि कब्रिस्तान के नाम पर दर्ज है। यह भी जांच का विषय है कि इन निर्माणकर्ताओं को बैनामे किसके द्वारा किए गए।

सरकारी जमीन पर बनी अवैध मस्जिद होगी ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता,संभल

- **3 जनवरी को होगी कार्रवाई, लेखपालों की टीम गठित**

अमृत विचार: सरकारी भूमि पर बनाई गई मस्जिद को प्रशासन ध्वस्त कराएगा। इसके लिए लेखपालों की टीम गठित कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान पर्याप्त पुलिस बल के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दो नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ मौके पर मौजूद रहने को कहा गया है।

ऐंचोड़ा कंबोह के गांव सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर में गाटा संख्या 641 की नवीन पर्ती श्रेणी की 439 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर मदीना मस्जिद का निर्माण किया गया है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उक्त अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई 3 जनवरी को की जाएगी। यह प्रकरण कुल 0.212 हेक्टेयर सरकारी भूमि से संबंधित है। उन्होंने बताया कि इस मामले में हाजी शमीम के खिलाफ बेदखली के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। साथ ही सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने के आरोप में 8.78 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

28 दिसंबर को नायब तहसीलदार बबलू कुमार, अरविंद कुमार सिंह और दीपक कुमार जुरैल के नेतृत्व में लेखपालों की टीम का गठन किया गया था। तहसीलदार ने बताया कि लेखपाल की ओर से रिपोर्ट दी गई थी, जिसमें हाजी शमीम द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर मस्जिद का पक्का निर्माण किए जाने की पुष्टि की गई थी। इसी आख्या के आधार पर तहसीलदार न्यायालय में विधिवत सुनवाई की गई। ग्राम सभा बनाम हाजी शमीम मुतव्वली के नाम से दर्ज इस मामले में तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लिया गया। उधर, संभल के एसडीएम रामानुज ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार जारी है। अवैध कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची को लेकर एसडीएम के सामने चलीं कुर्सियां, कई घायल

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

- **अधिकारियों ने कमरे में छिपकर खुद को बचाया**
- **पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया**

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के गांव बिलालपत में मतदाता सूची से जुड़े दावे-आपत्तियों के निस्तारण के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। एसडीएम व तहसीलदार की मौजूदगी में कहासुनी ने देखते ही देखते मारपीट का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच कुर्सियां चल गईं, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। लेखपाल गुन्नू बाबू को लापरवाही का दोषी मान हटा दिया गया है। एसडीएम संभल रामानुज ने लेखपाल को हटाने की पुष्टि की है

गांव बिलालपत के ग्राम प्रधान पति मोहम्मद कमर ने फर्जी वोटों को लेकर दावे-आपत्तियां एकत्र कर जिलाधिकारी से शिकायत की थी। जिलाधिकारी राजेंद्र पैसिया ने जांच समिति गठित की थी। समिति में डिप्टी कलेक्टर मुख्यालय नीतू रानी और नायब तहसीलदार दीपक जुरैल को नामित किया गया था। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे जांच समिति पंचायत सचिवालय पहुंची और दावे-आपत्तियों का निस्तारण शुरू कराया गया। इसी दौरान प्रधान पक्ष से मोहम्मद कमर और प्रधान पद के प्रत्याशी आबिद पक्ष के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। कुर्सियां चलने से पंचायत सचिवालय में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में एक पक्ष से मोहम्मद कमर, जफरुल और रफादिल, जबकि दूसरे पक्ष से आबिद, माजिद और बाबू उर्फ शानू घायल हो गए। अधिकारी कमरों में घुस गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले जिलाधिकारी राजेंद्र पैसिया स्वयं बिलालपत गांव पहुंचे थे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का निरीक्षण किया था। उस दौरान मोहम्मद कमर और मोहम्मद फारूक ने आरोप लगाया था कि गांव में फर्जी तरीके से बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र बनवाए गए हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व, कृतित्व को किया याद

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार: पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती के अवसर पर बुधवार को अटल स्मृति सम्मेलन एवं भाजपा संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और देश के लिए उनके योगदान को याद किया गया।

पूर्व विधान परिषद सदस्य चंद्रपाल सिंह उर्फ पप्पू चौधरी ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयीके प्रधानमंत्री कार्यकाल में देश ने अभूतपूर्व विकास कार्य देखे। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, पोखरण परमाणु परीक्षण जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई। पूर्व विधान परिषद सदस्य परमेश्वर लाल सैनी ने मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान में जुटे सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे प्रत्येक युवा का फार्म-6 भरवाकर नया वोट बनवाना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर खड़गवंशी ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेई न केवल कुशल राजनेता थे, बल्कि एक संवेदनशील कवि भी थे। उनके अधूरे सपनों को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामपाल सिंह ने जबकि संचालन मनोज कठेरिया ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह। ● अमृत विचार

- **अटल स्मृति सम्मेलन व भाजपा संगठनात्मक बैठक आयोजित**
- **अटल बिहारी राजनेता ही नहीं संवेदनशील कवि भी थे: ओमवीर**

कविताओं के माध्यम से दी अटल बिहारी को श्रद्धांजलि

संभल, अमृत विचार: भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी विधानसभा असमोली की ओर से कुरकावली में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में कवियों ने कविताओं के माध्यम से अटल जी के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि भीष्म कुमार शर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी विचार, व्यवहार और कर्तव्य में अद्वितीय थे। कवि सम्मेलन में मुरादाबाद के ओज कवि ईशांत शर्मा 'ईशू' ने पढ़ा- कर्मयोगी आदर्श अटल, युग के वे निर्माता थे,आत्मविश्वास के गौरव थे वे भारत के भाग्य विधाता थे। एडवोकेट आवरण अग्रवाल 'श्रेष्ठ' ने कहा- विश्व पटल पर मां हिन्दी का मान अटल,जीते जी देश प्रेम की मिसाल अटल। कवि अतुल कुमार शर्मा ने सुनाया-शब्दों के पुरोधा तुमको, करते हम शत-शत नमन,वाणी-बुद्धि के साधक तुमसे, था गुलजार यह चमन। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र चौधरी ने कहा कि अटल जी द्वारा शुरू की गई योजनाएं आज भी देश की दिशा और दशा बदलने में अहम भूमिका निभा रही हैं। जयप्रकाश प्रजापति, योगेंद्र त्यागी, अवधेश प्रताप सिंह राघव, विपिन राघव, मंडल अध्यक्ष रोहित पवार, रोबिन चौधरी, अशोक वाजवा, जुगल किशोर यादव, पंकज गुप्ता, सोनू चाहल, अखिलेश अग्रवाल, अनुपम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता चौधरी महीपाल सिंह ने संचालन हरिओम शर्मा ने किया।

भीष्म शर्मा को सम्मानित करते जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

बबराला, अमृत विचार: गुन्नौर कस्बा क्षेत्र में मेरठ–बदायूं स्टेट हाईवे पर मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। भीषण टक्कर में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही थाना गुन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को पुलिस वाहन से गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल दिलीप पुत्र रणविजय, निवासी असदपुर, थाना जुनावई को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बाइक पर दिलीप के साथ गौरव और अर्जुन भी सवार थे। दोनों को भी चोटें आईं, जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया।

व्यापारियों से संवाद करेंगे जीएसटी अधिकारी

संवाददाता,संभल

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की गोविंद गर्ग के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में जीएसटी से संबंधित समस्याओं और विभागीय प्रक्रियाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संचालन अरविंद कुमार गुप्ता ने किया।

बैठक में जीएसटी डिप्टी कमिश्नर बब्बू यादव और धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 6000 पंजीकृत व्यापारियों में से 600 से अधिक द्वारा शून्य बिक्री की रिटर्न दाखिल की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से संबंधित व्यापारियों से संवाद किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संवाद को सर्वे न माना जाए और न ही व्यापारी किसी प्रकार से परेशान हों। व्यापारियों के प्रतिनिधि भी इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करेंगे। डिप्टी कमिश्नर ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में वास्तविकता से कम बिक्री दर्शाई जा रही है, जिसे लेकर विभाग ने व्यापारियों से सचेत रहने की अपील की है। इस संबंध में आवश्यक होने पर नोटिस भी जारी किए जा सकते हैं। वहीं व्यापारियों ने यह मुद्दा भी उठाया कि अपील के नाम पर अधिक शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे व्यापारियों का शोषण हो रहा है। बैठक में जीएसटी से जुड़ी व्यवहारिक समस्याओं और समाधान पर चर्चा की। विनय सराफ, मुकेश वार्ष्णेय, मनोज वार्ष्णेय, आमोद वार्ष्णेय, कपिल वार्ष्णेय, युवराज, अमित मित्तल, अजय अग्रवाल, सुनील कुमार, प्रदीप विसारिया, अमित अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद, सुविज्ञ अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, रजनीश जोली, नेत्रपाल सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में व्यापारियों और जीएसटी अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जा सके।

चंदौसी में व्यापारियों के साथ बैठक करते डिप्टी कमिश्नर जीएसटी बब्बू यादव। ● अमृत विचार

- **उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में जीएसटी से जुड़े मुद्दों पर मंथन**

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

बहजोई, अमृत विचार: एंबुलेंस से टकराकर बादक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बहजोई के गांव केशोपुर रसेटा निवासी मनोज बहजोई में काम निपटाकर बाइक पर सवार होकर घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह बहजोई रायपुर कला मार्ग पर पहुंचा तो रायपुर की तरफ से आ रही एंबुलेंस से उसकी बाइक जा टकराई। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। उसे बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले आई। जहां पर घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया।

संभल के सजल सिंह बने असिस्टेंट कमिश्नर

सजल सिंह को मिठाई खिलाकर खुशी मनाते परिजन। ● अमृत विचार

संभल/मनोटा, अमृत विचार: सैदपुर गंगू निवासी सजल सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 103 प्राप्त की है। सजल ने यह उपलब्धि अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर असिस्टेंट कमिश्नर के प्रतिष्ठित पद पर चयन सुनिश्चित किया है।

सजल सिंह किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले रंजीत सिंह के पुत्र हैं। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन से सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक को सफलता पूर्वक पार किया। इस वर्ष यूपीएससी के तहत कुल 306 पदों पर चयन होना था, जिनमें जनरल कैटेगरी के लिए मात्र 28 सीटें निर्धारित थीं। सजल की सफलता की खबर गांव सैदपुर गंगू पहुंची, पूरे परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी भंग

बहजोई, अमृत विचार: जिला कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है। एल्डर कमेटी की बैठक में सर्वसम्मति से बैठक में बार एसोसिएशन की वर्तमान परिस्थितियों और संगठनात्मक स्थिति पर विस्तार से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि अधिवक्ताओं के हित में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से फिर से चुनाव कराना आवश्यक है।

एल्डर कमेटी द्वारा मुहम्मद इमरान मसूदी एडवोकेट को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। जबकि पूनम सिंह एडवोकेट और आशीष शर्मा एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एल्डर कमेटी ने यह भी स्पष्ट किया कि बार एसोसिएशन के चुनाव से संबंधित अधिसूचना शीघ्र जारी की जाएगी। ताकि चुनाव प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सके और नई कार्यकारिणी का गठन किया जा सके। इसको लेकर भी निर्णय लिए गए हैं जिससे संगठन को मजबूती मिले और अधिवक्ताओं के हित को लेकर नई कार्यकारिणी गठन हो सके। बैठक में एल्डर कमेटी के अध्यक्ष और संरक्षक अर्जुन सिंह एडवोकेट के साथ ही हितेश कुमार गुप्ता एडवोकेट, इमरान मसूदी एडवोकेट, अमरीख यादव और पूनम सिंह एडवोकेट की उपस्थिति रही।

- **नई कार्यकारिणी को लेकर की गई चर्चा**

साइकिल और बाइक की टक्कर में 3 ग्रामीण घायल

बहजोई, अमृत विचार: बाइक और साइकिल की टक्कर में दोनों वाहनों पर सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत गंभीर देख रेफर कर दिया गया।

बहजोई के गांव चितनपुर निवासी अजमल साइकिल से घर जा रहा था। बहजोई इस्लामनगर मार्ग स्थित अनाज मंडी तिराहे पर बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे अजमत गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। साइकिल में टक्कर मारने के बाद बाइक भी सड़क पर गिर गई। जिस पर सवार गांव सुल्तानपुर खुर्द निवासी निर्देश और आकाश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से चिकित्सक ने तीनों घायलों की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया।

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में ईमानदारी की दुकान शुरू

पीएम श्री विद्यालय में ईमानदारी की दुकान आरंभ करातीं बीएसए अलका शर्मा।

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार: पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय रसूलपुर में विद्यार्थियों के भीतर ईमानदारी, आत्मनिर्भरता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से 'ईमानदारी की दुकान' का आरंभ बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने फीता काटकर किया।

बीएसए ने कहा कि 'ईमानदारी की दुकान' जैसे नवाचार बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी निगरानी के वस्तुएं लेना और स्वयं भुगतान करना विद्यार्थियों को बचपन से ही सत्यनिष्ठा, भरोसा और नैतिक मूल्यों की सीख देता है। कार्यक्रम में एबीएसए एमएल पटेल, प्रधानाध्यापक ब्रजकिशोर और ग्राम प्रधान तेजवीर सिंह भी मौजूद रहे। प्रधानाध्यापक ने बताया कि दुकान में पेन, पेंसिल, कॉपी सहित अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई गई है, जिन्हें विद्यार्थी स्वयं लेकर निर्धारित राशि बॉक्स में डालते हैं। अतिथियों ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

10 नलकूपों से स्टार्टर, केबल चोरी

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के गांव ओबरी और असगरीपुर के जंगल में चोरों ने एक ही रात में किसानों को निशाना बनाते हुए बड़ी वारदात को अंजाम दिया। सोमवार रात चोरों ने नलकूपों पर बनी कोठरियों के ताले तोड़कर करीब दस किसानों के ट्यूबवेल से स्टार्टर केबल चोरी कर लिए।

ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार देर शाम किसान खेतों में काम कर अपने घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वे खेतों पर पहुंचे तो ट्यूबवेल की कोठरियों के ताले टूटे मिले। जांच करने पर पता चला कि चोर स्टार्टर केबल चोरी कर ले गए हैं। चोरी की इस घटना में गांव ओबरी निवासी किसान अनीस अहमद, आस मोहम्मद, दिलशाद, फईम, बंदे अली और पीर बक्स, जबकि गांव असगरीपुर निवासी इदरीस, मो. सलीम, जाकिर हुसैन और मो. रफी के ट्यूबवेल से स्टार्टर केबल चोरी हुई है। किसानों के अनुसार, इस चोरी से उन्हें हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। एक ही रात में इतनी बड़ी संख्या में चोरी की घटनाओं से किसानों में आक्रोश है। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी और खेतों में गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस मामले की जानकारी लेकर जांच में जुट गई है।

ट्यूबवेल की कोठरी का खुला ढक्कन दिखाता किसान। ● अमृत विचार

- **ओबरी व असगरीपुर में एक ही रात में चोरों ने किया हाथ साफ**

न्यूज ब्रीफ

अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण आज

अमृत विचार, अयोध्या : राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ पर पहली बार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अयोध्या पहुंच रहे है। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे अनुष्ठान के अंतिम दिन 31 दिसंबर को रक्षा मंत्री सुबह 11.30 मिनट पर मंदिर परिसर पहुंचेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद अनुष्ठान में शामिल होंगे। जिसके बाद परकोटा के उत्तरी भुज पर स्थित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। लगभग दो बजे अंगद टीला पर बने विशाल पंडाल में सीएम योगी आदित्यनाथ और राजनाथ सिंह अयोध्यावासियों को संबोधित करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी भगवान के पाटोत्सव का दूसरा वर्ष है। 31 दिसंबर 2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पूजा पाठ हो रहे है। कानपुर की टोली से श्री राम चरित मानस का पाठ 5 दिन तक चलेगा।और 31 दिसंबर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह समाज को संबोधित करेंगे। लोगों से अपील की गई है कि अपनी सुविधा के अनुसार संपर्क मार्ग से सुग्रीव पथ के रास्ते अंगद टीला पर पहुंच सकते है। प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह में शामिल होने आ रहे केंद्रीय रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ लगभग पांच घंटे अयोध्या में बिताएंगे। इस दौरान दोनों नेता समारोह में शामिल होने के साथ श्री राम मंदिर में राम लला और हनुमानगढ़ी में मंदिर हनुमानजी की पूजा अर्चना करेंगे। शांति व सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री लगभग 11 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से वह राम मंदिर जाएंगे। राम लला के पूजन अर्चन के साथ प्रतिष्ठा द्वादशी के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिला नया आयाम, अस्पतालों का शिलान्यास व आईसीयू का विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभाग की सेहत सुधरी

- आधुनिक, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तंत्र का प्रदेशवासियों ने उठाया लाभ
- कई नई स्वास्थ्य इकाइयों का हुआ लोकार्पण, प्रदेशवासियों ने लिया भरपूर लाभ
- मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर रहा फोकस, पीडियाट्रिक केयर यूनिट और न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट में हुई बढ़ोत्तरी
- ई-संजीवनी, टेलीमेडिसिन, एंबुलेंस सेवाएं और टीबी उन्मूलन में हुई उल्लेखनीय उपलब्धि

अमृत विचार : वर्ष 2025 स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार से लेकर अत्याधुनिक इलाज सुविधाओं तक अनेक बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इन प्रयासों का सीधा लाभ प्रदेश की करोड़ों जनता को मिला है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनीं।

इस क्रम में इमरजेंसी कोविड रिलीफ पैकेज के तहत प्रदेश में चिकित्सा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती दी गई। वर्ष 2025 में कुल 83 नई स्वास्थ्य इकाइयों का लोकार्पण किया गया तथा एक बड़े अस्पताल का शिलान्यास हुआ। इनमें 26 आईपीएचएल लैब, 38 पचास बेड के फील्ड अस्पताल, 13 जनपदीय ड्रग वेयरहाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीसीबी यूनिट और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके साथ ही सीतापुर में 200 बेड के जिला चिकित्सालय का शिलान्यास भी किया गया।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 1800 और जिला अस्पतालों में 1029 आईसीयू बेड स्थापित किए गए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS) सहित 49 एलएमओ स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए। इससे गंभीर मरीजों को समय पर जीवन रक्षक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

एनएचएम की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल के मुताबिक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसके तहत 42 बेड वाले पीडियाट्रिक केयर यूनिट जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए। वहीं 32 बेड वाले सभी 23 पीडियाट्रिक यूनिट पूरी से संचालित हुईं। इसके अलावा नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए प्रदेश में 412 न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट्स (एलबीएसयू) की स्थापना की गई। वर्ष 2024-25 में बाह्य रोगी सेवाओं में 27 प्रतिशत और अंतः रोगी सेवाओं में 32 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संस्थागत प्रसव, सिजेरियन डिलीवरी, बड़े और छोटे ऑपरेशन, पैथोलॉजी जांच, एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड सेवाओं में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ।

आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा

- सचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 318 अस्पतालों को जोड़ा गया, जिनमें 248 कैंसर उपचार से संबंधित हैं। दिसंबर-25 तक लगभग 3,862 करोड़ रुपये का भुगतान अस्पतालों को किया गया। एंबुलेंस सेवाओं को मजबूत करते हुए 2,249 नई एंबुलेंस बेड़े में जोड़ी गईं, जिनसे लाखों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया।

आधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं घर के पास

- राज्य के 74 जिलों में सीटी स्कैन और सभी 75 जिलों में डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। जनवरी से नवंबर-25 के बीच 9.42 लाख सीटी स्कैन और 6.50 लाख से अधिक डायलिसिस सत्र संचालित किए गए। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एसेंशियल ड्रग लिस्ट का विस्तार किया गया, जिससे प्राथमिक से लेकर जिला अस्पताल स्तर तक दवाओं की संख्या बढ़ाई गई।

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलेंगे वाहन-मोबाइल

नववर्ष में 67 करोड़ से खरीदी जाएगी स्कूटी और मोबाइल हैंडसेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिशन शक्ति केंद्रों को और सशक्त करेगी सरकार, महिला सुरक्षा को मिलेगा बल
- मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र हैं स्थापित
- 6400 नई स्कूटी और 1600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर किया जा रहा विचार

आपात स्थिति में मौके पर पहुंच सकेंगी

दो पहिया वाहन मिलने से मिशन शक्ति की महिला कर्मी और पुलिस टीम किसी भी आपात स्थिति में तेजी से मौके पर पहुंच सकेंगी। वहीं, मोबाइल हैंडसेट से रियल टाइम मॉनिटरिंग, शिकायत दर्ज करना और उच्च अधिकारियों से समन्वय और बेहतर होगा।

नए संसाधन से केंद्र की बढ़ेगी कार्यक्षमता

मिशन शक्ति केंद्रों को मिलने वाले नए संसाधन महिला अपराध की रोकथाम में मील का पत्थर साबित होंगे। इससे न सिर्फ पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान के तहत स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की तैयारी है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत प्रदेश भर में स्थापित 1600 मिशन शक्ति केंद्रों को अगले वर्ष अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, जिससे महिला अपराधों की रोकथाम और पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके। सरकार की योजना के अनुसार वर्ष 2026 में मिशन शक्ति केंद्रों को दो पहिया वाहन और मोबाइल हैंडसेट उपलब्ध कराए जाएंगे।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की नोडल अधिकारी एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत प्रदेश भर में 1600 मिशन शक्ति केंद्र/ थानों की स्थापना की गई थी। वहीं अब मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सशक्त करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मिशन शक्ति केंद्र पर 4 स्कूटी और एक-एक मोबाइल हैंडसेट की आवश्यकता सामने आ रही है।

ऐसे में मिशन शक्ति केंद्र के लिए कुल 6,400 नई स्कूटी और 1,600 मोबाइल हैंडसेट खरीदने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। इन संसाधनों में करीब 67 करोड़ रुपये खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से हरी झंडी मिलने और बजट आवंटित होने के बाद अगले वर्ष इन संसाधनों की खरीद की जाएगी। इन संसाधनों के माध्यम से मिशन शक्ति की टीमों की पहुंच गांव-गांव और मोहल्लों तक और मजबूत होगी, जिससे महिलाओं की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई संभव हो सकेगी।

एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के लिए न केवल सहायता और परामर्श का केंद्र हैं, बल्कि ये उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से महिला हेल्पलाइन, काउंसलिंग, कानूनी सहायता, मेडिकल सपोर्ट और पुनर्वास जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं।

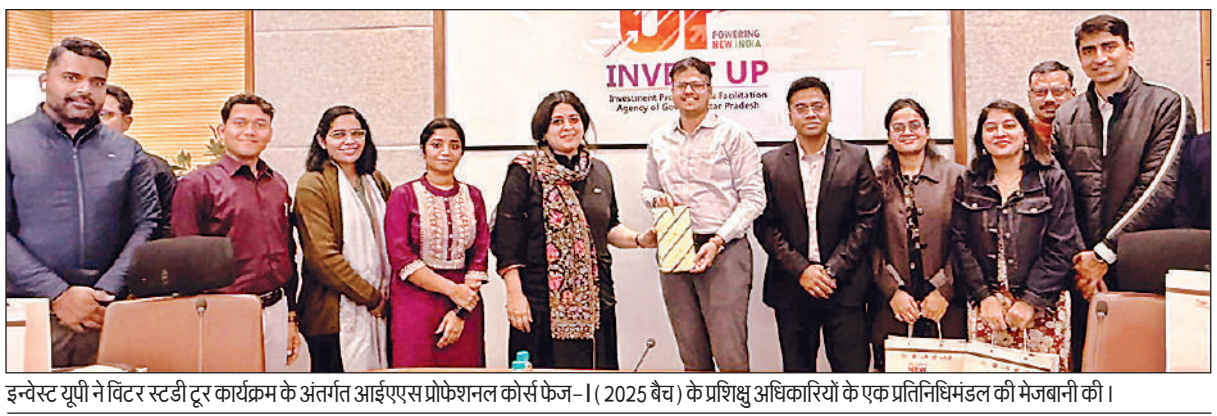

इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

प्रशिक्षु आईएएस ने समझी निवेश प्रोत्साहन रूपरेखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत की प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी

पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा

- आगामी 'निवेश मित्र 3.0' में कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म (सीएएफ) प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें डाटा फ़ील्ड और दस्तावेज़ की आवश्यकताओं को कम किया जाएगा, साथ ही निर्धारित समय-सीमा और एस्केलेशन मैकेनिज़्म के माध्यम से पारदर्शिता और निवेशक सुविधा को और बढ़ाया जाएगा।

अमृत विचार : इन्वेस्ट यूपी ने विंटर स्टडी टूर कार्यक्रम के अंतर्गत आईएएस प्रोफेशनल कोर्स फेज-I (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस मौके पर उत्तर प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन संरचना तथा सुशासन आधारित आर्थिक परिवर्तन को प्रदर्शित किया गया। यह सत्र अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रेरणा शर्मा ने कहा, "किसी भी निवेश प्रोत्साहन एजेंसी की मूल जिम्मेदारी सरकार की मंशा को निवेशकों के विश्वास में परिवर्तित करना होती है। अपने अनुभव के आधार पर मैंने देखा है कि पहले निवेश प्रक्रिया कितनी विस्तृत और अधिक समय लेने वाली थी।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में 'निवेश मित्र' की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से सभी अनुमोदनों को इंटीग्रेटेड सिंगल-विंडो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया, जिससे निवेशकों के अनुभव में मूलभूत सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, यदि कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान करना और निवेशकों का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रेरणा शर्मा ने कहा कि सभी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि भविष्य में जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी के रूप में वे सक्रिय सुविधा प्रदान करने, विभागों के बीच प्रभावी समन्वय तथा निवेशकों को सशक्त ऑन-ग्राउंड सहयोग सुनिश्चित करें, जिससे निवेश प्रस्ताव समयबद्ध रूप से धरातल पर उतर सकें।

यूपी के मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में मतदेय स्थलों की संख्या 162486 थी, जो सम्भाजन के बाद बढकर 177516 हो गयी है। ऐसे में मतदेय स्थलों में 15030 की वृद्धि हुई है। बीते साल 2024 में मतदेय स्थलों का सम्भाजन 1500 मतदाताओं के आधार पर हुआ था। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 75 जिलों के 403 विधान सभा क्षेत्रों के 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव पर 23 दिसम्बर को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा बताया गया कि प्रदेश में मतदेय स्थलों के सम्भाजन की कार्यवाही 29 अक्टूबर से शुरु हुई थी। 75 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारीगण से प्राप्त प्रस्ताव 24 नवम्बर को भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के लिए भेजा गया था। मतदेय स्थलों की संख्या में वृद्धि होने के कारण नये सृजित 15030 मतदेय स्थलों पर अतिरिक्त बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की जायेगी। निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन इन्हीं नये मतदेय स्थलों पर 06 जनवरी को किया जाएगा।

सशक्त बनेंगे दिव्यांगजन विश्वविद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पेंशन और नि:शुल्क बस सेवा से सामाजिक सुरक्षा हुई मजबूत, खेल, कला और कौशल से दिव्यांग प्रतिभाओं को मिला मंच

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की सख्त मॉनिटरिंग

- पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान कहा गया कि योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब उनका सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मंत्री ने जनपद स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और कमजोर प्रगति वाले जिलों में जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

2025-26 में दिव्यांग प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

- आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि लखनऊ में 7 दिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग खेलकूद प्रतियोगिता, प्रयागराज और ललितपुर में दिव्यांग पुनर्वासन पर राष्ट्रीय कार्यशालाएं, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कानपुर नगर, गोरखपुर, वाराणसी एवं बागपत में चित्रकला व हस्तकला प्रदर्शनी एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग, के सर्वांगीण सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शिक्षा, पेंशन, निःशुल्क परिवहन, कौशल विकास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से सरकार का लक्ष्य इन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर अग्रसर करना है।

इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से दिव्यांग विश्वविद्यालयों को सशक्त बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि योगी सरकार की नीतियां केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय, चित्रकूट की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि ये संस्थान दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं।

उन्होंने मंडल स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाकर अधिक से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए गए।

बहराइच के डीएफओ पर गिरी गाज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद मंगलवार को बहराइच जिले के डीएफओ पर गाज गिर गई। बहराइच डीएफओ राम सिंह यादव को हटा दिया गया है। उन्हें मुख्यालय से संबद्ध करते हुए उनकी जगह एटा के डीएफओ सुन्दरेशा को बहराइच का नया डीएफओ बनाया गया है। इतना ही नहीं सीएम की ओर से बहराइच, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और बिजनौर में बाघ, तेंदुए व भेड़ियों द्वारा मारे गए व्यक्तियों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों का उपचार व मुआवजा वितरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने की भी हिदायत दी गई है। दूसरी ओर वन विभाग की टीम द्वारा अब तक आठ आदमखोर भेड़ियों को मार गिराने की सूचना मिली है। दरअसल, बहराइच में बीते कुछ समय से भेड़ियों का आतंक काफी बढ़ गया है।

चार श्रम कानूनों से मिला मजबूत सामाजिक सुरक्षा का कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

श्रमिकों के हाथ मजबूत

- प्रदेश में श्रमिक कल्याण, रोजगार व औद्योगिक विस्तार का गोल्डन-ईयर साबित हुआ बीता वर्ष
- आठ वर्षों में दोगुने से अधिक नए कारखाने रजिस्टर्ड
- रोजगार महाकुंभ में 16 हजार से अधिक को मिली नौकरी

श्रमिकों के लिए नई पहल

- निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड द्वारा कई नवाचार किए गए। इसके तहत, 23 दिसंबर 2025 को ऑनसाइट नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया गया। पहले चरण में 10,000 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के 18 जनपदों में संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की निगरानी को 360 डिग्री लाइव मॉनिटरिंग कमांड सेंटर की स्थापना की गई।

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग और श्रमिक कल्याण के दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी वर्ष रहा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने न केवल श्रमिकों के हितों की रक्षा को नई दिशा दी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2025 इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया गया, जिन्हें श्रमिक हितों की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरकार की नीतियों और सुधारों का प्रत्यक्ष परिणाम यह रहा कि प्रदेश में लगातार बड़ी संख्या में नये कारखानों की स्थापना और पंजीकरण हुआ। बीते आठ वर्षों की तुलना में 2025 तक कारखानों का पंजीकरण दोगुने से भी अधिक हो गया, जिससे रोजगार के नये अवसर सृजित हुए और औद्योगिक वातावरण मजबूत हुआ। विशेष रूप से महिला कर्मकारों के लिए वर्ष 2025 ने नए अवसरों के द्वार खोले और उन्हें अधिक सुरक्षित व सशक्त कार्यपरिस्थितियां उपलब्ध कराईं।

श्रम अधिनियमों के अंतर्गत लंबित वादों की सुनवाई को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए श्रम विभाग ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। 26 अगस्त 2025 को श्रम न्याय सेतु, लेबर ई कोर्ट प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया था। यह पोर्टल न केवल पेपरलेस गवर्नेंस का उदाहरण बना, बल्कि इसे 19वें नेशनल डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2025 में पेपरलेस गवर्नेंस चैंपियन श्रेणी में सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया।

इसके अंतर्गत घरेलू ही नहीं बल्कि विदेशी रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया गया। रोजगार संगम पोर्टल से पंजीकृत 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों को जोड़ा गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट को नई गति मिली। रोजगार महाकुंभ का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया, जहां 16,000 से अधिक युवाओं का चयन और प्लेसमेंट हुआ।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना में नवाचार

- बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरोग्य मंथन कार्यक्रम का आयोजन 11 दिसंबर को कानपुर में किया गया। इस अवसर पर क्यूआर कोड इनेबिल्ड 'माइक्रोसॉफ्ट आरोग्य शक्ति अभियान का शुभारंभ, आरोग्य संकल्प पत्र का विमोचन और एएए एप की शुरुआत की गई। एप के माध्यम से अब श्रमिक घर बैठे अपॉइंटमेंट, दवाओं की डिलीवरी और सभी मेडिकल टेस्ट रिकॉर्ड डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, चेन्नई, हैदराबाद और फरीदाबाद के ईएसआईसी प्रीमियर संस्थानों की बेस्ट प्रैक्टिस को उत्तर प्रदेश में लागू करने की पहल भी की गई।

अखिलेश यादव ने उठाया अंकिता हत्याकांड का मुद्दा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तराखंड की अंकिता भंडारी हत्याकांड का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को जारी एक बयान में सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार में बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ का सिर्फ नारा लगता है, महिलाओं और बेटियों का सर्वाधिक अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड में भाजपा नेता के रिजार्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या मन को विचलित करने वाली है। अखिलेश ने सवाल उठाया कि, उत्तराखंड के सभी राजनैतिक दलों और जनसंगठनों द्वारा सीबीआई जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में करने की मांग की जा रही है तो उस पर लीपापोती क्यों की जा रही है।

विकास | अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का नवीन परिसर

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य स्थल बनेगी राजधानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शहीद पथ के करीब बनेगा नया संस्कृति भवन
- पर्यटकों के लिए 1090 चौराहे से रेजीडेंसी तक डबलडेकर बस संचालित होगी

अमृत विचार: आगरा और काशी की तरह लखनऊ को भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गन्तव्य के रूप में ख्याति दिलाने के लिए परियोजना तैयार के निर्देश अधिकारियों दिये गए हैं। आगरा और काशी में पहले से ही देशी-विदेशी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है, इसी तर्ज पर लखनऊ को भी पर्यटन का हब बनाने की तैयारी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, राजधानी में शहीद पथ के निकट संस्कृति मुख्यालय की स्थापना की जायेगी। इस संस्कृति भवन में संस्कृति विभाग के अधीन आने वाली निदेशालयों के कार्यालयों को शिफ्ट किया जायेगा। उन्होंने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि की व्यवस्था के लिए प्रक्रिया शुरू करें। उन्होंने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी में पर्यटन एवं संस्कृति पार्क विकसित किया जाएगा। इस पार्क में पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी शुरूआत 17 नगर निगमों के अधीन आने वाले पार्कों से होगी।

मंत्री ने बताया कि, लखनऊ भ्रमण करने वाले लोगों को किफायती रेट पर टिकट प्रदान किया जायेगा। इस बस का शुभारंभ पर्यटन मंत्री 06 जनवरी को 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। लखनऊ दर्शन का उद्देश्य पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करके लखनऊ को एक नये डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है।

पर्यटन मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारियों को फाइलें विलंब करने की पुनरावृत्ति छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की अद्यतन स्थिति की बिन्दुवार समीक्षा की।

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, चित्रकूट, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी आदि के रामलीला मैदानों के सौन्दर्यीकरण आदि की समीक्षा की। इसके अलावा रायबरेली, बदायूं, कन्नौज, चित्रकूट, लखनऊ में निर्माणाधीन सांस्कृतिक केन्द्रों की समीक्षा की।

अमृत विचार

बुधवार, 31 दिसंबर 2025

यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो उसे जाने दें, क्योंकि यदि वह लौट आता है, तो वह हमेशा आपका था। यदि नहीं लौटता, तो वह कभी आपका था ही नहीं।

खलील जिब्रान, दार्शनिक

नए साल में नई परिभाषा

दुनिया की सबसे पुरानी भूगर्भीय संरचनाओं में शामिल अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने ही आदेश को वापस लेना यह संकेत है कि न्यायालय को प्रस्तुत परिभाषा और उसके दूरगामी पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर शंकाएं उत्पन्न हुई हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित करने में जल्दबाजी और अधूरी वैज्ञानिक कसौटियां खतरनाक साबित हो सकती हैं। नया आदेश यह साबित करता है कि पिछला फैसला किंचित जल्दबाजी में लिया गया था।

अदालत ने स्वयं यह स्वीकारा कि नई परिभाषा से 'संरचनात्मक विरोधाभास' तो पैदा नहीं हो रहा, यह जांचना आत्यावश्यक है। अदालत की स्वीकारोक्ति बताती है कि सरकार का जवाब अंतिम सत्य मान लेने लायक भरोसेमंद नहीं थे। जिस नई परिभाषा को अदालत ने पहले स्वीकार किया था, वह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने प्रस्तुत की थी। उद्देश्य अरावली की रक्षा बताई गई थी, पर आरोप यह हैं कि उक्त परिभाषा के मानदंड, जैसे 100 मीटर की ऊंचाई- व्यावहारिक रूप से अरावली के बड़े हिस्से को संरक्षण से बाहर कर देते हैं। यदि समिति का उद्देश्य संरक्षण था, तो यह परिभाषा अपने परिणामों में विपरीत कैसे हो सकती है? लाजिमी है कि यह पुनर्विचार आवश्यक था। राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 के 100 मीटर से अधिक ऊंचे होने के दावे को मानने से 92 फीसद से अधिक पहाड़ियां संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। यह तथ्यात्मक स्थिति बताती है कि ऊंचाई-आधारित परिभाषा अरावली की वास्तविक भूगर्भीय और पारिस्थितिक निरंतरता को नज़रअंदाज़ करती हैं। नतीजा- अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए दरवाज़ा खुल सकता है। अरावली की प्रकृति 'टुकड़ों में बंटी पहाड़ियों' की नहीं, बल्कि एक जुड़े हुए पारिस्थितिक, प्राकृतिक तंत्र की है। यदि पहाड़ियां 100 मीटर से ऊंची हों, पर 500 मीटर से अधिक दूरी पर हों, तब भी वे भूजल रिचार्ज, जैव-विविधता और जलवायु नियमन के साझा कार्य करती हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में नहीं, बल्कि एक सतत पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना ही वैज्ञानिक दृष्टि से उचित है। 'विनियमित' या 'सतत' खनन की अवधारणा कागज़ पर आकर्षक लग सकती हैं, पर अरावली जैसे नाजुक क्षेत्र में कड़ी निगरानी के बावजूद इसके प्रतिकूल प्रभावों को नकारा नहीं जा सकता। ढलानों का कटाव, भूजल स्तर में गिरावट और जैव-विविधता का नुकसान दीर्घकाल में अपरिवर्तनीय हो सकता है।

एफएसआई द्वारा लंबे समय से अपनाया गया 3-डिग्री ढलान का मानदंड अधिक समावेशी और भू-आकृतिक वास्तविकताओं के करीब रहा है। इसके विपरीत, सरकार द्वारा सौंपी गई नई सूची में कई जिलों को संरक्षण क्षेत्र से बाहर कर दिया गया है, जिससे उन क्षेत्रों में पर्यावरणीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है। अरावली उत्तर-पश्चिम भारत में रेगिस्तान बनने से रोकने, भूजल रिचार्ज करने और आजीविका बचाने की रीढ़ है, इसलिए इसे केवल ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण की कुंजी है व्यक्ति निर्माण

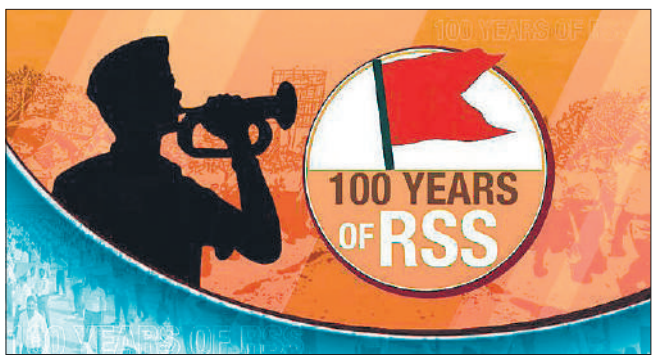

नुसरत जहां

एजीए हाईकोर्ट लखनऊ बेंच

एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक का चिन्ह और दूसरी ओर भारत माता का चित्र अंकित किए हुए सिक्के और डाक टिकट भारत के प्रधानमंत्री की ओर से स्मारक के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो जाने के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारत मां के प्रति समर्पित है। भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का संरक्षण व संवर्धन करने, राष्ट्र निर्माण के लिए अनुशासन, देशभक्ति तथा सेवाभाव से निरंतर कार्य करते हुए यह देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी तेजी से अपनी समृद्धता को विस्तार दे रहा है।

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि आगामी वर्षों में यह संगठन इतना प्रभावशाली बन जाएगा। भारत माता के प्रति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस अतुलनीय और अनुकरणीय योगदान को देखते हुए दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसे विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन बताया। राष्ट्र प्रथम विचारधारा को लेकर चलते हुए आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई आनुषंगिक संगठनों को साथ लेकर कार्य करते हुए अपने उद्देश्यों की पूर्ति में निरंतर अग्रसर है।

संघ अपनी स्थापना का सफल शताब्दी वर्ष मना रहा है, तो लाजमी है कि उसके 100 वर्षों के कार्यों की एक छोटी सी झलक तो जानने की उत्सुकता तो होगी ही न। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई, तो भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में स्वतंत्रता आंदोलन चरम पर था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई और उसने अपना कार्य- राष्ट्र प्रथम का ध्येय लेकर भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान और भारत के विकास के लिए कार्य करना प्रारंभ किया।

गांधीजी ने वर्धा में आरएसएस शिविर का दौरा किया, वहां स्वयंसेवकों के कठोर अनुशासन, सादगी से कार्यों को करते हुए देखा, छुआ-छूत की अनुपस्थिति से वे बहुत प्रभावित हुए। यह तथ्य उनके साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' में प्रकाशित हुआ था। आजादी के समय जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ, तो लोग विस्थापित हुए। हिंसा के दौरान कई लोगों की हत्या हुई और कई लोग घायल हुए। उन घायलों की सेवा, बिना भेदभाव शवों के अंतिम संस्कार, पीड़ितों को भोजन, चिकित्सा जैसे कार्यों को संघ के स्वयंसेवक पूरे मनोबल से कर रहे थे।

1947-48 में कबायली आक्रमण के दौरान शरणार्थियों को राहत कार्यों द्वारा मदद की गई। 1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। पुर्तगाली सैनिकों की गोलाबारी में कई स्वयंसेवकों ने प्राण न्यौछावर किए। राष्ट्र के प्रति संघ के समर्पण को देखने के लिए केआर मलकानी द्वारा लिखित पुस्तक 'द आरएसएस स्टोरी' का अध्ययन किया जा सकता है।

आपातकाल के दौरान आरएसएस के हजारों स्वयंसेवकों ने सरकारी तानाशाही का विरोध खुलकर किया। कुछ कार्यकर्ता भूमिगत रहते हुए जनता के बीच प्रेस के माध्यम से अखबारों, पत्रिकाओं और पर्चों के जरिए सूचना का प्रचार-प्रसार करते थे। 'द इकॉनॉमिक' ने लिखा था कि इस आंदोलन की मुख्य ताकत जनसंघ और उससे जुड़े संगठन आरएसएस है, जो कि सदैव लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति संकल्पित है।

अगस्त 1967 में हिंदी दैनिक हिन्दुस्तान में प्रकाशित एक साक्षात्कार में प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली ने बताया कि मैंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से छिपने के लिए आरएसएस के दिल्ली संघचालक लाल हंसराज गुप्ता के घर शरण ली थी, जहां उन्होंने लगभग 15 दिनों तक उन्हें गोपनीय तरीके से रखा। वहां पर लालजी ने मेरी सुरक्षा का पूरा प्रबंध कर रखा था। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि किसी को भी मेरे उनके घर पर रहने की जानकारी न मिले। स्वाधीनता संग्राम में आरएसएस के स्वयंसेवकों की भूमिका और समर्पण को लेकर माणिक चंद्र वाजपेयी और श्रीधर पराडकर ने अपनी पुस्तक 'ज्योति जला निज प्राण की' में विस्तार से चित्रण किया है।

वर्तमान में आयोजित यह शताब्दी वर्ष कार्यक्रम छह सरसंघचालकों की साधना का प्रतिफल है। इसमें प्रथम सरसंघचालक एवं संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार हैं। माधव सदाशिव गोलवलकर द्वितीय सरसंघचालक हैं, जो गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध हैं। उन्हें संघ के प्रबल विस्तारण के रूप में जाना जाता है। वही अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा थे। तृतीय सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रय देवरस, जिन्हें आदरपूर्वक बालासाहेब देवरस भी कहा जाता है, सेवा कार्यों का एक नवीन आयाम स्थापित किया। चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया पहले ऐसे सरसंघचालक थे, जिन्होंने विदेश जाकर आरएसएस का व्यापक विस्तार किया। पंचम सरसंघचालक सीतारमैया सुदर्शन स्वदेशी के कट्टर समर्थक तथा भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति बड़े सजग व प्रबल पक्षधर थे।

छठे एवं वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यकाल में आरएसएस शताब्दी वर्ष मना रहा है। मोहन भागवत जी समरसता और समावेशी समाज के पक्षधर हैं, जो व्यक्ति को धार्मिक पहचान से कहीं ज्यादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में देखते हैं। दिल्ली और बंगलौर के सम्मेलन में दिया गया, उनका यह कथन बहुत प्रभावशाली है कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है। इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। उनका आग्रह देश-समाज के सभी वर्गों और पंथों को साथ लेकर चलने का है।

email: nusratfahad8@gmail.com

जब भारत गुलामी का दंश झेल रहा था। भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा था, जिसे देखकर भारत के बुद्धिजीवी वर्ग में चिंता थी। इन्हीं परिस्थितियों में संघ की स्थापना हुई।

सोशल फोरम

फिनलैंड की पूर्व राष्ट्रपति क्यों बनीं 'बेघर'

कलम रंगदार

ब्लॉगर

वह न तो कोई भिखारिन हैं और न ही कोई ऐसी शरणार्थी, जिसकी ज़िंदगी पूरी तरह बिखर चुकी हो। वह तार्या हालोनेन हैं- फिनलैंड की राष्ट्रपति, जिन्होंने 2000 से 2012 तक देश का नेतृत्व किया।

उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान फिनलैंड दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में शामिल हो गया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के मामले में। फ़िनिश कंपनियां भी खूब फली-फूलीं। नोकिया, वार्त्सिला और सून्टो जैसे बड़े नाम लगातार सफल होते रहे। सिर्फ़ 55 लाख की आबादी और कड़ाके की ठंड के बावजूद, फिनलैंड मज़बूती से आगे बढ़ता रहा।

इस तस्वीर में पूर्व राष्ट्रपति सेकेंड-हैंड कपड़े पहने हुए हैं और सड़क पर घंटों बैठी दिखाई देती हैं। बिलकुल किसी बेघर इंसान की तरह। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे खुद उस पीड़ा को महसूस कर सकें और दूसरों को भी गरीबों और शरणार्थियों की ज़िंदगी की कठिनाइयों को समझा सकें।

उन्होंने कहा, "मैं भी एक भिखारिन या शरणार्थी हो सकती थी, लेकिन किस्मत ने मुझे राष्ट्रपति बना दिया। यही वजह है कि जो लोग उतने खुशकिस्मत नहीं हो पाए, उनके लिए मेरे दिल में गहरी संवेदना है।"

-फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

दुनियाभर में नव वर्ष के हैं अनोखे रंग

दुनिया भर के देशों में नया वर्ष मनाने की प्रथाएं एवं परंपराएं हैं। कई काफी अनोखी हैं। प्राचीन रोम में नये वर्ष के अवसर पर भेंट देने की परंपरा थी। रोम के एक बादशाह ने तो भेंट देने के लिए मात्र नववर्ष का अवसर ही नियत किया था। इसके अतिरिक्त अन्य अवसरों पर भेंट दिया जाना निषिद्ध था। स्काटलैंड में नये वर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की रात में 12 बजे से पूर्व ही युवक अपने-अपने घरों से निकलकर अपने-अपने मित्रों के घर जाते हैं। सभी लोग अपने साथ मक्खन, डबल रोटी, टाफियां, केक एवं चाय आदि का सामान भी लाते हैं। 12 बजे रात्रि के बाद जो अतिथि सबसे पहले घर में प्रवेश करता है, उसका स्वागत अत्यंत धूम-धाम तथा हर्ष के साथ किया जाता है। समाज में ऐसी मान्यता है कि नये वर्ष में प्रवेश करने वाला प्रत्येक अतिथि अपने साथ सुख-सम्द्धि एवं सौभाग्य लेकर आता है। अतिथि अपने साथ लाये हुए नाश्ते के सामान को परिवार के प्रत्येक सदस्यों में बांटता है।

अंजु अग्निहोत्री

लेखिका

दक्षिणी अफ्रीका में नया वर्ष राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे क्यू क्वेचवाना कहा जाता है। क्यू क्वेचबाना से तात्पर्य है, ज्वार की फसल तैयार होने के उपलक्ष्य में भगवान को धन्यवाद देने का उत्सव। इसी दिन यहां का राजा अपनी सेनाओं का निरीक्षण भी करता है एवं वीरता प्राप्त सैनिकों को विवाह करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है। इस दिन सामूहिक रूप से विवाह का भी आयोजन होता है। बर्मा में नये वर्ष की दिन तिजांन नामक पर्व मनाया जाता है जो नये वर्ष का स्वागत पर्व है। इस दिन जलक्रीड़ा का विशेष आयोजन होता है, जिसमें एक-दूसरे पर पानी फेंका जाता है। तिजांन के दिन प्रातः काल ही भगवान बुद्ध की मूर्तियों को स्वच्छ सुगंधित जल में नहला कर उसकी पूजा की जाती है।

ईरान में नया वर्ष अत्यंत ही हर्षपूर्ण वातावरण में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार मनाया जाता है। ईरान में नये वर्ष के उत्सव को नौरोज कहा जाता है। नौरोज से 15 दिन पहले ही घर में किसी स्थान पर गेहूं अथवा जौ बो दिया जाता है। नौरोज का दिन आते-आते यह अंकुरित हो जाता है। नौरोज के दिन परिवार के सभी लोग किसी मेज के चारों तरफ बैठ जाते हैं तथा मेज के ऊपर शीशा, अंडा एवं मोमबत्ती रख दिया जाता है। इसके साथ ही एक प्याले में स्वच्छ एवं पवित्र जल के साथ रोटी एवं पवित्र ग्रंथ भी रख दिया जाता है। पानी से युक्त प्याले में गेहूं या जौ के अंकुर को डाल दिया जाता है। बाली द्वीप में नये वर्ष के प्रथम दिन का गालुंगन के दिन सभी लोग मित्रों एवं रिश्तेदारों को उपहार देते हैं तथा उनसे मिलने के लिए दूर दराज गांवों तक भी चले जाते हैं। गालुगंन दिवस के एक सप्ताह बाद तक यह उल्लासमय वातावरण चलता रहता है। एवं सभी काम-धंधे बंद रहते हैं।

जापान में वर्ष के प्रथम दिन नव वर्षोत्सव मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक घरों की विशेष सजावट की जाती है तथा घर के दरवाजे पर हरे बांस के टुकड़े एवं चीड़ वृक्ष की शाखाएं रखी जाती हैं। इनके समाज में बांस सच्चरित्रता तथा दृढ़ता और चीड़ के साथ-साथ गोहेई अर्थात् कागज के तिकोने टुकड़े भी लटकाये जाते हैं। नव वर्ष के दिन प्रातः नदी तालाब या कुंआ से जल लाया जाता है, जिसे नवजात जल कहा जाता है। जापानियों में ऐसी मान्यता है कि इस जल को पीने से आयु में वृद्धि होती है। इस दिन चावल से बने विशेष भोज्य पदार्थ मोर्चा एवं कमल की जड़ खाने की भी प्रथा है। अगर किसी जापानी के ऊपर कर्ज रहता है, तो वह इस दिन निश्चित ही चुकाने का प्रयास करता है।

आमने

मोदी जी के चित्र फाड़ने से कोई भागीरथ नहीं बन सकता। भाजपा सिर्फ एक नेशनल पार्टी नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और इस तरह के कृत्य निंदनीय हैं। मेरे बारे में कोई कुछ भी कहे, लेकिन मेरे भाई का इन गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है।

-डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

कृषि मंत्री, राजस्थान

सामने

डाक बंगला किसी की बपौती नहीं है। न ही हमने वहां कोई पोस्टर हटाए। डाक बंगले की चाबी कहां रखी है? इसकी सूचना पहले ही दी जा चुकी थी। मैं खुद और दौसा सांसद डाक बंगला पहुंचे थे, लेकिन वहां ताला लगा मिला।

-डीसी बैरवा

कांग्रेस विधायक, राजस्थान

ब्रिक्सः कई बाधाएं हैं पाकिस्तान-तुर्किए की राह में

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भारत का दुश्मन पाकिस्तान और तुर्किए 11 देशों के समूह ब्रिक्स में शामिल होने को बेकरार है, लेकिन उनका यह सपना पूरा होता नहीं दिखा रहा है। ब्रिक्स में फिलहाल ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं। चीन चाहता है कि भारत इन देशों के समूह में शामिल होने की सहमति दे, लेकिन उसकी यह चाहत पूरी नहीं होगी, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा। ब्रिक्स में किसी देश को तभी सदस्यता मिलती है, जब सभी देशों की सहमति हो। तुर्किए आमंत्रित सदस्य तो है, लेकिन पाकिस्तान को यह दर्जा भी नहीं मिला है। भारत शुरू से ही इन देशों की सदस्यता का विरोध करता आया है। भारत पहली जनवरी से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

तुर्किए नाटो व यूरोपीय संघ पर अपनी निर्भरता को घटाना चाहता है। उसने यूरोपीय संघ में शामिल होने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिली। नाटो देशों के साथ भी उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। नाटो के साथ तनावपूर्ण संबंधों और यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा की पूर्ति न होने की वजह से ही वह ब्रिक्स का सदस्य बनना चाहता है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका भी नहीं चाहते कि तुर्किए को इस ग्रुप की सदस्यता मिले। इन देशों के भारत में समर्थन की वजह से भी चीन परेशान है।

भारत, तुर्किए की हर कदम पर मदद करता रहा है। प्राकृतिक आपदाओं के समय सर्वाधिक मदद भारत की तरफ से ही की जाती रही है, लेकिन जब भी मौका आया तुर्किए भारत के विरोध में खड़ा हुआ। कश्मीर के मुद्दे पर तो संयुक्त राष्ट्र संघ हो या अन्य कोई मंच हर जगह उसने पाकिस्तान का पक्ष लिया। उसने न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान का साथ दिया, बल्कि उसे हथियार भी मुहैया कराया। ऑपरेशन सिंदूर की निंदा करने वाले देशों में तुर्किए आगे था। अब तो वह बांग्लादेश में भी भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगा है। वहां पर आईएसआई की उपस्थिति कराने में अहम भूमिका निभाई है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की बीच सुलह का सूत्रधार भी तुर्किए के राष्ट्रपति को ही माना जाता है। यही वजह है कि भारत तुर्किए की राह में दीवार बनकर खड़ा है। इससे पहले भी भारत के विरोध के कारण तुर्किए को सदस्यता नहीं मिली थी। रही बात पाकिस्तान की तो भारत के रहते पाकिस्तान इस समूह का सदस्य कभी नहीं बन पाएगा। पाकिस्तान ने इसके लिए चीन की शरण ली है, पर चीन कुछ नहीं कर सकता। भारत के हाथ ब्रिक्स की अध्यक्षता आने से पाकिस्तान और तुर्किए तो परेशान हैं हीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माथे पर भी बल आ गया है, क्योंकि भारत को अध्यक्षता उस समय मिल रही है, जब ट्रंप की अपरिपक्व व कठोर नीतियों के कारण भारत, चीन और रूस एक साथ आ गए हैं।

ब्राजील भी इन देशों के साथ मजबूती से खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ हथियार की धार कमजोर करने में ब्राजील ने अहम भूमिका निभाई है। ट्रंप को डर है कि कहीं ब्रिक्स देश डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्रा न लांच कर दें। अगर मुद्रा लांच होगी, तो इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बड़ी और करारी चोट होगी, हालांकि ब्रिक्स देशों ने नई मुद्रा लांच करने का कोई संकेत तो नहीं दिया है, लेकिन यह तय है कि समूह के सदस्य देश सौ प्रतिशत कारोबार डालर के बजाय खुद की मुद्रा में करने को राजी हैं। यह भी अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगा।

ब्रिक्स में शामिल देश कृषि क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने में जुटे हैं। खाद्य सुरक्षा को वैश्विक दक्षिण के लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में मान्यता दे रहे हैं। कृषि व्यापार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, जलवायु-अनुकूल खेती और मूल्य श्रृंखला विकास में साझेदारी का विस्तार कर रहे हैं। ये कवायद अमेरिका को चुभ रही है। यही वजह है कि ट्रंप लगातार इन देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, हालांकि उनकी धमकी से 11 देशों वाले ब्रिक्स समूह को कोई फर्क पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

अगस्त में ही भारत ने अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था। भारत द्वारा जारी आधिकारिक परिपत्र के तहत ब्रिक्स देशों को वह अपना 100% व्यापार भारतीय रुपये में करेगा। यह फैसला अमेरिका के लिए झटका था। बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब और बांग्लादेश भी चाहते हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता मिले। भारत ने बेलारूस, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, सऊदी अरब की सदस्यता का विरोध नहीं किया है। अन्य देश भी इन देशों की सदस्यता को लेकर कोई विरोध नहीं कर रहे हैं। ऐसे में यह उम्मीद है कि पाकिस्तान और तुर्किए को छोड़ अन्य देशों को सदस्यता मिल सकती है।

आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे पाकिस्तान और तुर्किए के लिए चीन चाहे जितना जोर लगा ले, बिना भारत की सहमति के वह सफल नहीं होगा।

सामयिकी

चार साल में सड़क ने लील लीं 7.77 लाख जिंदगी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में सड़क हादसों को लेकर जो कहा, वह केवल एक मंत्री का बयान नहीं था, बल्कि भावुक, विचलित और एक बेचैन इंसान की स्वीकारोक्ति भी थी कि सड़क हादसे ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसे हम ठीक से रोक नहीं पा रहे हैं। गडकरी का यह कहना कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है। इस मामले में केवल सरकार की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक विफलता को प्रकट करती है।

सड़क हादसों के आंकड़े डराते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपी मानवीय कहानियां उनसे भी ज्यादा डराती हैं। गडकरी ने जो जानकारी संसद में दी है, उसके अनुसार देश में हर साल लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाओं होती हैं और इनमें 1.8 लाख से ज्यादा लोग मारे जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन लगभग 485 लोग घर से निकलते हैं और फिर कभी लौटकर नहीं आते। कोई पिता ऑफिस जाते हुए मर जाता है। कोई बेटा कॉलेज जाते वक्त दम तोड़ देता है, तो कोई मां सब्जी लेने सड़क पार करते हुए दुनिया को अलविदा कह जाती है। सड़क पर होने वाली हर मौत के साथ एक परिवार टूट जाता है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्ष 2018 से 2022 के बीच सड़क हादसों में 7.77 लाख से अधिक लोगों की जान जाना केवल एक आंकड़ा नहीं है। यह 7.77 लाख अधूरे सपने और ऐसा दुःख है जो अक्सर चुपचाप सह लिया जाता है। वर्ष 2024 में हादसों की संख्या बढ़कर लगभग 1.80 लाख तक पहुंच जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या इस दर्द का कोई अंत नहीं है। सबसे पीड़ादायक सच यह है कि मरने वालों में सबसे बड़ी संख्या युवाओं की है। 18 से 34 वर्ष की उम्र में जब कोई अपने जीवन की दिशा तय कर रहा होता है और जब परिवार उससे उम्मीदें लगाए बैठा होता है, तब उसकी मौत का मतलब केवल एक व्यक्ति का मर जाना नहीं होता। सड़क हादसा सिर्फ उस एक व्यक्ति को नहीं मारता, वह पूरे परिवार का भविष्य छीन लेता है।

हम अक्सर हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, नशा आदि कारणों से ड्राइवर को दोष देते हैं। सही है हादसों के ये कारण भी हैं, लेकिन खराब सड़क डिजाइन, बिना संकेतक के बने कट, अंधे मोड़, अधूरी सर्विस लेन, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था भी हादसों के जिम्मेदार हैं। सिर्फ ड्राइवरों को दोष देने से सड़क हादसे नहीं रुकेंगे। जैसा कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने कहा है, सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण अब भी लोगों की लापरवाही है। कई लोग आज भी हेलमेट पहनने से बचते हैं या फिर ट्रैफिक सिग्नल तोड़ते हैं, जबकि भारी जुर्माने का प्रावधान है। जब तक लोगों को सही ट्रेनिंग और जागरूकता नहीं मिलेगी, तब तक ये समस्या बनी रहेगी। हादसे रोकने के लिए हर कारण को दूर करने पर विचार करना होगा। हादसे के बाद मदद का समय पर नहीं पहुंचना भी हताहतों की तादाद बढ़ने का कारण है।। अगर सही समय पर इलाज मिल जाए तो कई जानें बच सकती हैं।

कई बार एंबुलेंस देर से पहुंचती है। लोग मदद करने से डरते हैं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं होती। कई लोग सड़क पर नहीं, बल्कि इलाज न मिलने से मर जाते हैं। हादसे रोकना केवल सरकार की नहीं, समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोग सीट बेल्ट नहीं लगाते। हेलमेट को बोझ समझते हैं। रेड लाइट तोड़ना सामान्य बात मानते हैं। जब तक सड़क सुरक्षा को हम अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह काम नहीं कर सकती। सड़क हादसे रोकने के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा। हर किसी को इसमें योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

जौनपुर का शाही किला

ऐतिहासिक धरोहर, वास्तुकला की झलक

जौनपुर का शाही किला शहर से करीब दो किलोमीटर दूर गोमती नदी के किनारे शाही पुल के पास स्थित है। इस ऐतिहासिक किले का निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने वर्ष 1362 में कराया था। यह वह समय था जब तुगलक वंश ने जौनपुर को एक मजबूत सैन्य व प्रशासनिक केंद्र का दर्जा दिया था। यह किला अपनी भव्यता और स्थापत्य कला के लिए मशहूर है। मुख्य द्वार के पास शौर्य का प्रतीक विजय स्तंभ, विशाल द्वार और मेहराब देखने लायक हैं। किले से गोमती नदी का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। जौनपुर की विरासत को दर्शाने के साथ शाही किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

शाही किला अपनी मजबूत दीवारों, ऊंचे दरवाजों और सुरक्षा की दृष्टि से तैयार की गई गहरी खाई के लिए जाना जाता है। किले का मुख्य द्वार काफी बड़ा और नक्काशीदार है। प्रवेश द्वार की ऊंचाई 36 फुट है, इसके उपर एक विशाल गुंबद बना है। किले के भीतर का गेट 26.5 फुट ऊंचा और 16 फुट चौड़ा है। कभी किले के भीतर कई महल, बावड़ियां और खूबसूरत इमारतें थीं, लेकिन वर्तमान में कुछ ज्यादा नहीं बचा है। किले के भीतर एक मस्जिद और एक तुर्की हम्माम ही केवल दो प्रमुख संरचनाएं बची हैं। परिसर में एक दरगाह के साथ एक गेट जैसी संरचना भी है। हम्माम पर बने ऊंचे,नीचे गुंबद बहुत सुंदर ढंग से बनाए गए हैं। वर्तमान में किला एक संरक्षित इमारत है।

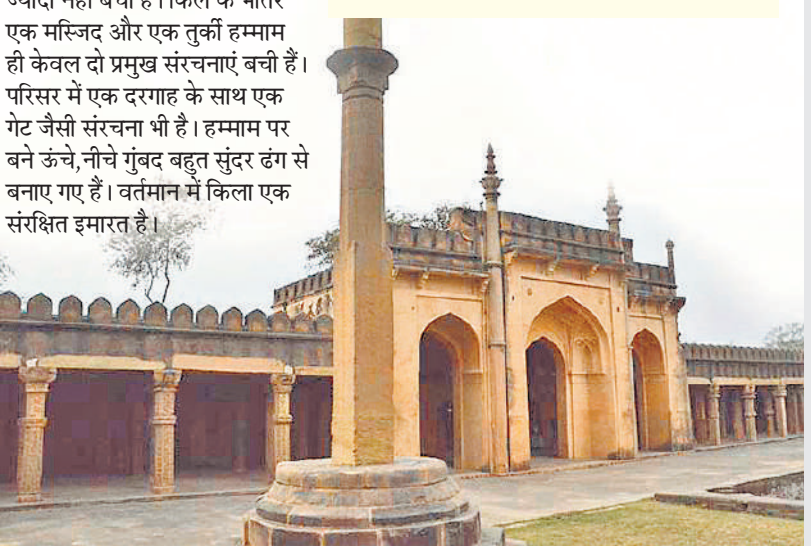

राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का प्रयोग

शाही किला को कन्नौज के राठौर राजाओं के मंदिरों और महलों की सामग्री का उपयोग करके बनाया गया था। इस किले को अनेक शासकों द्वारा कई बार नष्ट किया गया। मुगल साम्राज्य के शासन के दौरान किले का व्यापक जीर्णोद्धार और मरम्मत की गई। इसकी वजह किले का सामरिक रूप में महत्वपूर्ण होना था। बाद में यह किला अवध के नवाबों के अधीन रहा, लेकिन ब्रिटिश शासन के समय इसकी स्थिति कमजोर होती गई।

पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज

पूर्व में इसे केरार कोट किला कहते थे। किले का लेआउट पत्थर की दीवारों से घिरा एक अनियमित चतुर्भुज है। दीवारें उभरी हुई मिट्टी की दीवारों से घिरी हुई है। हालांकि मूल संरचनाओं के अधिकांश अवशेष खंडहर हालत में हैं या दफन हो चुके हैं। मुख्य द्वार पूर्व की ओर है। सबसे बड़ा आंतरिक द्वार 14 मीटर ऊंचा है। इसकी बाहरी सतह अशलर पत्थर से बनी है।

बाहरी दीवारों पर सजावटी आले, मेहराबों के बीच नीले-पीले पत्थर

16 वीं शताब्दी में जौनपुर के गवर्नर मिनम खान के संरक्षण में मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान एक और बाहरी द्वार स्थापित किया गया था। इसे एक बगल की बुर्ज के आकार में डिजाइन किया गया है। बाहरी द्वार के मेहराबों के बीच के स्पैन्ड्रेल या रिक्त स्थान को नीले और पीले रंग के पत्थरों से सजाया गया था। बाहरी द्वार की दीवारों में सजावटी आले बनाए गए हैं। किले की संरचना में स्थापित गुंबदों के शीर्ष पर खुलने के कारण प्रकाश अंदर आता है।

तुर्की शैली का हम्माम, मस्जिद निर्माण में हिंदू और बौद्ध शिल्प

किले के भीतर आदर्श तुर्की शैली का एक स्नानघर है, जिसे आमतौर पर हम्माम या भूलभुलैया के नाम से जाना जाता है। हम्माम आंशिक रूप से भूमिगत बना हुआ है, जिसमें इनलेट और आउटलेट चैनल, गर्म और ठंडा पानी और इसी तरह की अन्य सुविधाएं हैं। भीतर एक मस्जिद भी है। इब्राहिम बरबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद के निर्माण में हिंदू एवं बौद्ध शिल्प कला की छाप साफ दिखाई पड़ती है। इसे जौनपुर शहर की सबसे पुरानी इमारत गिना जाता है। इसके बगल में 12 मीटर ऊंचा पत्थर का स्तंभ है, जिस पर एक फारसी शिलालेख खुदा हुआ है, जो मस्जिद के निर्माण की कहानी बताता है। मस्जिद में तिहरे मेहराब हैं और इसके ऊपर तीन निचले केंद्रीय गुंबद हैं।

रंग-तरंग

खामोश पत्थरों में उतरता संगीत

इतिहास की किताबों में दर्ज कई इमारतें समय के साथ खामोश हो जाती हैं, लेकिन हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित 300 साल पुरानी बंसीलालपेट बावड़ी आज फिर से सांस ले रही है। कभी उपेक्षित और गुमनामी में डूबी यह ऐतिहासिक जल संरचना अब संगीत और कला के जरिए शहर की एक जीवंत सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है। 'टैंगी सेशंस' नामक समूह की पहल ने इस बावड़ी को हर वीकेंड एक अनोखे सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है। आम दिनों में शांत रहने वाली नक्काशीदार पत्थर की सीढ़ियां शनिवार और रविवार की शाम रोशनी से जगमगा उठती है। शाम 5:45 से रात 8 बजे तक ढलते सूरज की सुनहरी किरणें, बावड़ी की गहराई से आती ठंडी हवा और पानी में पड़ती रोशनी का

प्रतिबिंब मिलकर एक जादुई माहौल रचते हैं। दीवारों से टकराती संगीत की लहरें दर्शकों को इतिहास और वर्तमान के बीच एक रूहानी यात्रा पर ले जाती हैं। टैंगी सेशंस के संस्थापक अर्जुन का मानना है कि विरासत को सहेजने के लिए केवल ढांचे का संरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जीवंत बनाए रखना जरूरी है। उनके अनुसार, जब लोग बार-बार ऐसे स्थलों पर सांस्कृतिक अनुभव के लिए आते हैं, तो वे केवल दर्शक नहीं रहते, बल्कि उस विरासत के संरक्षक बन जाते हैं। यह पहल दर्शाती है कि कला और संगीत पुराने स्मारकों को नई पीढ़ी से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। बंसीलालपेट बावड़ी आज सिर्फ एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि हैदराबाद की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

यहां होने वाले कार्यक्रमों की सूची काफी विविधतापूर्ण है। इसमें लोक संगीत, सूफी गायन, कविता पाठ, मुशायरे, थिएटर और आधुनिक रैप सेशंस भी शामिल होते हैं। आयोजक ध्वनि के स्तर (Acoustics) का विशेष ध्यान रखते हैं ताकि संगीत बावड़ी की गरिमा और शांति के साथ मेल खाए। अब तक यहां सूफी गायकों से लेकर वायलिन वादक अभिजीत गुरजले जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ राहत इंदोरी और संजीता भट्टाचार्य जैसे नामचीन सितारे भी यहां शिरकत कर चुके हैं।

आर्ट गैलरी

क्लाउड मोनेट की 'Bridge over a Pond of Water Lilies'

'वॉटर लिली के तालाब पर पुल' क्लाउड मोनेट की 1899 की मशहूर इंप्रेशनिस्ट ऑयल पेंटिंग है। इसमें फ्रांस के गिवर्नी में उनके वॉटर लिली गार्डन के ऊपर बनाया गया जापानी-स्टाइल का लकड़ी का पैदल पुल दिखाया गया है। इसमें चमकीले हरे, नीले और गुलाबी रंगों को एक्सप्रेसिव ब्रशस्ट्रोक के साथ इस्तेमाल किया गया है। यह पेंटिंग न्यूयार्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कलेक्शन का हिस्सा है।

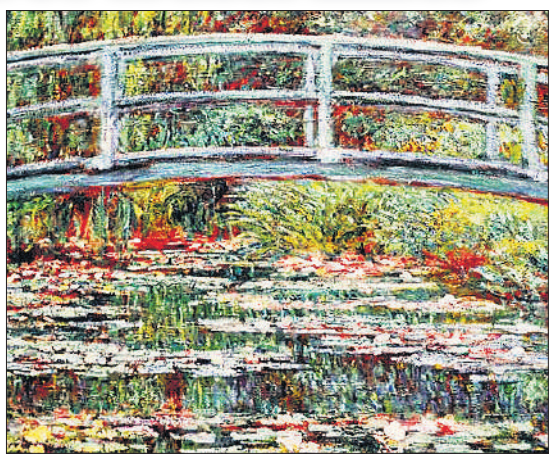

क्लाउड मोनेट के बारे में

ऑस्कर-क्लाउड मोनेट फ्रांसीसी चित्रकार थे। वह फ्रेंच इंप्रेशनिस्ट पेंटिंग के संस्थापक भी रहे। उनके पिता एडोल्फ मोनेट किराना व्यापारी थे। सबसे बड़े बेटे क्लाउड जब पांच बरस के थे, तो परिवार नॉर्मंडी तट पर ले हावरे के पास चला गया। उनका ज्यादातर समय समुद्र तटों पर बीता। यहीं से प्रकृति के प्रति उनकी नई सोच का जन्म हुआ। 15 साल की उम्र तक, मोनेट ने ले हावरे के कई स्थानीय लोगों के चारकोल कैरिकेचर बनाकर अपना नाम कमा लिया था। ये चित्र, जिन्हें वह 10-20 फ्रैंक में बेचते थे, उन पर 'ओ. मोनेट' के सिग्नेचर थे। वह इंप्रेशनिस्ट दर्शन के सबसे सुसंगत कलाकार थे। खासकर खुले आसमान के नीचे लैंडस्केप पेंटिंग के मामले में। 'इंप्रेशनिज्म' शब्द उनकी पेंटिंग इंप्रेशन, (इंप्रेशन, सनराइज) के शीर्षक से लिया गया है, जिसे 1874 में मोनेट और उनके सहयोगियों द्वारा सैलून डी पेरिस के विकल्प के रूप में आयोजित पहली स्वतंत्र प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया था। 1883 से, मोनेट गिवर्नी में रहते थे, जहां उन्होंने एक घर और प्रॉपर्टी खरीदी और एक बड़ा लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट शुरू किया, जिसमें लिली के तालाब शामिल थे, जो उनके सबसे मशहूर कामों का विषय बने। उन्होंने 1899 में वॉटर लिलीज की पेंटिंग बनाना शुरू किया, पहले जापानी पुल को मेन सब्जेक्ट बनाकर वर्टिकल व्यू में और बाद में बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स की सीरीज में, जिसमें वह अपनी जिंदगी के अगले 20 साल लगातार व्यस्त रहे। मोनेट का निधन 5 दिसंबर, 1926 को 86 साल की उम्र में फेफड़ों की बीमारी से हुआ। उनकी इच्छा के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार छोटा और सादा रहा।

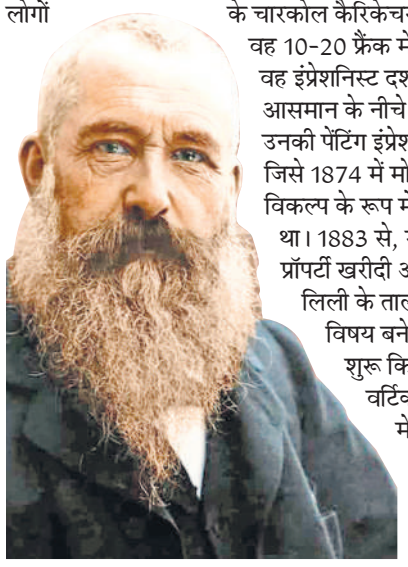

परंपराएं दुनिया की

रोमानिया की अनोखी परंपरा

नए साल का जश्न दुनियाभर में अलग-अलग अंदाज में मनाया जाता है। कहीं केक काटे जाते हैं, कहीं आतिशबाजी होती है, तो कहीं संगीत और नृत्य के साथ नए साल का स्वागत किया जाता है, लेकिन रोमानिया में नए साल का जश्न एक बिल्कुल अलग और अनोखी परंपरा के साथ मनाया जाता है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए।

यहां लोग नए साल के अवसर पर भालुओं जैसी भारी-भरकम पोशाकें पहनकर सड़कों पर उतरते हैं और पारंपरिक नृत्य करते हैं। इस परंपरा को 'डांस ऑफ द बेयर' कहा जाता है, जो सदियों पुरानी लोक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि भालू शक्ति, साहस और संरक्षण का प्रतीक होता है। भालू का यह नृत्य बुरी आत्माओं को दूर भगाने और आने वाले साल के लिए धरती को उपजाऊ व समृद्ध बनाने में सहायक माना जाता है। नृत्य के दौरान ढोल-नगाड़ों की तेज धुनें, रंग-बिरंगी वेशभूषा और सामूहिक उत्साह पूरे माहौल को जीवंत बना देते हैं। यह परंपरा न सिर्फ आस्था का प्रतीक है, बल्कि रोमानिया की सांस्कृतिक विरासत और लोक जीवन की गहराई को भी दर्शाती है।

फड़ चित्रकला: लोकआस्था की जीवंत परंपरा

फड़ चित्रकला राजस्थान की एक दुर्लभ और ऐतिहासिक लोककला है, जिसकी परंपरा लगभग 700 वर्षों से एक ही वंश में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसकी उत्पत्ति राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के पास स्थित शाहपुरा क्षेत्र में मानी जाती है। फड़ वस्तुत: एक विशाल स्क्रॉल पेंटिंग होती है, जिसमें स्थानीय देवी-देवताओं और लोकनायकों की विस्तृत धार्मिक कथाएं चित्रित की जाती हैं। इन चित्रों को चलती-फिरती या 'मोबाइल मंदिर' के रूप में देखा जाता था। रबारी जनजाति के पुजारी-गायक, जिन्हें भोपा और भोपी कहा जाता है, इन्हें अपने साथ गांव-गांव ले जाते थे।

लोकायन

रबारी जनजाति देवनारायणजी (विष्णु के अवतार) और लोकनायक पाबूजी की वीर गाथाओं को गायन और कथा-प्रस्तुति के माध्यम से जीवंत करते थे। सूर्यास्त के बाद फड़ को खोला जाता था और यह प्रस्तुति पूरी रात चलती रहती थी। स्थानीय बोली में 'फड़' का अर्थ 'मोड़ना' होता है, जो इस कला के स्वरूप को भी दर्शाता है। फड़ चित्रकला अत्यंत श्रमसाध्य और अनुशासनबद्ध प्रक्रिया से बनती है। इसे हाथ से बुने मोटे सूती कपड़े पर बनाया जाता है, जिसे पहले रातभर भिगोया जाता है ताकि धागे मजबूत हो सकें। इसके बाद चावल या गेहूं के आटे से बने स्टार्च से कपड़े को कड़ा किया जाता है, धूप में सुखाया जाता है और मूनस्टोन से रगड़कर सतह को चिकना व चमकदार बनाया जाता है।

इस कला की एक विशेषता इसका पूर्णतः प्राकृतिक होना है। रंग पत्थरों, फूलों, पौधों और जड़ी-बूटियों से तैयार किए जाते हैं। कलाकार इन्हें स्वयं बनाते हैं और गोंद व पानी के साथ मिलाकर कपड़े पर प्रयोग करते हैं। फड़ चित्रकला में पीला, नारंगी, हरा, भूरा, लाल, नीला और काला रंग प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। प्रत्येक रंग का प्रतीकात्मक उपयोग होता है- पीला प्रारंभिक रेखांकन और आभूषणों के लिए, नारंगी शरीर के अंगों के लिए, हरा वनस्पति के लिए, भूरा वास्तु संरचनाओं के लिए, लाल शाही वस्त्रों और सीमाओं के लिए, नीला जल व पर्दों के लिए, जबकि काला रंग अंत में रूपरेखा उभारने के लिए प्रयोग किया जाता है। इतनी सख्त पारंपरिक सीमाओं के कारण यह कला एक समय लुप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी। ऐसे में प्रसिद्ध फड़ चित्रकार और पद्मश्री से सम्मानित श्री लाल जी जोशी ने 1960 में भीलवाड़ा में जोशी कला कुंज की स्थापना कर इस परंपरा को नया जीवन दिया। उन्होंने पहली बार परिवार के बाहर के कलाकारों को भी फड़ कला सिखाने का साहसिक कदम उठाया। उनके पुत्र गोपाल और कल्याण जोशी के नेतृत्व में यह प्रयास और विस्तृत हुआ और 1990 में इस संस्थान का नाम चित्रशाला रखा गया। आज तक चित्रशाला में 3,000 से अधिक कलाकार प्रशिक्षित हो चुके हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल कला को जीवित रखना नहीं, बल्कि उसकी पारंपरिक तकनीकों और प्राकृतिक रंगों की जटिल प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना रहा है। फड़ चित्रकला केवल दृश्य सौंदर्य की कला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी लोककथाओं, आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का जीवंत दस्तावेज है। आधुनिक समय में ऐसी कलात्मक विरासतों को बढ़ावा देना आवश्यक है, क्योंकि यही भारत की लोकसंस्कृति और ऐतिहासिक चेतना को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,675.08	25,938.85
गिरावट	20.46	3.25
प्रतिशत में	0.02	0.01

सोना 1,39,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,41,000 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 31 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

ब्लिंकिट के सीएफओ विपिन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। इटर्नल के स्वामित्व वाली त्वरित वाणिज्य कंपनी ब्लिंकट के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) विपिन कपूरिया ने इस्तीफा दे दिया है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बताया कि कपूरिया ब्लिंकट से अलग हो गए हैं। हालांकि, इस संबंध में ब्लिंकट या उसकी मूल कंपनी इटर्नल की ओर से कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया। कपूरिया फ्लिपकार्ट के पूर्व कार्यकारी रह चुके हैं और एक साल पहले की ब्लिंकट के साथ जुड़े थे। कपूरिया ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है और कंपनी की प्रतिद्वंद्वी जेप्टो ने आईपीओ के माध्यम से 11,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं।

एअर इंडिया : प्लेटिनम व गोल्ड किट में बदलाव

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एअर इंडिया ने नए साल के मौके पर अपने गोल्ड और प्लेटिनम किटों में बदलाव की घोषणा की है। जो यात्री गोल्ड और प्लेटिनम स्टेटस के लिए योग्यता हासिल करते हैं, उन्हें यात्रा के दौरान ये किट प्रदान किए जाते हैं। महाराजा क्लब प्लेटिनम वेलकम किट में एक लेदर फोलियो, सदस्यता कार्ड, फ्रिज मैगनेट, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग, पासपोर्ट होल्डर, विशेष ताश के पत्ते और स्मारक पीतल का मेडल प्रदान किया जाएगा। महाराजा क्लब गोल्ड वेल्कम किट में सदस्यता कार्ड, विशेष तौर पर तैयार दो लगेज टैग और एक्रिलिक टी कोस्टर होगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 23.25 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.75 रुपये का बोला गया। इससे पहले लगातार तीन दिन भारतीय मुद्रा कमजोर हुई थी। सोमवार को यह आठ पैसे टूटकर 89.9825 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया मंगलवार को 89.98 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। यह ऊपर 89.73 रुपये प्रति डॉलर तक गया और अंत में 89.75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपया मजबूत हुआ है।

अश्लील और गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करें वर्ना भुगतने पड़ेंगे नतीजे

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों और सोशल मीडिया कंपनियों को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने ऑनलाइन मंचों विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को आगाह किया कि यदि वे अश्लील, अभद्र, बाल यौन शोषण से जुड़ी और अन्य प्रकार की गैरकानूनी सामग्री पर कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2025 को जारी चेतावनी में सोशल मीडिया कंपनियों से अपने अनुपालन ढांचे की तत्काल समीक्षा करने और अपने मंच पर अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें देश के कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि सोशल मीडिया मध्यस्थों सहित मध्यस्थों को याद दिलाया जाता है कि वे सूचना प्रौद्योगिकी

अधिनियम की धारा 79 के तहत वैधानिक रूप से बाध्य हैं कि वे अपने मंचों पर या उनके माध्यम से अपलोड, प्रकाशित, होस्ट, साझा या प्रसारित की गई तृतीय-पक्ष की जानकारी के संबंध में दायित्व से छूट प्राप्त करने की शर्त के रूप में उचित सावधानी बरतें। यह चेतावनी ऐसे समय जारी की गई है कि जब इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह पाया कि सोशल मीडिया मंच अश्लील, भद्दी, अनुचित और गैरकानूनी सामग्री पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। केंद्र ने दोहराया है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और/या सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर मध्यस्थों, मंचों तथा उनके उपयोगकर्ताओं के खिलाफ आईटी अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अन्य लागू आपराधिक कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के उन प्रावधानों की भी याद दिलाई है जिनके तहत ऑनलाइन मंचों को यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित प्रयास करने होते हैं कि उनके कंप्यूटर संसाधनों का उपयोग करने वाले लोग ऐसी कोई जानकारी होस्ट, प्रदर्शित, अपलोड, संशोधित, प्रकाशित, प्रसारित, संग्रहित, अद्यतन या साझा न करें जो अश्लील (पोर्नोग्राफिक), बाल यौन शोषण से जुड़ी (पीडोफिलिक), बच्चों के लिए हानिकारक या अन्यथा गैरकानूनी हो। मंत्रालय ने कहा कि उसके संज्ञान में यह आया है कि मध्यस्थों द्वारा उचित परिश्रम संबंधी दायित्वों के पालन में अधिक निरंतरता एवं सख्ती की आवश्यकता है।

तय समय के भीतर हटाएं गैरकानूनी सामग्री

आईटी मंत्रालय ने मध्यस्थों से कहा कि वे अदालत के आदेश या उपयुक्त सरकार या उसकी अधिकृत एजेंसी से प्राप्त सूचना पर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। यह कार्रवाई आईटी नियम, 2021 में निर्धारित समयसीमा के भीतर सख्ती से की जाए। आईटी नियम, 2021 के तहत अनिवार्य है कि यदि किसी व्यक्ति की ओर से शिकायत की जाती है और सामग्री प्रथमदृष्टया किसी को यौन कृत्य या आचरण में दर्शाती है या उसका प्रतिरूपण है तो मध्यस्थ 24 घंटे के भीतर ऐसी सामग्री को हटाएं या उस तक पहुंच निष्क्रिय करें। ऑनलाइन मंचों से अपने आंतरिक अनुपालन ढांचे, सामग्री नियंत्रण प्रक्रियाओं और उपयोगकर्ता प्रवर्तन तंत्र की तत्काल समीक्षा करने तथा आईटी अधिनियम व आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का सख्त पालन सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 20.46 अंक (0.02%) गिरकर 84,675.08 अंक पर बंद हुआ। यह ऊपर 84,806.99 अंक और नीचे 84,470.94 अंक तक गया। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 3.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत टूटकर 25,938.85 अंक पर आ गया। मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 फीसदी नीचे बंद हुआ। धातु, बैंकिंग और ऑटो सेक्टरों में लिवाली की जोर रहा। वहीं, रियलिटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियलिटी, आईटी, रसायन और स्वास्थ्य समूहों में बिकवाली हावी रही।

भारत से रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, 2022 के बाद सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था, दिसंबर में रह गया 12 लाख

दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं की ओर इशारा करती है।

ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

वित्तीय विवरण, वार्षिक रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीना और मिला

नई दिल्ली। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने मंगलवार को कंपनियों के लिए वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जनवरी, 2026 तक बढ़ा दी। यह विस्तार कंपनी कानून के तहत वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित फाइलिंग के लिए दिया गया है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर को समाप्त होने वाली थी।

मंत्रालय ने यह फैसला विभिन्न हितधारकों से मिले आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया है। कई कंपनियों और पेशेवरों ने फाइलिंग प्रणाली से जुड़ी तकनीकी और प्रक्रियागत समस्याओं की ओर मंत्रालय का ध्यान दिलाया था। मंत्रालय ने एक परिपत्र में कहा, हितधारकों से मिले

- कंपनियां अब 31 जनवरी तक दाखिल कर सकेंगी अपना वार्षिक रिटर्न

आवेदनों को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से संबंधित अपनी वार्षिक फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पूरी करने की अनुमति दी जाए। परिपत्र के अनुसार, अतिरिक्त शुल्क के बगैर दाखिल किए जा सकने वाले ई-फॉर्म में एमजीटी-7, एमजीटी-7ए, एओसी-4, एओसी-4 सीएफएस, एओसी-4 एनबीएफसी (इंड एएस), एओसी-4 सीएफएस एनबीएफसी (इंड एएस) और एओसी-4 (एक्सबीआरएल) शामिल हैं।

रिलायंस के लिए कार्यबल में दस गुना उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने रिलायंस एआई घोषणा पत्र का मसौदा पेश किया। इसमें समूह को एआई आधारित उन्नत प्रौद्योगिकी उद्यम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना है। साथ ही छह लाख से अधिक कर्मचारियों की उत्पादकता में दस गुना सुधार करने तथा भारत की अर्थव्यवस्था पर 10 गुना प्रभाव डालने का लक्ष्य रखा गया है।

एआई को मानव इतिहास का सबसे प्रभावशाली तकनीकी विकास बताते हुए अंबानी ने कहा कि उनका समूह भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व करना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने डिजिटल रूपांतरण का किया था। समूह का संकल्प हर भारतीय के लिए आसानी से एआई उपलब्ध कराना है, जिसमें सुरक्षा, भरोसा और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए सभी व्यवसायों में एआई को गहराई से समाहित किया जाएगा।

पाइपलाइन शुल्क ढांचे में सुधार के बाद सीएनजी-पीएनजी कीमतें घटनी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की तरफ से पाइपलाइन शुल्क ढांचे में किए गए सुधार का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचने लगा है। शहरी गैस वितरक कंपनियों ने सीएनजी और घरों तक पाइप से पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस की कीमतों में कटौती शुरू कर दी है।

पीएनजीआरबी ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए एक युक्तिसंगत और एकीकृत शुल्क ढांचे की घोषणा की थी। यह नया ढांचा एक जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले के बाद थिंक गैस कंपनी ने कई राज्यों में गैस कीमतें घटाने की घोषणा कर दी

- आने वाले दिनों में कई शहरी गैस कंपनियां घटा सकती हैं कीमतें

है और आने वाले दिनों में कई अन्य शहरी गैस वितरक कंपनियों के ऐसा करने की संभावना है। नियामक का कहना है कि नए ढांचे से गैस परिवहन प्रणाली अधिक सरल, न्यायसंगत और किफायती बनेगी। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक निर्माण, सीएनजी और घरेलू रसोई ईंधन के रूप में किया जाता है।

संशोधित शुल्क व्यवस्था के तहत दूरी आधारित शुल्क क्षेत्रों की संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है। ये दो शुल्क क्षेत्र 300 किलोमीटर तक और उससे अधिक दूरी के हैं। सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए अब पूरे देश में एकसमान, कम दर वाला जोन-1 शुल्क ही लागू होगा। यह दर लगभग 54 रुपये प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट है, चाहे गैस स्रोत की दूरी कुछ भी हो। इससे पहले लंबी दूरी वाली गैस पर अधिक शुल्क वसूला जाता था। शुल्क कटौती के बाद शहरी गैस वितरण से जुड़ी कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में सीएनजी की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक और घरेलू पीएनजी में लगभग तीन रुपये प्रति मानक घन मीटर की कटौती की घोषणा की है।

राष्ट्रीय

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा पर दायर की जनहित याचिका

हिंसा रोकने में संवैधानिक विफलता का आरोप, न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ देश में नस्ली भेदभाव एवं हिंसा को रोकने न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें इस तरह की हिंसा रोकने में लगातार संवैधानिक विफलता का भी जिक्र किया गया है।

जनहित याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। चकमा की 27 दिसंबर को देहरादून के सेलाक्वी क्षेत्र में नस्ली हमले में लगी गंभीर चोटों के कारण मृत्यु हो गई थी। उनाकोटी जिले के मचमारा के रहने वाले चकमा अगरतला के होली क्रॉस स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमबीए करने के लिए देहरादून गए थे, जहां उसके छोटे भाई माइकल की मौजूदगी में चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। चकमा के परिजन इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के लिए मौत की सजा या कम से कम आजीवन कारावास की मांग कर रहे हैं।

हम भारतीय हैं, इसे साबित करने के लिए हमें आपको कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए। टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द बेहद दुखद रूप से एंजेल चकमा के संवैधानिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। - याचिका

दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया है, व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, नस्ली अपमान को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनने तक अंतरिम) जारी की जाए।

याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक नोडल एजेंसी या स्थाई निकाय या आयोग या निदेशालय का गठन करें, जहां इस तरह के नस्ली अपराधों की रिपोर्ट की जा सके और उनका निवारण किया जा सके। याचिका में कहा गया है, केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर संबंधित पक्षों को निर्देश दिया जाए कि वे प्रत्येक जिले/महानगर में नस्ली अपराधों से निपटने के लिए एक समर्पित विशेष पुलिस इकाई का गठन करें। कहा गया है कि चकमा की हत्या कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली दुर्व्यवहार और हिंसा के लंबे समय से चले आ रहे सिलसिले का हिस्सा है।

कामकाज में सुगमता के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें उसके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से दलीलों और लिखित निवेदन प्रस्तुत करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है। यह कदम न्यायालय के कामकाज में सुगमता और न्याय मुहैया कराने की व्यवस्था में तेजी लाने के लिए उठाया गया है। सीजेआई सूर्यकांत और शीर्ष कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों ने सोमवार को एक परिपत्र जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलें प्रस्तुत करने की समयसीमा का पालन करने के लिए एसओपी तय की गई है। तत्काल प्रभाव से लागू इस एसओपी में कहा गया है, वरिष्ठ अधिवक्ता, दलील रखने वाले वकील और रिकॉर्ड पर मौजूद अधिवक्ता, नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में मौखिक बहस करने की समयसीमा सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले प्रस्तुत करेंगे। यह समय-सीमा न्यायालय को 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (एओआर) को पहले से उपलब्ध कराए गए उपस्थिति पर्ची जमा करने के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। कहा गया है कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं सहित बहस करने वाले वकील, अपने एओआर या पीठ द्वारा नामित नोडल वकील के माध्यम से, सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को एक प्रति देने के बाद संक्षिप्त नोट या लिखित प्रस्तुति दाखिल करेंगे, जो पांच पृष्ठ से अधिक का नहीं होगा।

चकमा की हत्या की धीमी जांच पर त्रिपुरा सरकार में नाराजगी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार ने देहरादून में नस्लीय हिंसा के शिकार हुए एंजेल चकमा के परिवार को एकमुश्त पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा कि चकमा के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस बीच त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथी ने मामले की जांच में धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई है।

त्रिपुरा सरकार में भाजपा की सहयोगी टिपरा मोथा के संस्थापक प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने एंजेल की हत्या में शामिल भगोड़े को पकड़वाने में मदद

- भाजपा की सहयोगी पार्टी टिपरा मोथा ने लगाया अपराध को कमतर आंकने का आरोप
- चकमा के परिवार को त्रिपुरा सरकार की ओर से पांच लाख रुपये देने की घोषणा

करने वाले सूचना देने वालों को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। उत्तराखंड सरकार की ओर से भगोड़े की गिरफ्तारी के लिए 25,000 रुपये के इनाम की खबरों पर देबबर्मन ने जांच की गंभीरता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या एंजेल की जान की कीमत यही है। उन्होंने अधिकारियों से आदिवासी समुदायों के खिलाफ अपराधों को कमतर आंकने से बचने की अपील की।

एमबीए के 24 वर्षीय छात्र एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल पर 9 दिसंबर को उत्तराखंड में देहरादून के सेलाकुई इलाके में कुछ लोगों ने चाकू से हमला किया था। एंजेल की उपचार के दौरान 26 दिसंबर को मौत हो गई, जबकि माइकल का इलाज चल रहा है। त्रिपुरा में छात्र संगठनों ने एंजेल और उनके भाई पर हुए नस्लीय हमले के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा है, जबकि उत्तराखंड पुलिस ने हमले में नस्लीय मकसद होने से इन्कार किया है।

चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं ममता बनर्जी : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है जिससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और भाजपा 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी।

शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य एजेंडा होगा। शाह ने घोषणा की कि बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ग्रिड स्थापित किया जाएगा। उन्होंने

- केंद्रीय गृहमंत्री ने तृणमूल प्रमुख पर बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का लगाया आरोप

कहा, इंसान छोड़ दीजिए, परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा, इस प्रकार की मजबूत ग्रिड की रचना हम करेंगे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आवश्यक भूमि उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए बीएसएफ को दोषी ठहराती हैं। मैं उनसे इस सार्वजनिक मंच से कह रहा हूं कि बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि भाजपा शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। उन्होंने कहा, ऐसा सिर्फ बंगाल में ही क्यों होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां आपकी सीधी निगरानी में घुसपैठ होती है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी में धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदलाव होता है, जिससे आपका वोट बैंक मजबूत होता है।

कांग्रेस का आयोग पर एसआईआर पर यूटर्न का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर एसआईआर को लेकर बार-बार यूटर्न लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किस प्रक्रिया का पालन तथा किस एप का उपयोग कर रहा है।

पार्टी के लोकसभा सदस्य शशिकांत सेंथिल ने यह दावा भी किया कि आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग बंद किया, लेकिन 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में फिर से शुरू कर दिया है। सेंथिल ने कहा, पहले डुप्लीकेट मतदाता की पहचान और उन्हें चिह्नित करने के लिए 'डी-डुप्लीकेशन सॉफ्टवेयर' का उपयोग किया जाता था। यदि कोई एक से अधिक बूथ या जिले में पंजीकृत पाया जाता है तो सॉफ्टवेयर इसे चिह्नित करता है, जिसके बाद बीएलओ निवास की जांच करने के लिए जमीनी सत्यापन करता है।

पांच महीने बाद भी धनखड़ को सरकारी आवास नहीं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पांच महीने बाद भी जगदीप धनखड़ को सरकारी आवास नहीं मिला है। अगस्त में धनखड़ ने केंद्र सरकार को सरकारी आवास के लिए एक पत्र भी लिखा था लेकिन उसका भी कोई नतीजा नहीं निकला।

- अगस्त में आवास मंत्रालय को लिखे पत्र भी कोई कार्रवाई नहीं

धनखड़ ने इस वर्ष संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ हफ्तों बाद सितंबर में उन्होंने अपने आधिकारिक आवास 'उपराष्ट्रपति एन्क्लेव' को खाली कर दिया था और दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में एक निजी फार्महाउस में चले गए थे। धनखड़ ने 22 अगस्त को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपतियों को प्राप्त होने वाले आधिकारिक आवास का अनुरोध किया था। धनखड़ के करीबी एक व्यक्ति ने कहा, इसके बाद भी अभी तक उन्हें वह आवास उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसके वह हकदार हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ लगभग दो लाख रुपये प्रति माह की पेंशन, टाइप-8 बंगला, एक निजी सचिव, एक अतिरिक्त निजी सचिव, एक निजी सहायक, एक चिकित्सक, एक नर्सिंग अधिकारी और चार निजी परिचारकों के हकदार हैं।

तृणमूल का जवाब, चुनाव में 50 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी भाजपा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के दो-तिहाई बहुमत हासिल किए जाने का उनका दावा हवा-हवाई है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ब्रत्य बसु ने कहा कि चुनाव में भाजपा 50 सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकेगी और उसे शर्मनाक हार

- कुलदीप सेंगर और बृजभूषण सिंह को संरक्षण देने वाले महिला सुरक्षा पर उपदेश न दें

का सामना करना पड़ेगा। तृणमूल की वरिष्ठ नेता और मंत्री शशि पांजा ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शाह की टिप्पणियों के जवाब में कहा, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को आपकी पार्टी के कार्यकर्ता माला पहनाते हैं। आपकी पार्टी कुलदीप सेंगर और बृज भूषण को संरक्षण देती है जिन पर अत्याचार करने के आरोप लगे हैं। शाह को महिलाओं की सुरक्षा पर उपदेश नहीं देना चाहिए। पांजा ने शाह और भाजपा पर उस अपराजिता विधेयक को पारित होने में बाधा डालने का आरोप लगाया जिससे बलात्कारियों को दोषी पाए जाने के बाद नजीर बनने वाली सजा सुनिश्चित हो पाती।

जिया के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध रहे जटिल और तनावपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के दो पूर्व राजनयिकों ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का राजनीतिक उत्थान, उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की पुनः स्थापना के प्रति देश की दृढ़ता का प्रतीक था और साथ ही उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को भी मजबूती दी, जो उनके पति की मृत्यु के बाद पूरी तरह बिखरने के गंभीर खतरे का सामना कर रही थी।

उन्होंने यह भी कहा कि खालिदा जिया के कार्यकाल के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे, जिसका कारण पूर्वोत्तर भारत में उग्रवादियों

● बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

को कथित समर्थन और उन्हें बांग्लादेश में पनाह मिलना बताया गया। हालांकि सैन्य शासन के पश्चात उनकी देश में लोकतंत्र बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत की पूर्व उच्चायुक्त वीणा सिकरी ने कहा कि जिया के दूसरे कार्यकाल (2001-2006) के दौरान पाकिस्तान का प्रभाव काफी अधिक था और यह भारत के लिए बेहद कठिन समय था। पूर्व राजनयिक वेणु राजामोनी ने कहा कि जिया के शासन में भारत-बांग्लादेश संबंध जटिल और अक्सर तनावपूर्ण रहे।

पति की कब्र के बगल में होंगी सुपुर्द-ए-ख़ाक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को जोहर की नमाज के बाद संसद के साउथ प्लाजा और उससे सटे मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

आधुनिक अस्त्र शस्त्रों से लैस होगी सेना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी तीनों सेनाओं को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया है। इसके लिए सेनाओं को नए और अत्याधुनिक हथियारों और युद्ध में सहायक उपकरणों से लैस किया जा रहा है जो नई युद्ध प्रणाली में कारगर साबित होंगी। हाल ही में सरकार ने 79 अरब रुपये के सैन्य साजो सामान की खरीद को मंजूरी दी है। जिसके तहत तोपखाना रेजिमेंट की क्षमता में इजाफा करने के लिए घातक ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले वायुयानों और ड्रोन का पता लगाने के लिए लो लेवल रडार, रॉकेट लांचर, लंबी दूरी तक मार करने वाले गाइडेड रॉकेट और लंबी दूरी तक मार करने वाली एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 शामिल है। इनसे न केवल सेना को मजूबती मिलेगी वरन वैश्विक परिदृश्य में भारत की सामरिक ताकत में भी इजाफा होगा।

बढ़ेगी देश की ताकत

बड़े हथियार और रणनीतिक प्रणालियां

● रक्षा मंत्रालय ने जिन हथियार और प्रणालियों की खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उसमें विशेष रूप से लॉइटर म्यूनिशन, लंबी दूरी के रॉकेट, उन्नत राडार और ड्रोन इंटरसेप्शन सिस्टम शामिल हैं, जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता काफी मजबूत होगी। सेना के लिए क्लोज-क्वार्टर बैटल कार्बाइन जैसे आधुनिक छोटे हथियारों की खरीद भी तय हुई है, जो नजदीकी युद्ध और शहरी मुकाबलों में सैनिकों की प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाएंगे। नौसेना के लिए हैवी-वेट टॉरपीडो की खरीद से समुद्री लड़ाकू क्षमता में इज़ाफा होगा। इसके पूर्व भी सेना के लिए खरीद सौदों को मंजूरी दी गई थी।

कम ऊंचाई के वॉर में बढ़ेगी क्षमता

● **लो लेवल रडार** : ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का ध्यान जहां कम ऊंचाई वाले हवाई युद्ध में क्षमता बढ़ाने पर है। लो लेवल रडार कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, यूएवी की पहचान कर सकेंगे और उन्हें खतरे से पहले नष्ट किया जा सकेगा।

लांग रेंज गाइडेट रॉकेट : लांग रेंज गाइडेड रॉकेट सामान्य रॉकेटों की तुलना में अचूक निशाना लगाने में सक्षम होगा।

एंटी ड्रोन प्रणाली मार्क-2 : रेंज ज्यादा होने से यह युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में रक्षा करने में सक्षम होगी। इससे दूर से ही दुश्मन को मार गिराया जा सकता है।

ऑटो टेक ऑफ प्रणाली : वायुसेना को स्वचालित टेक ऑफ और लैंडिंग रिकार्डिंग प्रणाली मुहैया कराई जाएगी जिससे हवाई सुरक्षा की कमियां दूर होंगी।

महत्वपूर्ण भूमिका

● 2025 में सेना के कई सफल ऑपरेशन्स में इन नई प्रणालियों की भूमिका रही है, और इससे सेना की समग्र तैयारी और आत्म-निर्भरता में वृद्धि हुई है। आधुनिक युद्ध अब सिर्फ़ सैनिक ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और प्रणाली की ताकत है। मॉडर्न हथियार और सिस्टम से सेनाओं की वास्तविक सैन्य सक्षमता बढ़ेगी, खासकर सीमा पर चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के मुकाबले में।

समुद्र में भी मजबूत

● नौसेना को भी मानव रहित निगरानी ड्रोन के अलावा अन्य संशाधनों से लैस किया जा रहा है। नौसेना के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को बंदरगाह पर सुरक्षित लाने और ले जाने के लिए बोलार्ड पुल टग्स दिए जाएंगे। गुप्त संचार के लिए हाई फ्रिक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक से लैस किया जाएगा। यह पीठ पर लादा जा सकने वाली संचार प्रणाली है जिसे आसानी से हैक नहीं किया जा सकेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पुतिन ने मुर्मू, मोदी को दी नववर्ष की बधाई

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व के नेताओं को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन कहा कि क्रिसमस और आगामी नव वर्ष 2026" के लिए ये शुभकामनाएं दी गईं। पुतिन ने चीन और स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल (सीआईएस) देशों के नेताओं को शुभकामनाएं दीं, लेकिन उन प्रमुख यूरोपीय देशों को नजरअंदाज किया, जो वर्तमान में यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, पुतिन ने नाटो और यूरोपीय संघ के मित्र सदस्य देशों हंगरी और स्लोवाकिया के नेताओं को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक को भी बधाई दी। तीस दिसंबर रूस में कामकाज का आखिरी दिन है, क्योंकि देश में नए साल और ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस (जो सात जनवरी को मनाया जाता है) की लंबी छुट्टियां शुरू हो जाती हैं, जो 12 जनवरी तक चलती हैं।

चीन कर रहा ताइवान पर हमले की तैयारी

ताइपे। अमेरिकी सीनेटर रोजर विकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि चीन ने ताइवान पर हमला करने की तैयारी तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि चीन की तैयारी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की नाकाबंदी करने की क्षमता दिखाने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन की गई है। रोजर ने कहा कि ताइवान पर हमले के लिए चीन के अभ्यास लगातार तेज हो रहे हैं। ये कम समय के नोटिस पर होने वाले अभ्यास पीएलए की ताइवान की नाकाबंदी लागू करने की क्षमता दिखाने और कम्युनिस्ट चीनी पार्टी को ताइपे पर दबाव बनाने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंबोडिया की सीमा पर ड्रोन उड़ान पर प्रतिबंध

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने खासकर थाईलैंड से लगे अपने सीमावर्ती इलाकों में सोमवार की रात से बिना इजाजत के ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कम्बोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजधानियों और प्रांतों में विशेष रूप से कोह कोंग, पुरसात, बट्टमबांग, बंतेय मीनचे, ओडार मीनचे, प्रेह विहार और पायलिन के सीमावर्ती प्रांतों में बिना अनुमति के सभी प्रकार के मानवरहित हवाई वाहनों (ड्रोन) के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाता है। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों और सैनिकों के लिए सुरक्षा, संरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर ईरान पर हमला करेगा अमेरिका

ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान दी चेतावनी

● हमास को भी जल्द हथियार छोड़ने के लिए चेताया

पाम बीच (फ्लोरिडा), एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोशिश की तो अमेरिका उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। ट्रंप ने यह चेतावनी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का अपने फ्लोरिडा स्थित आवास पर स्वागत के दौरान दी। नेतन्याहू गाजा सहित अन्य मुद्दों पर व्यापक बातचीत के लिए फ्लोरिडा पहुंचे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के मार-ए-लागो एस्टेट पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी अहम है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल-हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नई गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।

फ्लोरिडा में मार-ए-लागो क्लब में दोपहर के भोजन के दौरान मुलाकात करते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।

ट्रंप ने दोहराया भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने के अपने दावे को फिर दोहराया। सोमवार को फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो में नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक शुरू करते हुए ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने अब तक आठ युद्ध रुकवाए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि आठ युद्धों का निपटारा किया... अजरबैजान को लेकर पुतिन ने मुझसे कहा कि मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आपने वह युद्ध सुलझा दिया।

सेना को कार्बाइन, नौसेना को मिलेंगे तारपीडो

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने सेना के लिए क्लोज क्वार्टर बैटल (सी क्यू बी) कार्बाइन और नौसेना के लिए हेवी वेट तारपीडो की खरीद के 4,666 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए।

● रक्षा मंत्रालय ने 4666 करोड़ के अनुबंधों पर किए हस्ताक्षर

सेना और नौसेना के लिए सहायक उपकरणों के साथ लगभग 4 लाख 25 हजार सीक्यूबी कार्बाइन खरीदी जाएंगी और इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और पीएलआर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ 2,770 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। सी क्यू बी स्वदेशी, हल्की और कॉम्पैक्ट बंदूक है जिसे खास तौर पर नजदीकी लड़ाई और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के तहत पुरानी हथियार प्रणालियों को अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक में बदलते हुए भारतीय सैनिकों को विश्वस्तरीय मारक क्षमता से लैस करने के असाधारण और सतत प्रयासों की परिणति है। सीक्यूबी आधुनिक पैदल सेना के शस्त्रागार का अहम हिस्सा हैं।

रूस ने अपने बेड़े में शामिल की नई परमाणु मिसाइल

मास्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसकी परमाणु सक्षम ओरेशिनक मिसाइल प्रणाली सक्रिय सेवा में शामिल हो गयी है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांतिवार्ता में शामिल वार्ताकारों की लड़ाई को खत्म करने को लेकर की जा रही कोशिशों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है।

मंत्रालय ने बताया कि ये मिसाइलें पड़ोसी देश बेलारूस में तैनात की गयी हैं जहां सैनिकों ने इस अवसर पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि कितनी मिसाइलें तैनात की गई हैं। उसने कोई अन्य विवरण भी नहीं दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिसंबर के आरंभ में कहा था कि ओरेशिनक इस महीने युद्धक सेवा में शामिल हो जाएगी।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, बढ़ा तनाव

दुबई, एजेंसी

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। संयुक्त अरब अमीरात ने इन हमलों की तत्काल पुष्टि नहीं की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है।

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी

● यूएई से अलगाववादियों के लिए लाए हथियारों पर साधा निशाना

बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी।

इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है। बाद में, सऊदी अरब ने यूएई को चेतावनी दी कि यमन में अलगाववादियों की गतिविधियों को उसके द्वारा दिया जा रहा समर्थन बेहद खतरनाक है। सऊदी विदेश मंत्रालय के इस बयान में यूएई को एसटीसी की हालिया गतिविधियों से सीधे तौर पर जोड़ा गया। यह बयान अलगाववादियों के कदमों को लेकर अबू धाबी के लिए चेतावनी है।

बांग्लादेश ने भारत से अपने उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

ढाका। भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे' पर सोमवार रात को ढाका पहुंच गए। सोमवार देर रात मिली रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है। दैनिक समाचार पत्र प्रथोम आलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों की हालिया स्थिति को देखते हुए नयी दिल्ली में बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम रियाज हमीदुल्लाह को आपात आधार पर ढाका बुला लिया गया है।

युवा पीढ़ी को भारत की जड़ों और विरासत से जोड़ रहा संघ

नागपुर, एजेंसी

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने युवा पीढ़ी को उनकी जड़ों, विरासत और भारत के इतिहास से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंगलवार को प्रशंसा की और कहा कि संगठन द्वारा संचालित गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं।

रेवाच ने यह भी कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत और इजराइल रणनीतिक सहयोगी हैं। इजराइली महावाणिज्यदूत ने नागपुर हवाई अड्डे पर कहा

● इजराइली राजनयिक ने की संगठन के कार्यों की प्रशंसा

कि मेरे लिए आरएसएस का दौरा करना और यहां उनके द्वारा आयोजित गतिविधियों को देखना महत्वपूर्ण था। ये गतिविधियां बहुत प्रभावशाली हैं क्योंकि वे युवा पीढ़ी के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें भारत की जड़ों, विरासत और इतिहास से जोड़ रहे हैं।

उन्होंने एक दिन पहले रेशिमबाग क्षेत्र स्थित स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया था, जहां आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार का स्मारक है।

साहित्य महोत्सव में शामिल होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 22 जनवरी से शुरू होने वाले नौवें केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में भाग लेने वाली हैं। उम्मीद है कि अंतरिक्ष में 300 से अधिक दिन बिता चुकीं 60 वर्षीय विलियम्स पृथ्वी से दूर अपनी यात्रा, विज्ञान, अन्वेषण, नेतृत्व और मानवीय जिज्ञासा की स्थायी शक्ति के बारे में बात करेंगी। केएलएफ के मुख्य सूत्रधार रवि डीसी ने कहा कि केरल साहित्य महोत्सव हमेशा से ही विज्ञान को महत्व देता आया है।

हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टर ध्रुव एनजी को हरी झंडी दिखाकर पहली उड़ान के लिए रवाना किया। यहां उड़ान भरने से पहले केंद्रीय मंत्री ने हेलीकॉप्टर की उन्नत प्रणालियों और विशेषताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए पायलट के साथ कॉकपिट में प्रवेश किया।

ध्रुव एनजी महज 5.5 टन का एक हल्का, दो इंजन वाला और बहु-भूमिका हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय भूभाग की विविध और

● नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया देश के लिए अहम उपलब्धि

चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हेलीकॉप्टर भारतीय विमानन इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है और उन्होंने इस उपलब्धि के लिए एचएएल के सभी कर्मचारियों, डिजाइनरों और इंजीनियरों से लेकर तकनीशियनों तक को बधाई दी।

नायडू ने कहा कि नागरिक विमानन मंत्री के रूप में यह मेरे लिए विशेष रूप से गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह विकास स्वदेशी एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ध्रुव-एनजी महज एक मशीन नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के प्रति भारत की क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए डीजीसीए द्वारा टाइप सर्टिफिकेट देने को नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए अहम बताया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 31 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 1 जनवरी 01.47 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

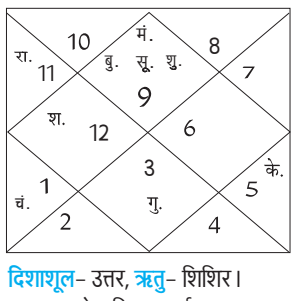

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- कृत्तिका 1 जनवरी 01.29 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष आज किसी पुरानी समस्या का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन पर आपको काफी ध्यान देना चाहिए। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी। आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष आज धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने के लिए दिन काफी शुभ है। किसी बड़े कार्य को लेकर धन की समस्या हल हो सकती है। बच्चों को बड़ी सफलता मिल सकती है।

मिथुन आज लंबी दूरी की यात्रा न करें। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अहंकारी प्रवृत्ति के लोगों को आलोचना झेलनी पड़ सकती है। रक्तचाप और गठिया रोगियों को परेशानी होने की संभावना है।

कर्क आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से चली आ रही समस्या दूर होगी। कई पुरानी यादें अचानक आपके सामने उभरकर आएंगी। अनुसंधान संबंधित प्रोजेक्ट्स में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आप काफी अच्छा समय बिताएंगे।

सिंह आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं वही आपको काफी परेशान कर सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। पड़ोसी आपकी काफी मदद करना चाहेंगे।

कन्या आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। लोग आपसे काफी अपेक्षाएं रखे हुए हैं, जिसे आप पूरा भी करेंगे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

तुला आज नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ नहीं है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रुझान कम हो सकता है। शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिजनों के साथ घूमने जा सकते हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। विद्वान लोगों की संगति आपके लिए लाभकारी होगी।

धनु आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। इसका सीधा लाभ आपको कार्यक्षेत्र में भी प्राप्त होगा। आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में स्थापित होगी।

मकर आज आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी। बिना मांगे किसी को सलाह देने के कारण अपमान हो सकता है। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं।

कुंभ आज आपकी कोई बात निकटस्थ लोगों को व्यथित कर सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें। प्रेमी जन के साथ संवादहीनता के कारण बात बिगड़ सकती है।

मीन आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। आपके सभी काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। जीवनसाथी को कुछ उपहार दे सकते हैं।

सुडोकू-18

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8	2		9	4	1		
		3		8				5
		9	6		7			
3				6		7		9
	1						4	
8		6		5				2
			3		8	5		
5				2		4		
		7	9	1		8	6	

सुडोकू - 17 का हल

4	6	8	1	3	9	5	7	2
7	3	5	8	2	4	9	1	6
1	9	2	5	6	7	4	3	8
2	4	6	3	5	8	7	9	1
5	1	9	7	4	6	8	2	3
8	7	3	9	1	2	6	5	4
3	5	4	6	9	1	2	8	7
9	2	7	4	8	3	1	6	5
6	8	1	2	7	5	3	4	9

भले ही ऑस्ट्रेलिया टी-20 या वनडे चैंपियन न हो, लेकिन वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। फरवरी में जब हम भारत की मेजबानी करेंगे तो मैं और मेरी टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।
एशले गार्डनर
ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

मुरादाबाद, बुधवार ,31 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

खालिदा जिया के निधन के बाद बीपीएल का मैच स्थगित

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने देश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। बीपीएल के मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सिलहट टाइटन्स और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया। बीसीबी ने एक्स पर कहा कि बीपीएल 2026 बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान सम्मान में एकजुट है। 30 दिसंबर 2025 को होने वाले मैच 31 दिसंबर 2025 को खेले जाएंगे।

पूरा वेतन न मिलने पर प्रो लीग का बहिष्कार करेंगे पाक खिलाड़ी

लाहौर। पाकिस्तान की हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में होने वाले पुरुष एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है। इन खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि उन्हें इस महीने की शुरुआत में खेले मैचों के लिए पूरा दैनिक भत्ता नहीं दिया गया है। राष्ट्रीय पुरुष टीम के दो सदस्यों ने पुष्टि की कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को स्पष्ट संदेश भेज दिया गया था कि यदि वित्तीय मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो कई खिलाड़ी एफआईएच प्रो लीग के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

पीसीबी ने मुख्य कोच महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले हटा दिया गया है। पाकिस्तान अगला टेस्ट मैच मार्च 2026 में खेलेगा। बोर्ड के सूत्र ने बताया कि अजहर का अनुबंध मार्च में समाप्त हो रहा है और पाकिस्तान की टीम का टेस्ट दौरा मार्च 2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए मुख्य कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है। अजहर का बोर्ड के साथ दो साल का अनुबंध था। उन्हें पिछले साल टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

ब्रैडमैन की बैगी ग्रीन कैप होगी नीलाम

सिडनी। महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी उसकी अगले महीने नीलामी होगी। ब्रैडमैन ने भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंगा वासुदेव सोहोनी को कैप उपहार में दी थी। वह स्वतंत्र भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई हैं लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया या बिक्री के लिए नहीं रखा गया। ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस (एएपी) के अनुसार यह कैप 75 वर्षों से अधिक समय से एक ही परिवार के पास है। लॉयड्स ऑक्शंस के ली हेम्स ने कहा कि यह क्रिकेट इतिहास की वास्तविक वस्तु है जिसे सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने उपहार में दिया था।

भारत ने 5-0 से किया क्लीन स्वीप

पांचवां और अंतिम टी-20 मैच श्रीलंका को 15 रनों से हराकर शृंखला की अपने नाम

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने पांचवें और अंतिम महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को श्रीलंका को 15 रन से हराकर पांच मैच की शृंखला में 5-0 से क्लीनस्वीप किया। भारत ने किसी द्विपक्षीय शृंखला में स्वदेश में पहली और कुल तीसरी बार 5-0 से किसी टीम का सूपड़ा साफ किया है। श्रीलंका को पहली बार इस अंतर से हार का सामना करना पड़ा है।

भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम हसिनी परेरा (65 रन, 42 गेंद, आठ चौके, एक छक्का) और इमेशा दुलानी (50 रन, 39 गेंद, आठ चौके) के अर्धशतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट की 79 रन की साझेदारी के बावजूद सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, श्री चरणी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट चटकाया। हरमनप्रीत ने 43 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के से 68 रन की पारी खेलने के अलावा अमनजोत (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को सात विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति ने अंत में 11 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 27 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी (11 रन पर दो विकेट), कप्तान चामरी अटापट्टू (21 रन पर दो विकेट) और रश्मिका सेवांडी (42 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

मैच के दौरान साथियों खिलाड़ियों के साथ भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका ने दूसरे ओवर में ही कप्तान चामरी (02) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अरुंधति की गेंद पर दीप्ति शर्मा को कैच थमाया। हसिनी और इमेशा ने पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 48 रन तक पहुंचाया। इमेशा ने दीप्ति पर लगातार दो चौकों के अलावा अरुंधति और स्नेह की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। इमेशा और हसिनी ने पावर प्ले के बाद स्ट्राइक रोटेट करने को तरजीह दी। दोनों ने हालांकि खराब गेंदों को सबक सिखाने में भी कोताही ही नहीं बरती। इमेशा ने वैष्णवी पर लगातार दो चौकों और फिर एक रन के साथ सिर्फ 38 गेंद में अपना पहला टी20 अर्धशतक पूरा किया।

हरमनप्रीत ने इसके बाद गेंद अमनजोत को थमाई जिन्होंने पहली ही गेंद पर इमेशा को शेफाली के हाथों कैच कराके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। श्रीलंका के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन इसी ओवर में दीप्ति ने निलाक्षिका सिल्वा (03) को पगबाधा कर दिया। वैष्णवी ने अगले ओवर में कविशा दिलहारी (05) को बोल्ड करके श्रीलंका को चौथा झटका दिया। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 64 रन की दरकार थी। हसिनी ने अमनजोत की गेंद पर एक रन के साथ अपने 89वें मैच में पहला अर्धशतक पूरा किया। हसिनी ने श्री चरणी की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गईं। श्रीलंका ने विकेटकीपर बल्लेबाज कौशिनी नुथ्यानग्ना (01) और हर्षिता समरविक्रम के विकेट लगातार गेंद पर गंवाए जिससे उसकी जीत की उम्मीदें टूट गईं। टीम को अंतिम दो ओवर में 34 रन की जरूरत थी जो उसके लिए पहाड़ जैसा लक्ष्य साबित हुआ। इससे पहले चामरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद भारत ने फॉर्म में चल रही शेफाली वर्मा (05) का विकेट दूसरे ओवर में ही गंवा दिया जिनका लॉन्ग ऑन पर इमेशा दुलानी ने शानदार कैच लपका। पदार्पण कर रही सलामी बल्लेबाज जी कमालिनी (12) और हरलीन देओल ने माल्की मदारा और निमाशा मीपागे पर चौके जड़े। कविशा ने कमालिनी को पगबाधा करके भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावर प्ले में दो विकेट पर 40 रन बनाए। रश्मिका ने हरलीन (13) को बोल्ड करके भारत का स्कोर तीन विकेट पर 41 रन किया।

हरमनप्रीत ने इनोका रणवीरा पर तीन चौकों के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन ऋचा घोष सिर्फ पांच रन बनाने के बाद चामरी की गेंद पर विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यानग्ना को कैच दे बैठीं। चामरी ने दीप्ति शर्मा (07) को निमाशा के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया। अमनजोत कौर (21) ने 14वें ओवर में निमाशा पर चौके के साथ 31 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया जबकि हरमनप्रीत ने भी गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराए।

हरमनप्रीत ने अगले ओवर में चामरी पर लगातार दो चौकों और एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन पार पहुंचाया। हरमनप्रीत ने इनोका की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। अमनजोत ने रश्मिका पर छक्का मारा लेकिन अगली गेंद पर कविशा को कैच दे बैठीं। कविशा ने अगले ओवर में हरमनप्रीत को बोल्ड करके भारत को बड़ा झटका दिया। अरुंधति ने अंतिम ओवर में मदारा की लगातार गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ टीम का स्कोर 170 रन के पार पहुंचाया।

आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग

शेफाली-रेणुका ऊपर दीप्ति नंबर 1 पर कायम

दुबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 शृंखला के दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए।

चौथे टी-20 में 80 रन बनाने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर है जबकि जेमिमा रौड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं जबकि रेणुका सिंह ठाकुर शीर्ष दस में पहुंची हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं। भारत की बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी 17 पायदान चढकर 52चें और वैष्णवी शर्मा 390 पायदान चढ़कर 124वें स्थान पर है। श्रीलंका के लिए खब्बू सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 114 पायदान चढ़कर 71वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

क्रिकेट में आपको ज़ीरो से शुरू करना होता है : स्मृति मंधाना

त्रिवेंद्रम। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में हर पारी शुरू से शुरू होती है और पिछला प्रदर्शन भविष्य में सफलता की गारंटी नहीं देता, उन्होंने सभी फ़ॉर्मेट में संतुलित सोच की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के शेयर किए वीडियो में मंधाना ने कहा कि क्रिकेट में आपको जीरो से शुरू करना होता है। स्कोरबोर्ड हमेशा जीरो पर होता है। यह कभी नहीं होता जो आपने पिछले मैच या पिछली सीरीज में किया हो। अलग-अलग फ़ॉर्मेट में उम्मीदें अलग होती हैं, टी-20 में वनडे और टेस्ट की तुलना में अलग मानसिक नजरिए की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टी20 थोड़ा इस तरह का है जहां आप आउट होने के बाद खुद पर बहुत ज्यादा सख़्त नहीं हो सकते क्योंकि आप ऐसी रफ़्तार से खेल रहे होते हैं जहां कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह कामयाब होगा और कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह नहीं होगा। मैं वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट को लेकर खुद पर बहुत सख़्त हूं, क्योंकि आपके पास बहुत समय होता है। अगर आप वहां आउट होते हैं, तो यह मेरे लिए पाप जैसा लगता है। जहां कुछ खास दिनों में काबिलियत से मैच जिताए जा सकते हैं, वहीं खिलाड़ियों को बिना सोचे नाकामियों को स्वीकार करना चाहिए।

विश्व ब्लिट्ज : अर्जुन एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन ने आपा खो दिया

दोहा, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मजबूत एंडगेम और त्वरित गणना के कौशल का नमूना पेश करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर विश्व ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप के पहले दिन संयुक्त बढ़त ली। एरिगैसी ने अन्य शीर्ष ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को भी मात देकर तीन अन्य गेम ड्रॉ किए। एरिगैसी ने पहले दिन 10 अंक हासिल किए और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

एरिगैसी ने कार्लसन को नौवें दौर में तनावपूर्ण एंडगेम में हराया। एरिगैसी के पास नौ सेकंड जबकि कार्लसन के पास तीन सेकंड थे। नॉर्वे का खिलाड़ी जैसे ही रानी को चलने वाला था, मोहरा उनके हाथ से फिसलकर मेज से बाहर जा गिरा। संयोग से तब अलेक्जेंडर ग्रिशुक वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने रास्ते से हटने की कोशिश की। जब तक कार्लसन ने अपनी रानी उठाई और उसे बोर्ड पर रखा, तब तक उनका समय समाप्त हो चुका था। विश्व ब्लिट्ज 2024 के सह-चैंपियन कार्लसन और इयान नेपोम्नियाची के संभावित 13 में से नौ अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए मंगलवार को छह और राउंड खेले जाएंगे, जिसके बाद फाइनल होगा।

कार्लसन ने गुस्से में मेज पर मारा मुक्का

कार्लसन अपना गुस्सा नहीं छिपा सके और उन्होंने मेज पर मुक्का मारकर उसे बुरी तरह हिला दिया। कार्लसन ने इसी साल नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में डी गुकेश से हारने के बाद मेज पर इसी तरह हाथ पटका था। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों से ठीक पीछे छह खिलाड़ी हैं जिनके समान 9 .5 अंक हैं।

महिला वर्ग में हंपी नहीं दोहरा सकीं प्रदर्शन

महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हंपी रविवार को रैपिड वर्ग में कांस्य पदक जीतने के दौरान दिखाए प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं और 10 राउंड के बाद संयुक्त रूप से 61वें स्थान पर खिसक गईं। उनका दिन पांच अंकों के साथ समाप्त हुआ, जहां उनके साथ चीन की ग्रैंडमास्टर टैन झोंगयी भी हैं। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से 30वें स्थान पर हैं जबकि ग्रैंडमास्टर डी हरिका और आर वैशाली के समान 5 .5 अंक हैं। महिला वर्ग में पांच और राउंड होंगे, जिनमें से शीर्ष चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और उसके बाद फाइनल होगा।

2025

खेलों में नारी शक्ति ने दिखाया जलवा

भारतीय खेल प्रतिस्पर्धाएं

डोपिंग और प्रशासनिक समस्याएं बनी रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

चाहे वह क्रिकेट के मैदान की गहमागहमी हो या मुक्केबाजी का क्रूर रिंग या फिर शतरंज के बोर्ड पर दिमागी खेल हो या निशानेबाजी और तीरंदाजी में सटीक लक्ष्य लगाना, 2025 में महिला खिलाड़ियों ने हर खेल में अपनी खास छाप छोड़ी।

शतरंज में 19 वर्षीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख भारत की पहली महिला विश्व कप विजेता बनीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली क्रिकेट टीम ने मुश्किल दौर से उबरकर महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा। निशानेबाजी में 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल में तीन व्यक्तिगत पदकों सहित चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतकर उस स्पर्धा में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें अब तक दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर का दबदबा रहा था। तीरंदाजी में 18 वर्षीय शीतल देवी न केवल बिना हाथ वाली पहली पैरा विश्व चैंपियन बनीं, बल्कि उन्होंने सक्षम शरीर वाले खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम भी श्रीलंका से विश्व चैंपियन बनकर लौटी। दीपिका टीसी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। मुक्केबाजी में पुरुष खिलाड़ियों को साल भर संघर्ष करना पड़ा लेकिन महिला खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। जैस्मीन लैंबोरिया और मीनाक्षी हुडा ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर मनोबल बढ़ाया। फुटबॉल के मैदान पर जहां पुरुष टीम झटके झेलती रही, वहीं महिला टीम ने अगले साल के एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करके आशा की किरण जगाई।

मीराबाई चानू ने दी चुनौतियों को मात

भारोत्तोलन में मीराबाई चानू की श्रेष्ठता को इस साल भी कोई चुनौती नहीं दे सका। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की यह खिलाड़ी भले ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन इसके बावजूद वह इस खेल में भारत की अग्रणी खिलाड़ी बनी हुई हैं। पीठ की लगातार समस्या से जूझने के बावजूद मीराबाई ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। उनका पसंदीदा 49 किलोग्राम वर्ग अब ओलंपिक सूची का हिस्सा नहीं है। ऐसे में यह देखना बाकी है कि वह 2028 में लॉस एंजिल्स खेलों के लिए किस तरह से तैयारी करती हैं।

अंतिम पंघाल ने भी दिखाया दम

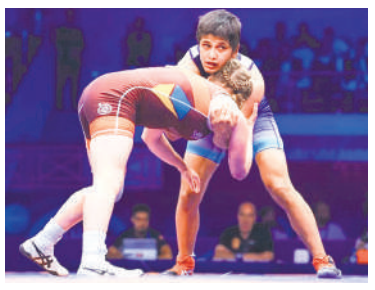

कुश्ती में महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने यह सुनिश्चित किया कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत का निराशाजनक प्रदर्शन ही इस वर्ष चर्चा का एकमात्र विषय न हो। अंतिम ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जो इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल कुश्ती डोपिंग विवादों और कुछ पहलवानों के अधिक वजन वर्ग के कारण प्रतियोगिताओं से बाहर होने के लिए अधिक चर्चा में रही थी।

पुरुष क्रिकेट और हॉकी टीम में मची रही गहमागहमी

भारतीय महिला टीम ने जहां वनडे विश्व कप जीता वहीं पुरुष टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम हालांकि टेस्ट क्रिकेट में जूझती नजर आई। ऐसा ही कुछ भाला फेंक के धुरंधर नीरज चोपड़ा के साथ भी देखने को मिला। उन्होंने लंबे इंतजार के बाद दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर के जादुई आंकड़े को पार किया, लेकिन विश्व चैंपियनशिप में वह अप्रत्याशित रूप से आठवें स्थान पर रहे। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में परेशानी की शुरुआत इस साल दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के साथ हुई। भले ही देश को शुभमन गिल के रूप में एक नया कप्तान मिल गया हो, फिर भी ये दोनों खिलाड़ी प्रशंसकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण बने रहे। ऐसा तब हो रहा है जबकि रोहित और कोहली दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में खेलते हैं। आलोचनाओं से घिरे मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इन दोनों खिलाड़ियों के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावनाओं पर सीधे जवाब देने से परहेज किया। पुरुष हॉकी टीम के लिए भी यह साल काफी अच्छा रहा। सीनियर टीम ने एशिया कप जीतकर 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया और जूनियर टीम ने घरेलू धरती पर खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक जीता। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इस साल भी खेल प्रशासन प्रमुख चिंता का विषय बना रहा, जैसा कि एआईएफएफ के वाणिज्यिक साझेदार खोजने के संघर्ष से स्पष्ट होता है।

रोमांच का आगाज

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता वाले कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री को सौंपा

कार्यबल ने बताई कमियां, मांडविया बोले- करेंगे सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक ईकाई के गठन की सिफारिश की है। कार्यबल ने 170 पन्नों की रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मांडविया को सौंप दी है जिन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत के खेल इकोसिस्टम को पेशेवर बनाने के प्रयास के तहत कार्यबल की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।

ओलंपिक 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल महासंघों और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने,

कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए कार्यबल का गठन किया था। कार्यबल ने खेल शिक्षा और सामर्थ्य निर्माण राष्ट्रीय परिषद (एनसीएसईसीबी) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त ईकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था, जिसमे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज बिंद्रा के अलावा आदिले

सुमरिवाला और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन भी थे।

कार्यबल ने रिपोर्ट में कहा है कि खेल प्रशासकों में पेशेवर कैडर का अभाव है और संस्थागत निरंतरता भी कमजोर है। ट्रेनिंग के मौके व्यवस्थित और आधुनिक नहीं है, जिसमे निरंतर पेशेवर विकास पर फोकस सीमित है। इसमें कहा गया कि खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है।

एनआईएस पटियाला को अकादमी बनाने का सुझाव खारिज

नई दिल्ली। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकादमी बनाने के प्रस्ताव को कार्यबल ने खारिज कर दिया है और इसे प्रतिबंधात्मक और अस्थिर बताया। कार्यबल से समीक्षा के लिए कहा गया था कि पटियाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के सामर्थ्य निर्माण के लिए अकादमी बनाया जा सकता है। एनआईएस पटियाला में मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है। इसके अलावा देश में कोचिंग डिप्लोमा देने वाला भी यह प्रमुख संस्थान है। कार्यबल ने कहा कि एक राष्ट्रीय अकादमी का सुझाव अच्छा है।